मासिक करंट अफेयर्स यूपीएससी और पीसीएस परीक्षाओं के लिए

दिसम्बर 2018

POWERED BY:

gradeup

दैनिक सामयिकी यूपीएससी आईएएस की तैयारी के लिये

01.12.2018

1. **कोप इंडिया 2019: भारत-अमेरिका द्विपक्षीय वायु युद्धाभ्यास**

- इस संयुक्त युद्धाभ्यास में भारत और अमेरिका की वायु सेनाएं भाग लेंगी, यह कोप इंडिया 2019 (सी.आई.19) युद्धाभ्यास बंगाल में आयोजित किया जाएगा।
- यह युद्धाभ्यास सेनानी-प्रशिक्षण अभ्यास के अतिरिक्त विषय वस्तु विशेषज्ञ विनिमय, वायु गतिशीलता प्रशिक्षण, वायुयान प्रशिक्षण और बड़ी सेना अभ्यास को शामिल करने के लिए विकसित किया गया है।

संबंधित जानकारी

- पहले कोप इंडिया का आयोजन फरवरी, 2004 में ग्वालियर में आई.ए.एफ. स्टेशन पर किया गया था।
- हवाई चेतावनी एवं नियंत्रण प्रणाली जैसे लड़ाकू विमान और फोर्स मल्टीप्लायर के शामिल हो जाने से कोप इंडिया की व्यापकता में प्रसार हुआ है।
- हाल ही में, युद्धाभ्यास 2018- भारत और अमेरिका संयुक्त सैन्य प्रशिक्षण युद्धाभ्यास को सितंबर, 2018 में चौबत्तियां में हिमालय की तलहटी में आयोजित किया गया था।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 3 –रक्षा

स्रोत-पी.आई.बी.

2. **भारत का पहला स्वदेशी फिल्म महोत्सव**

- भारत के पहले अंतर्राष्ट्रीय स्वदेशी फिल्म महोत्सव को वर्ष 2019 में ओडिशा में आयोजित किया जाएगा।
- यह कार्यकर्ता फिल्म सामूहिक वीडियो गणराज्य की एक पहल है, जो राज्य में स्वदेशी समुदायों के लिए प्रचार कर रही है।
- यह एक शोकेस फिल्म है जो स्वदेशी लोगों द्वारा बनाई गई है अथवा स्वदेशी समुदायों के सहयोग से गैर-स्वदेशी फिल्म निर्माताओं द्वारा बनाई गई है।
- इस महोत्सव का लक्ष्य दुनिया भर से स्वदेशी समुदायों को अपने विचार साझा करने के लिए, वार्तालाप करने हेतु, सहयोग करने के लिए एक मंच प्रदान करना है और सिनेमा को शोषक बलों के विरूद्ध संयुक्त अभिकथन, विरोध और सक्रियता के रूप में उपयोग करना है।

संबंधित जानकारी

- ओडिशा में कुल 62 जनजातियां निवास करती हैं जिनमें से 13 जनजातियां "विशेष रूप से लुप्तप्राय जनजातीय समूह" (पी.टी.जी.) में शामिल हैं।
- ये जनजातियां, राज्य की कुल जनसंख्या के 22.5% से अधिक और देश की कुल जनजातीय जनसंख्या का 9 .7% है।
- जनसंख्या के मामले में कोंधा अथवा कंधा राज्य की सबसे बड़ा जनजाति है।
- संथाल, मयूरभंज जिले के निवासी हैं।
- बोंडा को 'नग्न व्यक्तियों' के रूप में जाना जाता है, ये मल्कांगिरी जिले में रहते हैं जो पहले अविभाजित कोरापुट का भाग था।

टॉपिक-जी. एस. पेपर 1- कला एवं संस्कृति

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

3. **जलवायु परिवर्तन: यूरोप ने वर्ष 2050 तक जलवायु तटस्थ होने का लक्ष्य निर्धारित किया है।**

- यूरोपीय संघ का कहना है कि वर्ष 2050 तक "जलवायु तटस्थ" होने वाले पहले देश बनने का लक्ष्य निर्धारित किया जा रहा है।
- यूरोपीय संघ का कहना है कि इस कदम से वायु प्रदूषण के कारण होने वाली असामयिक मौतों में 40% तक की कमी आएगी।
- इस योजना के अंतर्गत उस तिथि के बाद से पेड़ लगाने के द्वारा अथवा जमीन के नीचे गैसों को दबाकर ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को समायोजित किया जाएगा।

- वैज्ञानिकों का कहना है कि इस शताब्दी के लिए वैश्विक तापमान को 1.5 डिग्री सेल्सियस से कम रखने के लिए किए जाने वाले प्रयासों में बने रहने हेतु वर्ष 2050 तक परिणामी-शून्य उत्सर्जन प्राप्त करना अनिवार्य है।

संबंधित जानकारी

जलवायु तटस्थता क्या है?

- जलवायु तटस्थता का अर्थ- वायुमंडल से गर्म गैसों को हटाने की विधियों के द्वारा आपके उत्सर्जन को संतुलित करना है।
- अत: कारों और ऊर्जा संयंत्रों द्वारा उत्पन्न किए गए गर्म उत्सर्जन को उन ग्रीनहाउस गैसों द्वारा रोका जाना चाहिए जो नए वनों को लगाने के द्वारा अथवा कार्बन कैप्चर तकनीकि के माध्यम से वायुमंडल से बाहर निकाली जाती है। कार्बन कैप्चर तकनीकि के द्वारा जमीन के अंदर दबायी गई कार्बन डाई ऑक्साइड गैस की जांच की जाती है।

वे इसे किस प्रकार प्राप्त करेंगे?

- यूरोपीय संघ ने गर्म गैसों को कम करने के लिए सदस्य राज्यों के लिए आठ परिदृश्य निर्धारित किए हैं- इनमें से दो रणनीतियों के अनुरूप यूरोप जलवायु तटस्थ बन जाएगा।
- यूरोपीय संघ का कहना है कि इसे सौर ऊर्जा और पवन ऊर्जा जैसी वर्तमान तकनीकों के द्वारा भी पूरा किया जा सकता है। 80 प्रतिशत तक बिजली उत्पादन प्रदान करने के स्तर से इन ऊर्जाओं को बढ़ाने की आवश्यक्ता है।
- शताब्दी के मध्य तक ऊर्जा खपत को आधा करने के लिए घरेलू तपावरोधन जैसे ऊर्जा दक्षता उपायों को बढ़ाने की आवश्यक्ता है।
- "इस योजना के साथ वर्ष 2050 तक परिणामी शून्य उत्सर्जन को प्राप्त करने के मामले में यूरोप, विश्व की पहली प्रमुख अर्थव्यवस्था होगी।
- यूरोपीय संघ का मानना है कि पेरिस समझौते के लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करने वाले उपाय महंगे होंगे लेकिन वर्ष 2050 तक अर्थव्यवस्था को जी.डी.पी. का 2 प्रतिशत बढ़ा देगें और 70 प्रतिशत से अधिक की बचत के ऊर्जा आयात को कम कर देगें।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- टी.ओ.आई.

4. **<u>सरकार ने भाषा संगम शुरू किया है।</u>**

- सरकार ने स्कूली छात्रों के समक्ष 22 भारतीय भाषाएं पेश करने के लिए भाषा संगम नामक एक अनूठी पहल शुरू की है।
- यह पहल, एक भारत श्रेष्ठ भारत के अंतर्गत शुरू की गई है।
- भाषा संगम, भारतीय भाषाओं में छात्रों को बहुभाषीय अनावरण प्रदान करने विद्यालय और शैक्षणिक संस्थानों के लिए एक कार्यक्रम है।
- इसका प्रमुख उद्देश्य भाषाई सहिष्णुता और सम्मान को सुधारना और राष्ट्रीय एकीकरण को बढ़ावा देना है।

संबंधित जानकारी

- भारतीय संविधान की आंठवीं अनुसूची में 22 भाषाओं को सूचीबद्ध किया गया है लेकिन अधिकांश छात्र केवल एक अथवा दो भाषाओं का ही ज्ञान रखते हैं।
- यह कार्यक्रम बच्चों को भारत की अन्य भाषाओं से परिचित होने में भी मदद करेगा।

'एक भारत श्रेष्ठ भारत

- एक भारत श्रेष्ठ भारत की घोषणा प्रधानमंत्री द्वारा सरदार वल्लभभाई पटेल की 140वीं जयंती के अवसर पर 31 अक्टूबर, 2015 को की गई थी।
- यह कार्यक्रम विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की संस्कृति, परंपराओं और प्रथाओं के ज्ञान का विनिमय करने में मदद करता है जो राज्यों के मध्य पारस्परिक समझ और संबंधों को बढ़ाएंगे, जिससे भारत की एकता और अखंडता सशक्त होगी।

उद्देश्य

- हमारे राष्ट्र की अनेकता में एकता का जश्न मनाना और हमारे देश के लोगों के मध्य पारंपरिक रूप से मौजूद भावनात्मक संबंधों को मजबूत करना और बनाए रखना।

- राज्यों के मध्य एक वर्ष की योजनाबद्ध वचनबद्धता के माध्यम से सभी भारतीय राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के बीच एक गहरी और संरचित वचनबद्धता के द्वारा राष्ट्रीय एकीकरण की भावना को बढ़ावा देना।
- भारत की विविधता को समझने और उसकी सराहने करने में लोगों को सक्षम करने हेतु किसी भी राज्य की समृद्ध विरासत और संस्कृति, रीति-रिवाजों और परंपराओं को दर्शाना चाहिए, जिससे उनमें सामान्य पहचान की भावना को बढ़ावा मिलेगा।
- दीर्घकालिक संबंध स्थापित करना।
- एक ऐसे वातावरण का निर्माण करना जो राज्यों के मध्य सर्वश्रेष्ठ अभ्यासों और अनुभवों को साझा करने के द्वारा शिक्षण को बढ़ावा दे।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

5. **<u>देश के पहले उल्लू महोत्सव का पुणें में आयोजन किया गया है।</u>**

- भारतीय उल्लू महोत्सव, देश का पहला उल्लू महोत्सव है जिसका पुणे के पिंगोरी गांव में आयोजन किया जाएगा।
- यह देश में इस प्रकार का पहला ऐसा महोत्सव है जिसें एक पक्षी के रूप में उल्लू के बारे में जागरूकता फैलाने और इससे संबंधित कई अंधविश्वासों को समाप्त करने के लिए आयोजित किया गया है।
- यह एला फाउंडेशन द्वारा आयोजित किया जा रहा है, यह एक एन.जी.ओ. है जो प्रकृति, शिक्षा और संरक्षण की दिशा में काम करता है।

संबंधित जानकारी

- पूरे विश्व में पाई जाने वाली उल्लू की 262 प्रजातियों में से 75 प्रजातियों को रेड डाटा बुक में दर्ज किया गया है, जिसका अर्थ है कि वे लुप्तप्राय प्रजातियां हैं।
- इसके पीछे के प्रमुख कारण अंधविश्वास और आवास नुकसान हैं।
- वर्ष 2010 में ट्रैफिक इंडिया, वन्यजीव व्यापार निगरानी निकाय और विश्व वन्यजीवन निधि (डब्ल्यू.डब्ल्यू.एफ.) द्वारा प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार: उल्लू को काले जादू, सड़क प्रदर्शन, चर्म-प्रसाधनों, भोजन और लोक दवाओं सहित विभिन्न उद्देश्यों के लिए "उपभुक्त और व्यापार किया गया" पाया गया था।
- भारत के वन्यजीवन (संरक्षण) अधिनियम के अंतर्गत उल्लू संरक्षित हैं।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 1 –कला एवं संस्कृति

स्रोत- द हिंदू

6. **<u>यूनेस्को ने कुश्ती, रेग और रायहो-शिन परंपराओं को संरक्षित की जाने वाली वैश्विक निधियों के रूप में सूचीबद्ध किया है।</u>**

- संयुक्त राष्ट्र शैक्षणिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) ने जमैका रेग, जॉर्जियाई कुश्ती और जापानी रायहो-शिन परंपराओं को वैश्विक निधियों के लिए विश्व की "अमूर्त विरासत" की अपनी सूची में नए तत्वों के रूप में शामिल किया है।
- यह अभी तक कम ज्ञात और सुबोध कला परंपराओं की दृश्यता को सुधारने में मदद करेगा।

रेग

- यह एक अद्वितीय जमैकाई संगीत का रूप है जो एक ऐसा माध्यम बन गया है जिसके द्वारा हाशिए वाले लोगों ने अपनी आवाज की कला को बिखेरा है।
- इसे जमैका के रेग सम फेस्ट में सबसे बड़े रेग महोत्सव में अनुभव किया जा सकता है, जो प्रत्येक वर्ष जुलाई के मध्य में मोंटेगो की खाड़ी में आयोजित किया जाता है।

जापानी रायहो-शिन

- यह एक जापानी लोक परंपरा है जिसमें लोग विदेशी परिधानों और मुखौटों को पहनते हैं, जो देवताओं को दर्शाते हैं और फिर वे अपने पड़ोसियों के घरों पर जाते हैं।
- यह इस विश्वास का प्रदर्शन करता है कि नव वर्ष अथवा मौसम बदलने का जश्न मनाने के लिए देवता ने समुदायों के पास जाते हैं।

जॉर्जियाई कुश्ती

- यह चिदाओबा नामक जॉर्जियाई पारंपरिक कुश्ती का सदियों पुराना रूप है।
- चिदाओबा तकनीकों के विवरण और चैंपियनों के शौर्य के चिन्ह प्राचीन जॉर्जियाई पांडुलिपियों में दिखाई देते हैं।
- यह 13वीं शताब्दी में जॉर्जिया की सेना के लिए प्रशिक्षण का एक अनिवार्य हिस्सा था लेकिन अंतिम मध्य युग तक, ग्रामीण और शहरी समुदायों में महोत्सव कार्यक्रमों के रूप में आयोजित होने वाले सभी युद्ध समारोह और टूर्नामेंट समाप्त हो चुके थे।

संबंधित जानकारी

अमूर्त सांस्कृतिक विरासत

- एक अमूर्त सांस्कृतिक विरासत एक अभ्यास, प्रतिनिधित्व, अभिव्यक्ति, ज्ञान अथवा कौशल के साथ ही उपकरणों, वस्तुओं, कलाकृतियों और सांस्कृतिक स्थान हैं जिन्हें यूनेस्को द्वारा किसी स्थान की सांस्कृतिक विरासत के रूप में शामिल किया गया है।
- संस्कृति के अमूर्त पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करने वाली मूर्त विश्व धरोहर के संबंध में यूनेस्को के सदस्य राज्यों द्वारा अमूर्त सांस्कृतिक विरासत पर विचार किया जा रहा है।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 1 –कला एवं संस्कृति

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

7. **"8 राज्यों ने सौभाग्य योजना के अंतर्गत 100% घरेलू विद्युतीकरण हासिल किया हैं।"**

- 8 राज्यों ने सौभाग्य योजना के अंतर्गत घरेलू विद्युतीकरण में 100% परिपूर्णता हासिल की है।
- इन राज्यों के नाम मध्य प्रदेश, त्रिपुरा, बिहार, जम्मू-कश्मीर, मिजोरम, सिक्किम, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल हैं।
- वर्तमान में देश में कुल 15 ऐसे राज्य हैं जिन्होंने 100% घरेलू विद्युतीकरण हासिल कर लिया है।

संबंधित जानकारी

सौभाग्य- 'प्रधानमंत्री सहज बिजली हर घर योजना'

- यह योजना सितंबर, 2017 में शुरू की गई थी।
- इस योजना का उद्देश्य देश के सभी शेष परिवारों को बिजली उपलब्ध कराना है।
- देश में 100% घरेलू विद्युतीकरण की उपलब्धि, सभी के लिए 24x7 बिजली के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में एक प्रमुख मील का पत्थर होगा।
- सरकार 31 मार्च, 2019 तक सभी के लिए 24x7 बिजली उपलब्ध कराने के लक्ष्य को सुनिश्चित करने हेतु प्रतिबद्ध है।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत-पी.आई.बी.

8. **एफ.एस.एस.ए.आई. ने ट्रांस वसा पर जागरूकता अभियान शुरू किया है।**

- भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफ.एस.एस.ए.आई.) ने ट्रांस वसा के बारे में जागरूकता पैदा करने और वर्ष 2022 तकभारत में इसे खत्म करने के लिए एक नया जन माध्यम अभियान शुरू किया है।
- यह अभियान नागरिकों को ट्रांस वसा खाने से होने वाले स्वास्थ्य खतरों के बारे में चेतावनी देगा और स्वस्थ विकल्पों के माध्यम से उनसे बचने के लिए रणनीतियों के बारे में बताएगा।।
- हाल ही के अध्ययनों से ज्ञात हुआ है कि प्रत्येक वर्ष हृदय रोग के कारण 60,000 मौतें होती हैं, जो अधिक मात्रा में ट्रांस वसा की खपत के कारण होती हैं।
- स्वस्थ भारत यात्रा, "ईट राइट" अभियान के अंतर्गत शुरू की गई एक पहल है जो नागरिकों के मध्य ट्रांस वसा के बारे में जागरूकता पैदा करेगी।

संबंधित जानकारी

ट्रांस वसा

- ट्रांस वसा को असंतृप्त फैटी एसिड अथवा ट्रांस फैटी एसिड भी कहा जाता है, यह असंतृप्त वसा का एक प्रकार है जो प्रकृति में बहुत कम मात्रा में पाया जाता है।

- इसे 1950 के दशक से नकली मक्खन, स्नैक भोजन, पैक बेक्ड खाद्य और फास्ट फूड तलने के प्रयोग हेतु औद्योगिक स्तर पर वन्सपति वसा से व्यापक रूप से उत्पन्न किया जा रहा है।
- जिस वसा में लंबी हाइड्रोकार्बन श्रृंखला होती है, वे या तो असंतृप्त अर्थात द्विक बंध वाले अथवा संतृप्त अर्थात बिना द्विक बंध वाले हो सकते हैं।
- ट्रांस वसा उपभोग करने से कम घनत्व वाले लिपोप्रोटीन (एल.डी.एल., जिसे अक्सर "खराब कोलेस्ट्रॉल" कहा जाता है) के स्तर के बढ़ने से कोरोनरी धमनी रोग का खतरा बढ़ जाता है, उच्च घनत्व वाले लिपोप्रोटीन (एच.डी.एल., प्राय: "अच्छा कोलेस्ट्रॉल कहा जाता है) के स्तर को कम करता है, रक्त नहलकाओं में ट्राइग्लिसराइड्स को बढ़ाता है और प्रणालीगत सूजन को बढ़ावा देता है।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकि
स्रोत- डाउन टू अर्थ

03.12.2018

1. **<u>हम्पी उत्सव</u>**

- हाल ही में, कर्नाटक सरकार ने घोषणा की है कि इस वर्ष बल्लारी में सूखे के कारण हम्पी उत्सव का आयोजन नहीं किया जाएगा।
- हम्पी उत्सव को विजय उत्सव के रूप में भी जाना जाता है, यह विजयनगर साम्राज्य के समय से मनाया जाने वाला हम्पी का सबसे बड़ा उत्सव है।
- इस कार्यक्रम को कर्नाटक सरकार द्वारा "नादा उत्सव" के रूप में दोहराया जाता है।
- इस त्योहार की विशेषता वृहद सांस्कृतिक कल्पात्मक नाटक हैं।

संबंधित जानकारी
हम्पी

- हम्पी को हम्पी में स्मारकों के समूह के रूप में भी जाना जाता है, यह भारत के पूर्व-मध्य कर्नाटक में स्थित यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है।
- यह 14वीं शताब्दी में हिंदू विजयनगर साम्राज्य राजधानी का केंद्र बन गया था।
- फारसी और यूरोपीय यात्रियों द्वारा छोड़े गए इतिहास से, विशेषकर पुर्तगालियों द्वारा छोड़े गए इतिहास के द्वारा ज्ञात होता है कि हम्पी राज्य तुंगभद्रा नदी के किनारे स्थित एक समृद्ध, धनी और भव्य शहर था।
- हम्पी एक महत्वपूर्ण धार्मिक केंद्र है, इस राज्य में विरूपक्षा मंदिर, एक सक्रिय आदि शंकराचार्य मठ है और इस पुराने शहर से विभिन्न स्मारक संबंधित हैं।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 1 – कला एवं संस्कृति
स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

2. **<u>ऑस्ट्रेलिया 'अनाथालय तस्करी' के विरूद्ध जाने वाला पहला देश बन गया है।</u>**

- ऑस्ट्रेलिया, विश्व का पहला देश है जिसने अनाथालय तस्करी को आधुनिक गुलामी के रूप में मान्यता प्रदान की है।
- आधुनिक गुलामी विधेयक, संसद के दोनों सदनों द्वारा पारित किया गया था और इसके अंतर्गत "अनाथालय तस्करी" नामक नए कानून को गुलामी और तस्करी अपराध के रूप में माना जाएगा।
- अमेरिकी सरकार के व्यक्तियों की तस्करी (टी.आई.पी.) रिपोर्ट के अनुसार, यह अनुमान लगाया गया है कि दुनिया भर के अनाथालयों में रहने वाले आठ मिलियन बच्चों में से लगभग 80 प्रतिशत बच्चों के माता-पिता अथवा परिवार हैं जो उनकी देखभाल कर सकते हैं।
- सेव द चिल्ड्रेन के अनुसार, 50 प्रतिशत से अधिक ऑस्ट्रेलियाई विश्वविद्यालयों ने अनाथालय प्लेसमेंटों को विदेशों में एक स्वयंसेवी अवसर के रूप में विज्ञापित किया है।

संबंधित जानकारी

- बच्चों की तस्करी, मानव तस्करी का एक रूप है और इसे गुलामी, जबरदस्ती मजदूरी कराने और शोषण के उद्देश्य के लिए की गई भर्ती, ढुलाई, स्थानांतरण, पनाह देने और/ अथवा एक बच्चे की प्राप्ति के रूप में परिभाषित किया जाता है।

- यह परिभाषा, "व्यक्तियों की तस्करी" के समान दस्तावेज़ की परिभाषा से काफी हद तक व्यापक है।
- गोद लेने के उद्देश्य से भी बच्चे की तस्करी की जा सकती है।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

3. **<u>वर्ष 2022 में भारत जी-20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा।</u>**

- वर्ष 2022 में भारत जी-20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा, इस वर्ष देश अपनी आजादी की 75 वीं वर्षगांठ मनाएगा।
- भारत से पहले इटली को वर्ष 2022 में इस अंतर्राष्ट्रीय मंच की मेजबानी करने के लिए चुना गया था।

संबंधित जानकारी

जी20 शिखर सम्मेलन 2018

- यह ग्रुप ऑफ ट्वेंटी (जी20) की 13वीं बैठक होगी और दक्षिण अमेरिका में अर्जेंटीना के ब्यूनस एरीज समिति में आयोजित किया जाने वाला पहला जी-20 शिखर सम्मेलन होगा।
- यह सरकारों और केंद्रीय बैंक गवर्नरों के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय मंच है।
- जी20, 19 देशों और यूरोपीय संघ से मिलकर बना है।
- ये 19 देश अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, जर्मनी, फ्रांस, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, मैक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, दक्षिण कोरिया, तुर्की, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका हैं।
- जी20 का उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय स्थिरता के संवर्धन से संबंधित नीतियों पर चर्चा करना है।
- जी20 अर्थव्यवस्थाओं का सकल विश्व उत्पाद (जी.डब्ल्यू.पी.) में लगभग 90% का और विश्व व्यापार में 80% का योगदान है।

टॉपिक-जी. एस. पेपर 2 – महत्वूपर्ण सम्मेलन

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

4. **<u>किम्बरली प्रक्रिया</u>**

- भारत ने चार दिवसीय 15वीं किम्बरली प्रक्रिया प्रमाणन योजना (के.पी.सी.एस.) परिपूर्ण 2018 के दौरान यूरोप से किम्बरली प्रक्रिया की अध्यक्षता ले ली है।
- इस वर्ष के.पी.सी.एस. का आयोजन ब्रूसेल्स, बेल्जियम में किया गया था।
- के.पी.सी.एस. की अध्यक्षता के दौरान भारत की भूमिकाओं में शामिल होंगे:

1. भारत का उद्देश्य उन लोगों के जीवन स्तर में सुधार करना है जो उत्पादन, व्यापार और हीरे के निर्माण पर निर्भर हैं।
2. भारत क्षमता निर्माण, तकनीकी सहायता और मूल्यांकन पर शिक्षा के माध्यम से शिल्प और लघु-स्तरीय खनन के उत्थान में भी मदद करेगा।

संबंधित जानकारी

किम्बरली प्रक्रिया

- किम्बरली प्रक्रिया हीरे के संघर्ष को नियंत्रित करने के लिए विभिन्न देशों, उद्योगों और नागरिक समाजों की एक संयुक्त पहल है जो विश्व में न्यायसंगत सरकारों के विरूद्ध युद्धों का निधिकरण करने हेतु विद्रोही आंदोलनों द्वारा प्रयोग की जाती हैं।
- भारत, किम्बरली प्रक्रिया प्रमाणन योजना (के.पी.सी.एस.) का संस्थापक सदस्य है और विश्व में हीरा व्यापार का लगभग 99 प्रतिशत हिस्सा संघर्ष रहित है यह सुनिश्चित करने हेतु भारत सक्रिय रूप से शामिल रहता है।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 2– अंतर्राष्ट्रीय संगठन

स्रोत- टाइम्स ऑफ इंडिया

5. **<u>वैश्विक पोषण रिपोर्ट 2018</u>**

- 2018 वैश्विक पोषण रिपोर्ट से पता चलता है कि कुपोषण अस्वीकार्य रूप से उच्च स्तर पर है और विश्व के प्रत्येक देश को प्रभावित कर रहा है लेकिन यहां पर इसे समाप्त करने का एक अभूतपूर्व अवसर भी है।

- वैश्विक पोषण रिपोर्ट के अनुसार, भारत एक प्रमुख कुपोषण संकट का सामना कर रहा है क्यों कि इसमें विकसित होने से रोकने के लिए पूरे विश्व का एक-तिहाई भाग समाहित है।
- कुपोषण संकट में भारत सबसे खराब स्थिति में है क्यों कि पूरे विश्व के अविकसित बच्चों का एक-तिहाई भाग भारत में है।
- रिपोर्ट ने भारत को रक्ताल्पता और वृद्धि रूकने जैसे दो प्रकार के कुपोषणों का अनुभव करने वाले देश के रूप में वर्गीकृत किया है।
- वृद्धि रूकने अथवा आयु के अनुरूप कम ऊँचाई की समस्या दीर्घकालिक अपर्याप्त पोषक तत्व-सेवन और लगातार संक्रमण के कारण होती है।
- भारत ने 25.5 मिलियन कमजोर बच्चे हैं, इसके बाद नाइजीरिया में 3.4 मिलियन और इंडोनेशिया में 3.3 मिलियन कमजोर बच्चे हैं।
- कमजोर अथवा ऊँचाई के अनुरूप कम वजन होना पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों में मृत्यु का बड़ा कारण है जो सामान्यत: गंभीर महत्वपूर्ण खाद्य कमी और/ अथवा बीमारी का परिणाम होता है।

संबंधित जानकारी

- विश्व स्वास्थ्य संगठन, वैश्विक पोषण रिपोर्ट का साझेदार है।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 2 – महत्वूपर्ण रिपोर्ट

स्रोत- द हिंदू

6. **<u>ईदृष्टि</u>**

- भारतीय रेलवे ने 'ईदृष्टि' नामक एक सॉफ्टवेयर लॉन्च किया है जो केंद्रीय रेल मंत्री को ट्रेनों की समयबद्धता के साथ-साथ देश में किसी भी स्थान से भाड़ा एवं यात्री कमाई के संदर्भ में पूरी जानकारी रखने में सक्षम बनाएगा।
- 'ईदृष्टि' सॉफ्टवेयर का विकास रेलवे सूचना प्रणाली केंद्र (सी.आर.आई.एस.) द्वारा किया गया है, इस सॉफ्टवेयर का विकास भारतीय रेलवे से संबंधित सभी सूचनाओं की पूरी जानकारी रखने में मंत्री की सहायता करने हेतु किया गया है।
- ट्रेनों में परोसे जाने वाले भोजन की गुणवत्ता के संदर्भ में कई शिकायतें आने के कारण इस सॉफ्टवेयर को भारतीय रेल खानपान एवं पर्यटन निगम (आई.आर.सी.टी.सी.) की आधारिक रसोई से भी जोड़ा गया है।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 3 – विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

7. **<u>शारदा पीठ</u>**

- हाल ही में, कश्मीरी पंडितों ने अनंतनाग में एक विरोध प्रदर्शन किया था, जिसमें सिक्खों के लिए करतारपुर गलियारे की तर्ज पर पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में स्थित शारदा देवी मंदिर जाने वाले भक्तों को सुविधा प्रदान करने की मांग की गई थी।

संबंधित जानकारी

शारदा पीठ

- शारदा पीठ, पाक अधिकृत कश्मीर क्षेत्र में नियंत्रण रेखा के पार नीलम नदी के किनारे शारदा गांव में स्थित एक त्यागा हुआ मंदिर है।
- यह शिक्षण का एक प्रमुख केंद्र था और इसे दक्षिण एशिया में 18 अत्यधिक श्रद्धेय मंदिरों में से एक माना जाता है।
- शारदा देवी, कश्मीरी पंडितों की प्रमुख देवी हैं।
- कनिष्क प्रथम के शासनकाल के दौरान पूरे मध्य एशिया में शारदा सबसे बड़ा अकादमिक संस्थान था।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 1 – कला एवं संस्कृति

स्रोत- द हिंदू

8. **<u>नागालैंड, उत्तर-पूर्व में पर्यटक पुलिस की शुरूआत करने वाला दूसरा राज्य बन गया है।</u>**

- नागालैंड के मुख्यमंत्री ने कोहिमा में पुलिस मुख्यालय में राज्य पर्यटक पुलिस की शुरुआत की है।
- अरूणाचल प्रदेश के बाद नागालैंड, उत्तर-पूर्व में पर्यटक पुलिस की शुरूआत करने वाला दूसरा राज्य बन गया है।
- उन्होंने पर्यटक पुलिस पुस्तिका भी जारी की है और नागालैंड पुलिस एफ.आई.आर. मोबाइल एप्लीकेशन भी लॉन्च किया है।

संबंधित जानकारी

हॉर्नबिल महोत्सव

- हॉर्नबिल महोत्सव, नागालैंड के सबसे पोषित महोत्सवों में से एक है।
- हॉर्नबिल राज्य में सबसे सम्मानित पक्षी प्रजातियों में से एक है।

टॉपिक- जी. एस. पेपर -कला एवं संस्कृति

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

9. **एशिया प्रशांत शिखर सम्मेलन-2018**

- एशिया प्रशांत शिखर सम्मेलन-2018, नेपाल की राजधानी काठमांडू में शुरू किया गया था।
- 2018 शिखर सम्मेलन की थीम "हमारे समय की गंभीर चुनौतियों: परस्पर निर्भरता, पारस्परिक समृद्धि और सार्वभौमिक मूल्यों" को संबोधित करना थी।
- इस शिखर सम्मेलन में भारत सहित 45 देशों के 1500 प्रतिभागियों ने भाग लिया है।

टॉपिक- जी. एस. पेपर -2- समिति एवं सम्मेलन

स्रोत-डी.डी. न्यूज

04.12.2018

1. **एस.एच.आई.एन.वाई.यू.यू. (SHINYUU) मैत्री - 2018**

- यह जापानी वायु स्वरक्षा बल (जे.ए.एस.डी.एफ.) और भारतीय एयर फोर्स के बीच एक द्विपक्षीय वायु अभ्यास है।
- इस अभ्यास की थीम संयुक्त गतिमान/मानवीय सहयोग व मालवाहक वायुयानों पर आपाद बचाव (एच.ए.डी.आर.) है।
- जे.ए.एस.डी.एफ. सी.2 वायुयान के साथ वायुकर्मी/दर्शक दोनों देशों की वायुसेनाओं के पहले इसे पहले वायु सेना अभ्यास के भाग रहे।

संबंधित जानकारी

- जे.आई.एम.ई.एक्स.-18, विशाखापट्टनम में भारत और जापान की समुद्री सेनाओं के बीच एक द्विपक्षीय समुद्री अभ्यास है।
- 'धर्म गार्डियन-2018' भारत और जापान की थल सेनाओं के बीच एक संयुक्त थलसेना अभ्यास है।

विषय - सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 3 – रक्षा

स्त्रोत - पी.आई.बी.

2. **जी.एस.ए.टी. 11 ने इसरो का नया सैटेलाइट उच्च गति इंटरनेट सेवाओं के लिए उड़ान भरी**

- इसरो द्वारा प्रक्षेपित जीसैट-11 यूरोपीय प्रक्षेपण यान एरिकेन 5 ईसीए, संख्या VA246 से उड़ान भरेगा।
- 5,854 किग्रा. भार का यह उपग्रह इसरो द्वारा अभी तक बनाया अथवा प्रक्षेपित किया गये उपग्रह से दोगुने भार का है।
- इसका सह-यात्री दक्षिण कोरिया का जिओ-कॉम्पसैट-2A एक मौसम विज्ञानी उपग्रह है।
- जीसैट-11 इसरो के नए परिवार हाइ-थ्रूपुट कम्यूनिकेशन सैटेलाइट (एच.टी.एस.) का भाग है।
- यह उपग्रह देश के इंटरनेट को इंटरनेट ब्रॉडबेंड को अंतरिक्ष से अनछुए क्षेत्रों में पहुंचाने में मदद करेगा।

संबंधित जानकारी

- इसरो पहले ही दो एच.टी.एस. - जीसैट 29 और जीसैट 19 को प्रक्षेपित कर चुका है जो भारतीय प्रयोगकर्ताओं को 100 जीबीपीएस (गीगाबाइट प्रति सेकण्ड) की दर से उच्च-गति इंटरनेट डेटा सेवाएं प्रदान करेंगे।
- एच.टी.एस. अखिल भारतीय डिजिटल अथवा आसान इंटरनेट आधारित कार्यक्रमों और सेवाओं जैसे डिजिटल इंडिया, ग्रामीण ई-प्रशासन के लिए भारत नेट, वाणिज्यिक और सार्वजनिक क्षेत्र वीसैट नेट सेवा प्रदाता आदि की रीढ़ भी होगी।

विषय - सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र 3 – विज्ञान और तकनीक

स्त्रोत - द हिंदु

3. **आवारा बैलों को नियंत्रित करने के लिए लिंग-निर्धारक वीर्य (सेक्स सॉर्टेड सीमेन)**

- उत्तर प्रदेश सरकार ने 'लिंग-निर्धारक वीर्य' योजना को मंजूरी प्रदान कर दी है, जिसके तहत गायों के एक महिला बछड़े को जन्म देने की संभावना 90-95% तक है।

- यह योजना भारतीय नस्लों जैसे सहिवाल, गिर, हरियाणवी, थारपारकर और गंगात्री पर लागू की जायेगी।
- इस योजना का लाभ उठाने के लिए, पशु-पालकों को प्रति गर्भ 300 रुपए देने होंगे, जबकि सूखाग्रस्त क्षेत्रों जैसे बुंदलेखण्ड में इसका शुल्क केवल 100 रुपए है।
- इस परियोजना के दोहरे लक्ष्य हैं :

1. यह गायों की प्रजनन क्षमता को बढ़ाने और अप्रजननकारी नर पशुओं की संख्या को घटाने में मदद करेगी।
2. यह अगले 2-4 सालों में आवार पशुओं की समस्या का एक स्थायी समाधान प्रदान करेगी।

सरकार द्वारा यह कदम क्यों उठाया गया है?

- उत्तर प्रदेश में, जहां गौ हत्या पर प्रतिबंध को बहुत गंभीरता से लिया गया है, वहां मानवों के लिए गैर-कानूनी उपाय आवारा बैलों - लिंग चयन की बढ़ती समस्या को संभालने में एक वरदान साबित होगा।
- राज्य सरकार की योजना आवारा बैलों की संख्या को घटाना है, जिससे वे कभी पैदा नहीं हों।

संबंधित जानकारी

- **'आम्नाप्रथा'** की प्रथा अथवा बेकार पशुओं को खुला छोड़ देना, बुंदेलखंड में एक आम प्रथा है।

विषय - सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र 2 – प्रशासन

स्त्रोत - द हिंदु

4. **<u>कतर ने ओपेक से सदस्यता वापिस ली</u>**

- कतर पेट्रोलियम निर्यात देशों के संगठन (ओपेक) से अगले महीने त्यागपत्र दे देगा जिससे वह गैस उत्पादन पर ध्यान केन्द्रित कर सके।
- कतर विश्व का 17वां सबसे बड़ा कच्चा तेल उत्पादक देश है और दुनिया के वैश्विक तेल भंडार में उसका भाग 2% है।
- ओपेक के सदस्य सउदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात तथा सहयोगी अरब देश बहरीन और मिश्र ने कतर पर आतंकवाद को समर्थन देने का आरोप लगाकर जून 2017 से एक राजनैतिक और आर्थिक बहिष्कार को लागू किया है।
- दोहा इन आरोपों से इंकार करता है और कहता है कि इस बहिष्कार का लक्ष्य कतर की संप्रभुता पर हमला करना है।

संबंधित जानकारी

पेट्रोलियम निर्यात देशों का संगठन (ओपेक)

- यह 15 देशों का एक अंतरसरकारी संगठन है, इसकी स्थापना 1960 में बगदाद में पहले पांच सदस्यों (ईरान, ईराक, कुवैत, सउदी अरब और वेनेजुएला) ने की थी।
- इसका मुख्यालय वियना, ऑस्ट्रिया में है।
- इन 15 देशों में विश्व का अनुमानित 44 प्रतिशत वैश्विक तेल उत्पादन होता है और इनमें विश्व के ज्ञात तेल भंडारों का 81.5 प्रतिशत है।
- ओपेक के वर्तमान सदस्य हैं : अल्जीरिया, अंगोला, इक्वाडोर, भूमध्यरेखीय गिनी, गैबोन, ईरान, ईराक, कुवैत, लीबिया, नाइजीरिया, कतर और कांगो गणराज्य, सऊदी अरब (मुख्य नेता), संयुक्त अरब अमीरात और वेनेजुएला हैं।
- इंडोनेशिया एक पूर्व सदस्य है और कतर 1 जनवरी 2019 से ओपेक का सदस्य नहीं रहेगा।

विषय - सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र 3 – अंतर्राष्ट्रीय संबंध

स्त्रोत - द हिंदु

5. **<u>डिजिटल स्काई - सरकार ने ड्रोन के पंजीकरण के लिए एक ऑनलाइन पोर्टल की शुरुआत की</u>**

- नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने देश में ड्रोन के संचालन के लिए पंजीकरण प्रक्रिया की घोषणा की है, जो 'डिजिटल स्काई' नाम से एक पोर्टल के माध्यम से होगी।
- डिजिटल स्काई प्लेटफॉर्म, अपने प्रकार का पहला मंच है जो 'आज्ञा नहीं, तो उड़ान नहीं' को लागू करता है जो सॉफ्टवेयर आधारित स्व-प्रवर्तनीय नया तंत्र है, जिससे नागरिक विमानन नियामकों से विचलन को कम किया जा सके।
- डिजिटल प्लेटफॉर्म ने लोगों से पंजीकरण पत्र और मानवरहित वायु संचालन परमिट (यू.ए.ओ.पी.) के लिए भुगतान स्वीकार करना शुरू कर दिया है और विशेष पहचान संख्या (यू.आई.एन.) को भारत कोष पोर्टल (gov.in) से स्वीकार किये जाएंगे।

संबंधित जानकारी

- सुदूर संचालित वायु तंत्र (आर.पी.ए.एस.) जिसे ड्रोन्स के नाम से जाना जाता है, विस्तृत प्रयोग वाला एक तकनीकी मंच है।
- अगस्त 2018 में, भारत ने अपना नागरिक विमानन नियामकों (सी.ए.आर.) को जारी करने की घोषणा की थी जो भारत में आर.पी.ए.एस. की उड़ान को सुरक्षित बनाता है।
- सी.ए.आर. संचालनकर्ता, दूरस्थ संचालक/प्रयोगकर्ता और विनिर्माता/ओ.ई.एम. के उत्तरदायित्वों का वर्णन करता है जिससे आर.पी.ए.एस. का सुरक्षित संचालन और आकाश का सहयोगी उपयोगी हो सके।
- सूक्ष्म आकार और उससे बड़े ड्रोनों के लिए ऑपरेटरों को डिजिटल स्काई पोर्टल पर पंजीकृत करना होगा।

मानवरहित वायु यान

- एक मानवरहित वायु यान (यू.ए.वी.) जिसे आम तौर पर ड्रोन कहा जाता है, एक वायुयान है जिसमें पायलट सीट पर मानव नहीं होता है।
- यू.ए.वी. को किसी मानव ऑपरेटर अथवा ऑनबोर्ड कंप्यूटर से स्वसंचालित रूप से सूदूर क्षेत्र से अपने आप विभिन्न स्तरों पर उड़ाया जा सकता है।
- इन ड्रोन्स का अधिकांश प्रयोग सैन्य अभियानों में किया जाता है लेकिन उनका प्रयोग वाणिज्यिक, वैज्ञानिक, रचनात्मक, कृषि और अन्य अनुप्रयोगों में तेजी से बढ़ रहा है।

विषय - सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र 3 – विज्ञान और तकनीक

स्त्रोत - इंडियन एक्सप्रेस

6. **<u>सरकार ने गोल्ड डोर के आयात को प्रतिबंधित श्रेणी में डाल दिया है</u>**

- सरकार ने गोल्ड डोर के आयात को प्रतिबंधित श्रेणी में डाल दिया है।
- यह प्रतिबंध उद्योग और वाणिज्य मंत्रालय के अधीन कार्य करने वाले विदेशी व्यापार महानिदेशालय द्वारा लागू किया गया है।
- प्रतिबंधित श्रेणी का अर्थ है कि अब आयातकों को इसके आयात के लिए लाइसेंस लेना पड़ेगा।

संबंधित जानकारी

गोल्ड डोर

- गोल्ड डोर एक अर्ध-शुद्ध मिश्रधातु है जिसे अधिक शुद्धिकरण के लिए परिष्कृत किया जाता है।
- परिष्कृत गोल्ड बार गोल्ड डोर बार से बनाये जाते हैं।
- भारत, चीन के बाद दुनिया का सबसे बड़ा स्वर्ण आयातक है, जो एक वर्ष में लगभग 900 टन सोने का आयात करता है।
- कीमत के अर्थों में, अक्टूबर में स्वर्ण आयात 43% गिरावट के साथ 1.69 बिलियन अमेरिकी डॉलर रहा।
- सोने का आयात मुख्यतः आभूषण उद्योग की मांग को पूरा करने के लिए होता है।

विषय - सामान्य अध्ययन 2 – प्रशासन

स्त्रोत - इकोनॉमिक टाइम्स

7. **<u>ट्रेन 18</u>**

- ट्रेन 18 जोकि भारत की पहली इंजिन रहित ट्रेन है, कोटा-सवाई माधोपुर खंड में एक परीक्षण के दौरान 180 कि.मी.प्रति घंटे की गति को पारकर देश की सबसे तेज चलने वाली ट्रेन बन गयी है।
- यह एक स्वदेश निर्मित ट्रेन है।
- यह एक उच्च तकनीक, ऊर्जा दक्ष, स्वतः प्रणोदित (इंजन रहित) ट्रेन है।
- गंतव्यों पर तेजी से पहुंचने के लिए इसमें दोनों सिरों पर ड्राइवर के केबिन को वायुगतिकी डिजाइन से बनाया गया है।

विषय-सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र-3–विज्ञान और तकनीक

स्त्रोत - टाइम्स ऑफ इंडिया

8. **<u>भारत का पहला स्वदेश निर्मित ब्रेल मानचित्र</u>**

- कोलकाता स्थित राष्ट्रीय मानचित्र एवं विषयात्मक मानचित्रण संगठन (नाट्मो) इंडिया ने स्वदेश निर्मित ब्रेल मानचित्र तैयार किया है।
- यह जटिल रूप से तैयार नक्काशीदार ब्रेल मानचित्र है जो किंवदंतियों, बिंदुओं, सलाखों और प्रतीकों की सहायता से प्रदान की गई जानकारी का चित्रण दिखाता है।

- यह मानचित्र भारत में 52 मिलियन दृष्टिहीन लोगों और 0.27 मिलियन दृष्टिहीन बच्चों के भूगोल का अध्ययन करने के तरीके को बदल सकता है।

संबंधित जानकारी

ब्रेल

- ब्रेल एक स्पर्श लेखन प्रणाली है जो दृष्टिहीन लोगों द्वारा प्रयोग की जाती है।
- ब्रेल का नाम इसके निर्माता, लुईस ब्रेल, एक फ्रांसीसी के नाम पर रखा गया है, जिसने बचपन में एक दुर्घटना के बाद अपनी दृष्टि खो दी थी।
- 1824 में, पंद्रह वर्ष की आयु में, उन्होंने फ्रेंच वर्णमाला के लिए रात के लेखन में सुधार के रूप में एक कोड विकसित किया था।

विषय - सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र 2 – समाज के कमजोर वर्गों के लिए सामाजिक न्याय

स्त्रोत - डाउन टू अर्थ

9. **<u>भालूओं पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आगरा में शुरू हुआ</u>**

- उत्तर प्रदेश के आगरा में भालूओं पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है।
- सम्मेलन का लक्ष्य भालू और अन्य जंगली जानवरों के कल्याण के सिद्धांतों, ज्ञान, अभयारण्यों और बचाव केंद्रों के सिद्धांतों पर ज्ञान साझा करना है।
- अमेरिका और कनाडा से भालू देखभाल समूह के सहयोग से वन्यजीव एस.ओ.एस. द्वारा सम्मेलन की मेजबानी की गयी है।

विषय - सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र 3 – जैवविविधता

स्त्रोत - ए.आई.आर

05.12.2018

1. **<u>ट्रॉपेक्स- 2019 युद्धाभ्यास</u>**

- भारतीय नौसेना संपूर्ण तटीय सुरक्षा तंत्र की मजबूती का परीक्षण करने के लिए अगले वर्ष से अपने प्रमुख बड़े पैमाने पर तटीय रक्षा युद्धाभ्यास "थिएटर स्तरीय कार्यान्वन तत्परता युद्धाभ्यास" (ट्रापेक्स) का आयोजन करेगी।
- यह एक वार्षिक युद्धाभ्यास है जो पश्चिमी समुद्री तट पर आयोजित किया जाता है।
- यह एक त्रि-सेवा युद्धाभ्यास है जिसमें भारतीय सेना के सैनिक और भारतीय वायुसेना से लड़ाकू विमान भी भाग लेंगे।
- यह न केवल संयुक्त मुकाबला क्षमताओं के विभिन्न पहलुओं का परीक्षण करने के लिए बल्कि युद्ध की स्थिति में तीनों सेवाओं की युद्ध क्षमताओं का परीक्षण करने हेतु भी आयोजित किया जाता है।

संबंधित जानकारी

- ट्रॉपेक्स के भाग के रूप में, भारतीय नौसेना भी बड़े पैमाने पर तटीय रक्षा युद्धाभ्यास 'सी विजिल युद्धाभ्यास' का आयोजन करेगी जिसमें मुख्य भूमि और द्वीप क्षेत्रों के सभी हितधारकों को शामिल किया जाएगा।

टॉपिक-जी. एस. पेपर 3 – रक्षा

स्रोत- फाइनैंशियल एक्सप्रेस

2. **<u>नागालैंड राज्य में पहली बार स्वदेश दर्शन परियोजना शुरू की गई है।</u>**

- "जनजातीय सर्किट का विकास: पेरेन-कोहिमा-वोखा परियोजना" का उद्घाटन नागालैंड के किसामा हेरिटेज गांव में किया जाएगा।
- यह केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय की स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत राज्य में लागू की जाने वाली पहली परियोजना है।
- इस परियोजना के अंतर्गत मंत्रालय ने जनजातीय पर्यटक गांव, इको लॉग झोपड़ी, ओपन एयर थिएटर, जनजातीय कायाकल्प केंद्र, कैफेटेरिया, हेलीपैड, पर्यटक व्याख्या केंद्र, वैसाइड सुविधाएं, अंतिम मील कनेक्टिविटी, सार्वजनिक सुविधा, बहुउद्देशीय हॉल, प्रकृति चिन्ह और ट्रैकिंग रूट जैसी सुविधाएं विकसित की हैं।

स्वदेश दर्शन योजना

- स्वदेश दर्शन योजना, योजनाबद्ध एवं प्राथमिकता के साथ देश में विषयगत सर्किटों का विकास करने हेतु पर्यटन मंत्रालय द्वारा शुरू की गई प्रमुख योजनाओं में से एक है।
- यह योजना 2014-15 में शुरू की गई थी।

- इस योजना के अंतर्गत, सरकार एक तरफ आगंतुकों को बेहतर अनुभव और सुविधाएं प्रदान करने के उद्देश्य से और दूसरी तरफ आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से देश में गुणवत्तापूर्ण बुनियादी ढांचे के विकास पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 3 – कला एवं संस्कृति

स्रोत-पी.आई.बी.

3. **<u>सी.ओ.पी.-24 में भारतीय पवेलियन</u>**

- जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क सम्मेलन (यू.एन.एफ.सी.सी.सी.) के पार्टियों के सम्मेलन (सी.ओ.पी.-24) की 24 वीं बैठक, पोलैंड के कॉटोवाइस में आयोजित की गई थी।
- इस वर्ष भारतीय पैविलियन की थीम "एक विश्व एक सूर्य एक ग्रिड" थी।

जलवायु परिवर्तन से निपटने हेतु भारत की पहल

- भारत वर्ष 2022 तक स्थापित नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता हेतु 175 गीगावॉट के लक्ष्य को प्राप्त करने का प्रयास करेगा।
- भारत, पवन ऊर्जा में पांचवें, अक्षय ऊर्जा में चौथे और सौर ऊर्जा में पांचवें स्थान पर है।
- उज्ज्वला योजना के अंतर्गत 58 मिलियन परिवार लाभान्वित हो चुके हैं और यह न केवल महिलाओं और बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य में योगदान देगा बल्कि वनोन्मूलन को कम करने में भी मदद करेगा।
- इसके अतिरिक्त भारत ने पूरे देश में वर्ष 2022 तक एकल उपयोग प्लास्टिक से छुटकारा पाने का वचन लिया है।
- वैश्विक जलवायु कार्रवाई में भारत के नेतृत्व को मान्यता प्रदान की गई है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन को बढ़ावा देने और वर्ष 2022 तक भारत को प्लास्टिक मुक्त बनाने के संकल्प हेतु संयुक्त राष्ट्र द्वारा "चैंपियन ऑफ अर्थ अवार्ड" से सम्मानित किया गया है।

'चैंपियंस ऑफ द अर्थ अवार्ड'

- यह वर्ष 2005 में शुरू किया गया संयुक्त राष्ट्र का सर्वोच्च पर्यावरणीय सम्मान है, जिसे पर्यावरण पर परिवर्तनीय सकारात्मक प्रभाव डालने वाले कार्यों हेतु सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्रों से प्राप्त आंकड़ों और नागरिक समाज से प्राप्त आंकड़ों का जश्न मनाने हेतु स्थापित किया गया था।
- वर्ष 2018 का पुरस्कार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन को सौर ऊर्जा के प्रचार में उनके नेतृत्व हेतु प्रदान किया गया है।

यू.एन.एफ.सी.सी. (जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क सम्मेलन)

- जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क सम्मेलन (यू.एन.एफ.सी.सी.सी.), एक अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरणीय संधि है जिसे 9 मई, 1992 को अपनाया गया था और 3 से 14 जून, 1992 तक रियो डी जेनेरियों में पृथ्वी शिखर सम्मेलन में हस्ताक्षर के लिए रखा गया था।
- यू.एन.एफ.सी.सी.सी. का उद्देश्य "वातावरण में ग्रीन हाउस गैसों की सांद्रता को एक ऐसे स्तर पर स्थिर करना है जो जलवायु प्रणाली के साथ खतरनाक मानवजनित हस्तक्षेप को रोकेगा"।
- सम्मेलन की पार्टियां जलवायु परिवर्तन से निपटने में प्रगति का मूल्यांकन करने हेतु पार्टियों के सम्मेलनों (सी.ओ.पी.) में वर्ष 1995 से प्रत्येक वर्ष मिलती हैं।
- उदाहरण- सी.ओ.पी.-24- पार्टियों के सम्मेलन का 24वां संस्करण (सी.ओ.पी.)

टॉपिक- जी. एस. पेपर 3 – पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

4. **<u>देश के सबसे बड़े तैरने वाले सौर संयत्र को रिहंद बांध जलाशय में स्थापित किया गया है।</u>**

- 50 मेगावॉट क्षमता के तैरने वाले सौर संयत्र को उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले में रिहंद बांध जलाशय में स्थापित किया गया है।

तैरने वाले (फ्लोटिंग) सौर संयत्र क्या हैं?

- तैरने वाले सौर संयंत्रों में बांध, झीलों और समान प्रकार के जल निकायों पर रखे हुए फ्लोट्स पर सौर पैनल स्थापित किया जाता है।

- उन्हें भूमि उपलब्धता मुद्दों से निपटने हेतु विकल्प के रूप में माना जाता है।

संबंधित जानकारी

रिहंद बांध

- रिहंद बांध को गोविंद बल्लभ पंत सागर के नाम से भी जाना जाता है, यह आयतन के मामले में रिहंद नदी पर स्थित देश का सबसे बड़ा जलाशय और सबसे बड़ी कृत्रिम झील है।
- इसका जलग्रहण क्षेत्र उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में फैला हुआ है।
- सबसे बड़े तैरने वाले सौर संयत्रों में से एक 2 मेगावॉट क्षमता का सौर संयत्र विशाखापत्तनम में लगा हुआ है।
- बानासुरा सागर बांध पर केरल राज्य विद्युत बोर्ड द्वारा बनाया गया 500-किलोवाट क्षमता का अन्य संयंत्र है।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 3 – पर्यावरण/ ऊर्जा क्षेत्र

स्रोत- इकोनॉमिक टाइम्स

5. **<u>चीफ ऑफ स्टाफ कमेटी के स्थायी अध्यक्ष (पी.सी.सी.ओ.एस.सी.)</u>**

- तीनों सेवाएं- सेना, नौसेना और वायुसेना 'ज्वाइंटमैनशिप' में सुधार करने हेतु कदम उठा रही हैं और चीफ ऑफ स्टॉफ कमेटी के स्थायी अध्यक्ष की नियुक्ति पर सहमत हैं।
- पी.सी.सी.ओ.एस.सी. को सरकार के लिए एकल बिंदु सैन्य सलाहकार के रूप में परिकल्पित किया गया है।
- सी.ओ.एस.सी. का स्थायी अध्यक्ष एक चार सितारा अधिकारी होगा, जो सेना, वायु सेना और नौसेना के प्रमुखों के समान होगा।
- पी.सी.सी.ओ.एस.सी. को सरकार के लिए एकल बिंदु सैन्य सलाहकार के रूप में परिकल्पित किया गया है।

पी.सी.सी.ओ.एस.सी. की भूमिकाएं

- यह सैनिकों के प्रशिक्षण, हथियार प्रणालियों के अधिग्रहण और सेवाओं के संयुक्त संचालन जैसे सेवाओं के संयुक्त मुद्दों की जांच करती है।
- अंडमान एवं नीकोबार में अधिकारी भावी साइबर एवं अंतरिक्ष कमांड सहित परमाणु हथियारों की रणनीतिक कमांड, तीनों सेवाओं के कमांड का प्रभारी होगा।

संबंधित जानकारी

- जी.ओ.एम. ने फरवरी, 2001 में सरकार को प्रस्तुत की गई अपनी रिपोर्ट में इस प्रकार के संस्थान के गठन की सिफारिश की थी।
- राष्ट्रीय सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली की समीक्षा करने के लिए मई, 2011 में स्थापित नरेश चन्द्र टास्क फोर्स ने चीफ ऑफ स्टॉफ कमेटी (सी.ओ.एस.सी.) में अध्यक्ष के स्थायी पद की सिफारिश की है।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 3 – रक्षा

स्रोत- द हिंदू

6. **<u>केंद्र सरकार ने प्रसाद योजना में नए स्थानों को शामिल किया है।</u>**

- हाल ही में, केंद्र सरकार ने देश में तीर्थस्थान और विरासत स्थलों को विकसित करने हेतु उत्तराखंड में गंगोत्री और यमुनोत्री, मध्य प्रदेश में अमरकंटक और झारखंड में पारसनाथ को इस केंद्रीय योजना के अंतर्गत शामिल किया है।
- नए तीर्थस्थानों के जुड़ने के साथ तीर्थयात्रा कायाकल्प एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन ड्राइव (प्रसाद) योजना के अंतर्गत 25 राज्यों में स्थानों की संख्या 41 हो गई है।

प्रसाद (तीर्थयात्रा कायाकल्प एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन ड्राइव) योजना

- यह योजना वर्ष 2014-15 में पर्यटन मंत्रालय द्वारा शुरू की गई थी।
- इस योजना का उद्देश्य प्रवेश बिंदु (सड़क, रेल और जल परिवहन), अंतिम मील कनेक्टिविटी और बुनियादी पर्यटन सुविधाओं जैसे बुनियादी ढांचों का विकास करना है।
- 'प्रसाद' योजना के अंतर्गत पर्यटन मंत्रालय, पहचाने गए तीर्थ स्थलों के विकास और सुंदरीकरण हेतु राज्य सरकारों/ केंद्र शासित प्रदेश प्रशासनों को केन्द्रीय वित्तीय सहायता (सी.एफ.ए.) प्रदान करता है।
- यह 100% केंद्र सरकार द्वारा वित्त पोषित योजना है।

- प्रारंभ में बारह शहरों- अमरावती (आंध्र प्रदेश), गया (बिहार), द्वारिका (गुजरात), अमृतसर (पंजाब), अजमेर (राजस्थान), कांचीपुरम (तमिलनाडु), वेल्लंकानी (तमिलनाडु), पुरी (ओडिशा), वाराणसी (उत्तर प्रदेश), मथुरा (उत्तर प्रदेश), केदारनाथ (उत्तराखंड) और कामाख्या (असम) को पर्यटन मंत्रालय द्वारा प्रसाद योजना के अंतर्गत विकास हेतु चुना गया था।
- प्रसाद योजना को लागू करने के लिए पर्यटन मंत्रालय में एक मिशन निदेशालय स्थापित किया गया है।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 1 – कला एवं संस्कृति

स्रोत-पी.आई.बी.

7. **<u>नई 'चेंप्यूटर' प्रणाली, दवा उत्पादन में क्रांतिकारी बदलाव ला सकती है।</u>**

- वैज्ञानिकों ने दवा अणुओं का उत्पादन करने हेतु एक नई विधि विकसित की है जो एक प्रोग्रामेबल 'चेंप्यूटर' के माध्यम से कार्बनिक रसायनों को आसानी और स्थिरता से संश्लेषित करने हेतु डाउनलोड करने योग्य ब्लूप्रिंट का उपयोग करती हैं।
- ऐसा पहली बार हुआ है कि वैज्ञानिक, महत्वपूर्ण दवा अणुओं को संश्लेषित करने में सक्षम हुए हैं जिसे एक किफायती और मॉड्यूलर रासायनिक-रोबोट प्रणाली के द्वारा प्राप्त किया जा सकता है जिसे चेम्प्यूटर कहा जाता है।
- इस कार्यक्रम का उद्देश्य रसायन विज्ञान के लिए सामान्य सारांशन विकसित करना है जो सार्वभौमिक, व्यावहारिक हो सकता है और कंप्यूटर प्रोग्राम द्वारा संचालित किया जा सकता है।

संबंधित जानकारी

- चेम्पाइलर, कंप्यूटर प्राग्राम पर संचालित होने वाला एक रासायनिक उपाय है, जो कंप्यूटर को यह निर्देशित करता है कि किस प्रकार अणुओं को मांग के आधार पर अधिक किफायती और सुरक्षित रूप से उत्पन्न किया जा सकता है, जो इसके पहले तक संभव नहीं था।
- शोधकर्ताओं का दावा है कि एक यूनीवर्सल कोड का उपयोग करने की क्षमता दुनिया भर के रसायनविदों को अपने उपायों को डिजिटल कोड में परिवर्तित करने की अनुमति प्रदान करेगी।
- यह दृष्टिकोण, रसायन शास्त्र के डिजिटलीकरण में एक महत्वपूर्ण कदम है और एक सरलतम सॉफ्टवेयर ऐप्लीकेशन एवं माड्यूलर चेंप्यूटर का प्रयोग करके नए अणुओं को खोजने और बनाने हेतु क्षमता का प्रजातंत्रीकरण करने के लिए मांग के आधार पर जटिल अणुओं की यूनीवर्सल सभा को अनुमति प्रदान करेगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

8. **<u>भारत और यू.ए.ई ने मुद्रा विनिमय समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।</u>**

- आर्थिक एवं तकनीकी सहयोग हेतु भारत-यू.ए.ई संयुक्त आयोग की बैठक के 12 वें सत्र में, भारत और यू.ए.ई. ने मुद्रा विनिमय समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।
- इन दोनों देशों ने अफ्रीका में विकास सहयोग हेतु समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए हैं।

संबंधित जानकारी

मुद्रा विनिमय

- मुद्रा विनिमय, दो देशों के मध्य एक ऐसा समझौता है जो अमेरिकी डॉलर जैसी तीसरी बेंचमार्क मुद्रा के बिना पूर्व निर्धारित विनिमय दर पर आयात और निर्यात व्यापार हेतु अपनी मुद्रा और भुगतान में व्यापार करने की अनुमति प्रदान करता है।
- ये दोनों देश एक दूसरे के लिए लगभग 50 बिलियन डॉलर के व्यापार के सबसे बड़े व्यापारिक भागीदारों में से एक हैं और द्विपक्षीय रूप से मजबूत निवेश करते हैं।
- यू.ए.ई., भारतीय तेल आयात का छठा सबसे बड़ा स्रोत है और यहां पर 3.3 मिलियन-मजबूत भारतीय समुदाय निवास करते हैं।
- दूसरा समझौता दोनों पक्षों को अफ्रीका में विकास परियोजनाएं लागू करने में सक्षम बनाएगा।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 3 – अंतर्राष्ट्रीय संबंध

स्रोत- टाइम्स ऑफ इंडिया

9. **<u>नासा का ओ.एस.आई.आर.आई.एस.-आर.ई.एक्स. अंतरिक्ष यान बेन्नू उपग्रह पर पहुंच गया है।</u>**

- नासा के प्रमुख, स्पेक्ट्रल विवेचन, संसाधन पहचान, सुरक्षा-रेगोलिथ अन्वेषक (ओ.एस.आई.आर.आई.एस.-आर.ई.एक्स.) अंतरिक्ष यान ने 3 दिसंबर, 2018 को उपग्रह बेन्नू पर पहुँचकर अपनी यात्रा पूरी की है।
- इस सर्वेक्षण का प्राथमिक उद्देश्य बेन्नू के द्रव्यमान और घूर्णन दर के अनुमानों को परिष्कृत करना और इसके आकार का एक अधिक सटीक मॉडल बनाना है।
- यह मिशन, वैज्ञानिकों की यह पता लगाने में मदद करेगा कि ग्रह किस प्रकार बनें और किस प्रकार जीवन की शुरूआत हुई और इसके साथ ही पृथ्वी को प्रभावित करने वाले उपग्रहों के संदर्भ में हमारी समझ को भी विकसित करेगा।

टॉपिक- जी. एस. पेपर-3- विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- साइंस डेली

06.12.2018

1. **<u>भारत के सबसे भारी संचार उपग्रह GSAT-11 को लॉन्च किया गया है।</u>**

- 5 दिसंबर, 2018 को फ्रेंच गुयाना के स्पेसपोर्ट से इसरो के सबसे भारी और सबसे उन्नत उच्च प्रवाह क्षमता के संचार उपग्रह GSAT-11 को सफलतापूर्वक लॉन्च किया गया है।
- प्रक्षेपण वाहन एरियान 5 वी.ए.-246 को फ्रेंच गुयाना के कोरोउ लॉन्च बेस से निर्धारित भारत के GSAT-11 और दक्षिण कोरिया के GEO-KOMPSAT-2A उपग्रह के साथ लॉन्च किया गया है।
- एरियान 5, सुयोज और वेगा सहित एरियानस्पेस द्वारा संचालित तीन प्रक्षेपण वाहनों में से एक है।
- 5,854 किलोग्राम का GSAT-11 उपग्रह के.यू.-बैंड में 32 यूजर बीम और के.ए.-बैंड में 8 हब बीम के माध्यम से भारत देश और उपमहाद्वीप के उपयोगकर्ताओं को उच्च डेटा दर कनेक्टिविटी प्रदान करेगा।
- GSAT-11, भारत नेट परियोजना के अंतर्गत आने वाले देश के ग्रामीण और दुर्गम ग्राम पंचायत क्षेत्रों की प्रसारण कनेक्टिविटी को बढ़ावा देगा, जो डिजिटल इंडिया कार्यक्रम का हिस्सा है।
- GSAT-11, भूगर्भीय कक्षा में 74 डिग्री पूर्व रेखांश पर स्थित होगा।
- इसके बाद GSAT-11 के दो सौर ऐरे और चार एंटीना परावर्तक कक्षा में स्थापित किए जाएंगे।

संबंधित जानकारी

उपग्रह संचार में विभिन्न बैंड

1. **एल.-बैंड (आवृत्ति सीमा- 1-2 गीगाहर्ट्ज)**

- इसे निम्न पृथ्वी कक्षा उपग्रहों, सैन्य उपग्रहों जी.एस.एम. मोबाइन फोन, जी.पी.एस. जैसे पृथ्वी संबंधी वायरलेस कनेक्शनों के लिए उपयोग किया जाता है।

2. **एस. बैंड (2-4 गीगाहर्ट्ज)**

- मौसम संबंधी रडार, सतह जहाज रडार और कुछ संचार उपग्रहों में उपयोग किया जाता है।

3. **सी.-बैंड (4-8 गीगाहर्ट्ज)**

- इसे मुख्य रूप से उपग्रह संचार, पूर्णकालिक उपग्रह टी.वी. नेटवर्क अथवा अप्रशिक्षित उपग्रह फ़ीड के लिए उपयोग किया जाता है।

4. **एक्स.-बैंड (8-12 गीगाहर्ट्ज)**

- इसे मुख्य रूप से सेना द्वारा उपयोग किया जाता है।
- इसे निरंतर-तरंग, स्पंदित, एकल-ध्रुवीकरण, दोहरा-ध्रुवीकरण, कृत्रिम द्वारक रडार और चरणबद्ध ऐरे सहित रडार अनुप्रयोगों में प्रयोग किया जाता है।

5. **के.यू. बैंड (12-18 गीगाहर्ट्ज)**

- इसे उपग्रह संचार के लिए उपयोग किया जाता है।
- इसे प्रत्यक्ष प्रसारण उपग्रह सेवाओं के लिए प्रयोग किया जाता है।

6. **के.ए.- बैंड (26-40 गीगाहर्ट्ज)**

- सैन्य विमानों पर उच्च-रिज़ॉल्यूशन, निकटतम दूरी लक्ष्यीकरण रडारों में प्रयोग किया जाता है।

GSAT

- भू-समकालिक उपग्रहों की GSAT श्रृंखला इसरो द्वारा विकसित एक प्रणाली है जिसका उद्देश्य भारत को प्रसारण सेवाओं में आत्मनिर्भर बनाना है।

भू-समकालिक उपग्रह

- एक भू-समकालिक उपग्रह, भू-समकालिक कक्षा में पृथ्वी के घूर्णन काल के समान कक्षीय काल का एक उपग्रह है।
- यह उपग्रह, इस प्रकार की कक्षा में समुद्र तल से लगभग 36000 कि.मी. की ऊंचाई पर स्थित है।
- भू-समकालिक उपग्रह का एक विशेष उपग्रह भू-स्थिर उपग्रह है, जिसमें भू-स्थिर कक्षा- पृथ्वी की भूमध्य रेखा के ठीक ऊपर स्थित एक वृत्ताकार भू-समकालिक कक्षा, होती है।
- भू-स्थिर उपग्रहों में पृथ्वी के किसी भी स्थान से देखे जाने पर असमान में स्थायी रूप से ठीक समान स्थिति में बने रहने की विशिष्ट विशेषता होती है, इसका अर्थ है कि इसे ट्रैक करने हेतु जमीन आधारित एंटीना की आवश्यक्ता नहीं होती है लेकिन इन्हें एक दिशा में स्थित किया जा सकता है।
- इस तरह के उपग्रहों को प्राय: संचार उद्देश्यों के लिए उपयोग किया जाता है।

टॉपिक- जी.एस.-3- विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत-पी.आई.बी.

2. **<u>जलवायु जोखिम सूचकांक 2018</u>**

- यह रिपोर्ट जर्मनवाच नामक एक स्वतंत्र विकास संगठन द्वारा तैयार की गई है।
- इस रिपोर्ट में भारत को पिछले 20 वर्षों में चरम मौसम संबंधी घटनाओं द्वारा सबसे अधिक प्रभावित देशों में 14वें स्थान पर रखा गया है।
- हमारे देश के चार पड़ोसियों को उच्च स्थान पर रखा गया है। इस रिपोर्ट में म्यांमार को तीसरा, बांग्लादेश को सातवां, पाकिस्तान को आठवां और नेपाल को 11वां स्थान प्रदान किया गया है।
- यह रिपोर्ट मृत्यु और आर्थिक नुकसान के संदर्भ में चरम मौसम संबंधी घटनाओं के मात्रात्मक प्रभाव का विश्लेषण करती है।
- आर्थिक प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए सी.आर.आई., प्रत्येक देश के प्रति इकाई सकल घरेलू उत्पाद के नुकसानों की जांच करती है।

THE 3 WORST HIT, AND INDIA & NEIGHBOURS

COUNTRY	RANK	DEATHS/YEAR	LOSSES/YEAR (S mn PPP)
Puerto Rico	1	150.05	5,033.16
Honduras	2	302.45	556.56
Myanmar	3	7,048.85	1,275.96
Bangladesh	7	635.50	2,403.84
Pakistan	8	512.40	3,826.60
Nepal	11	235.30	230.83
India	14	3,660.60	12,822.71
Sri Lanka	31	60.75	491.05
China	37	1,240.80	36,601.70
Bhutan	105	1.65	4.99

Source: Germanwatch data for 1998-2017

These rankings are based on a Climate Risk Index (CRI) developed by Germanwatch.

3. **<u>भारत, कार्बन उत्सर्जन के संदर्भ में तीसरा सबसे बड़ा योगदानकर्ता है।</u>**

- ईस्ट एंग्लिया विश्वविद्यालय (यू.ई.ए.) और वैश्विक कार्बन परियोजना के शोधकर्ताओं के अनुसार, वर्ष 2018 में वैश्विक कार्बन उत्सर्जन अभी तक के उच्चतम स्तर 37.1 बिलियन टन कार्बन डाई ऑक्साइड को छूने की कगार पर है।
- भारत, तीसरा सबसे बड़ा योगदानकर्ता है, इस वर्ष भारत के उत्सर्जन में वर्ष 2017 की अपेक्षा 6.3 प्रतिशत की वृद्धि होने का अनुमान है।
- वर्ष 2018 में 2.7% की वैश्विक वृद्धि का अनुमान है, यह वृद्धि लगातार दूसरे वर्ष कोयले के प्रयोग में होने वाली महत्वूपर्ण वृद्धि और तेल एवं गैस के प्रयोग में होने वाली सतत वृद्धि के कारण हो रही है।
- वर्ष 2018 में 10 सबसे बड़े उत्सर्जक चीन, अमेरिका, भारत, रूस, जापान, जर्मनी, ईरान, सऊदी अरब, दक्षिण कोरिया और कनाडा हैं।
- यूरोप को संघ देशों के क्षेत्र के रूप में तीसरा स्थान प्रदान किया गया है।
- चीन का उत्सर्जन, कुल वैश्विक उत्सर्जन का 27% है, चीन में वर्ष 2018 में 4.7 प्रतिशत की अनुमानित वृद्धि हुई है जो अभी तक तक की अधिकतम वृद्धि है।

- अमेरिका ने पेरिस समझौते के प्रति अपनी वचनबद्धता को वापस ले लिया है, अमेरिका में उत्सर्जन, कुल वैश्विक उत्सर्जन का 15% है और कई वर्षों से लगातार कमी होने के बाद वर्ष 2018 में 2.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।
- वैश्विक तापमान को इस शताब्दी में 2 डिग्री सेल्सियस से नीचे रखने हेतु ग्लोबल वार्मिंग को सीमति करने के 2015 पेरिस समझौते लक्ष्य के लिए वर्ष 2030 तक कार्बन डाई ऑक्साइड के उत्सर्जन को 50 प्रतिशत तक कम करना होगा और वर्ष 2050 तक परिणामी शून्य के स्तर को प्राप्त करना होगा।

टॉपिक- जी. एस.-3-पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

4. **<u>भारत में अब गवाह संरक्षण कार्यक्रम उपलब्ध है।</u>**

- सर्वोच्च न्यायालय ने 5 दिसंबर को सरकार द्वारा तैयार की गई गवाह संरक्षण योजना को मंजूरी प्रदान की है और केंद्र, राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों से इसे "अक्षरश:" लागू करने के लिए कहा है।
- न्यायालय ने कहा है कि न्यायालयों में स्वतंत्र रूप से गवाही दने के लिए जीवन के अधिकार में गवाही का अधिकार भी शामिल होगा।
- यदि कोई व्यक्ति किसी खतरे अथवा अन्य दबावों के कारण न्यायालय में गवाही देने में असमर्थ है तो यह संविधान के अनुच्छेद 21 का स्पष्ट रूप से उल्लंघन है।
- इस देश के लोगों को प्रदान किए गए गारंटीकृत जीवन के अधिकार के प्रकारों में समाज में रहने का अधिकार भी शामिल है, जो कि अपराध और भय से मुक्त होना चाहिए और न्यायालय में बिना किसी डर अथवा दबाव के गवाही देने का अधिकार भी शामिल है।
- अदालत ने कहा, "जब तक इस विषय पर उपयुक्त संसदीय और/ अथवा राज्य विधानसभाओं के अधिनियमन न हो तब तक यह संविधान के अनुच्छेद 141/142 के अंतर्गत एक 'कानून' होगा।

संबंधित जानकारी

- यह योजना वर्ष 2018 में केंद्र द्वारा 18 राज्यों/ केंद्र शासित प्रदेशों, पांच राज्यों के कानूनी सेवा प्राधिकरणों और नागरिक समाज, तीन उच्च न्यायालयों सहित पुलिस कर्मियों से प्राप्त हुए इनपुटों के आधार पर तैयार की गई है।
- इस योजना को "यह सुनिश्चित करने के लिए कि आपराधिक अपराधों की जांच, अभियोजन और परीक्षण पक्षपातपूर्ण तरीके से नहीं किया गया है क्यों कि गवाहों को हिंसक या अन्य आपराधिक भेदभाव से सुरक्षा के बिना सबूत देने के लिए भयभीत या डराया जा सकता है" के उद्देश्य और लक्ष्य के साथ शुरू किया गया था।
- इस कार्यक्रम को खतरे की धारणाओं के आधार पर गवाह की तीन श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है-

1. श्रेणी A: वे मुकदमें, जिनमें जांच, परीक्षण के दौरान अथवा उसके बाद भी गवाह अथवा परिवार के सदस्यों में जीवन के प्रति खतरा बढ़ जाता है।
2. श्रेणी B: वे मुकदमें, जिनमें जांच अथवा परीक्षण के दौरान गवाह अथवा परिवार के सदस्यों की सुरक्षा, प्रतिष्ठा अथवा संपत्ति के प्रति खतरा बढ़ जाता है।
3. श्रेणी C: जिन मुकदमों में खतरा सामान्य स्तर का होता है और जांच, परीक्षण के दौरान अथवा उसके बाद भी गवाह अथवा उसके परिवार के सदस्यों की प्रतिष्ठा अथवा संपत्ति के उत्पीड़न अथवा धमकी के लिए विस्तारित है।

- कार्यक्रम के लिए खर्च, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा स्थापित गवाह संरक्षण कोष से प्राप्त होगा।
- सुरक्षा के लिए आवेदन सहायक दस्तावेजों के साथ "सक्षम प्राधिकारी" के समक्ष दायर किए जाने होंगे।
- सक्षम प्राधिकारी द्वारा पारित किए गए गवाह संरक्षण आदेश को राज्य अथवा संघ शासित प्रदेश के गवाह संरक्षण कक्ष द्वारा लागू किया जाएगा।

टॉपिक-जी. एस.-2- भारतीय संविधान

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

5. **<u>बाल विवाह</u>**

- राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एन.सी.पी.सी.आर.) ने कहा है कि राजस्थान में विधानसभा चुनावों के दौरान बाल विवाह को सुगम बनाने का वादा करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ आयोग कार्रवाई करेगा।
- देश में राजस्थान में बाल विवाह का अधिकतम प्रसार-प्रसार है।
- राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण 4 (2015-16) ने दर्शाया है कि भारत में 20 से 24 वर्ष की आयु की विवाहित चार में से एक महिला- अथवा 26.8 प्रतिशत महिलाओं का विवाह नाबालिग आयु में हुआ था।
- राजस्थान में प्रसार 65 प्रतिशत है।

संबंधित जानकारी

- बाल विवाह अधिनियम का निषेध, वर्तमान में 21 साल से कम उम्र के लड़के और 18 वर्ष से कम आयु की लड़की के विवाह की अनुमति प्रदान करता है।
- यह अधिनियम बाल विवाह को रोकने में अत्यंत रूप से अपर्याप्त रहा है।
- महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा एक प्रस्ताव, अधिनियम में संशोधन और बाल विवाह को रद्द करने के लिए केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी मांगने हेतु लंबित है।

एन.सी.पी.सी.आर.

- इसे मार्च, 2007 में संसद अधिनियम (दिसंबर 2005), बाल अधिकार संरक्षण (सी.पी.सी.आर.) अधिनियम, 2005 के आयोगों के अंतर्गत स्थापित किया गया था।

टॉपिक- जी.एस.-2- सामाजिक मुद्दे

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

6. **<u>सरकारी योजनाओं की पारदर्शिता और जागरूकता हेतु ओडिशा का नया कार्यक्रम पीठा</u>**

- ओडिशा के मुख्यमंत्री ने विभिन्न सरकारी योजनाओं की पारदर्शिता और जागरूकता हेतु एक नया कार्यक्रम "पीठा" की घोषणा की है।
- कार्यक्रम, जन सशक्तिकरण सक्षमता पारदर्शिता और जवाबदेही अथवा पीठा का उद्देश्य व्यक्तिगत और सामाजिक लाभों के वितरण में पारदर्शिता को सुधारने के उद्देश्य से किया गया है।

टॉपिक-जी.एस.-2-सरकारी योजनाएं

स्रोत- एन.डी.टी.वी.

7. **<u>कोलिस्टिन पर प्रतिबंध लगाना, सही दिशा में उठाया गया एक कदम है: सी.एस.ई.</u>**

- विज्ञान एवं पर्यावरण केंद्र (सी.एस.ई.) ने कहा है कि एंटीबायोटिक कॉलिस्टिन के उपयोग पर प्रतिबंध लगाना, सही दिशा में उठाया गया एक कदम है।
- भारत के उच्चतम दवा सलाहकार निकाय, दवा तकनीकि सलाहकार बोर्ड ने मुर्गी पालन किसानों द्वारा कोलिस्टिन के उपयोग पर रोक लगाने की सिफारिश की थी।
- कोलिस्टिन एक अंतिम आश्रित एंटीबायोटिक है जो मनुष्यों को प्रशासित करता है जब अधिकांश एंटीबायोटिक काम करने में असफल हो जाती हैं।
- इसका अधिकतम प्रयोग मुर्गी पालन किसानों द्वारा मुर्गियों की वृद्धि को बढ़ाने हेतु और उनमें संक्रमण को रोकने हेतु अंधाधुंध तरीके से प्रयोग किया जाता है।
- बढ़ते हुए साक्ष्यों ने इसे मनुष्यों में कोलिस्टिन के विरूद्ध प्रतिरोध के विकास से इसे जोड़ा है।

टॉपिक- जी.एस.-3- विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- डाउन टू अर्थ

07.12.2018

1. **<u>दिल्ली सरकार ने वरिष्ठ नागरिकों के लिए मुफ्त तीर्थयात्रा योजना की शुरूआत की है।</u>**

- दिल्ली सरकार ने 'मुख्यमंत्री तीर्थयात्रा योजना' की शुरूआत की है जो वरिष्ठ नागरिकों के लिए राष्ट्रीय राजधानी से पांच धार्मिक सर्किटों पर मुफ्त यात्रा पैकेज की सुविधा प्रदान करती है।

- यह योजना प्रत्येक वर्ष दिल्ली के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र से 1,100 वरिष्ठ नागरिकों को मुफ्त तीर्थयात्रा करने में सक्षम बनाएगी, इस तीर्थयात्रा पर होने वाले खर्चों को दिल्ली सरकार वहन करेगी।

संबंधित जानकारी

मुख्यमंत्री तीर्थयात्रा योजना

- इस योजना के अंतर्गत, 60 वर्ष से अधिक आयु का दिल्ली का कोई भी निवासी इस योजना का पात्र होगा और 70 वर्ष से अधिक की आयु के लोगों के साथ यात्रा पर एक सहायक व्यक्ति भी जा सकता है।
- इस योजना में आय का कोई मानदंड नहीं है लेकिन आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों को वरीयता दी जाएगी।
- आवेदक को केंद्रीय, राज्य, स्थानीय सरकार अथवा स्वायत्त निकायों का कर्मचारी नहीं होना चाहिए।
- यह यात्रा भारतीय रेलवे के माध्यम से करायी जाएगी।
- कुल 77,000 तीर्थयात्री प्रत्येक वर्ष इस सुविधा का लाभ उठा सकने में सक्षम होंगे।
- तीर्थयात्रा की अवधि तीन दिन और दो रातें होंगी और निम्नलिखित में से किसी भी मार्ग के लिए होंगी:

1. दिल्ली-मथुरा-वृंदावन-आगरा-फतेहपुर सीकरी-दिल्ली
2. दिल्ली- हरिद्वार- ऋषिकेश- नीलकंठ- दिल्ली
3. दिल्ली- अजमेर- पुष्कर- दिल्ली
4. दिल्ली-अमृतसर-वाघा बार्डर-आनंदपुर साहिब-दिल्ली
5. दिल्ली- वैष्णो देवी- जम्मू- दिल्ली

- यह योजना समाज में सांप्रदायिक सद्भावना और भाईचारे को बढ़ावा देने में मदद करेगी।

टॉपिक- जी.एस.-2- सरकारी योजनाएं

स्रोत- बिजनेस स्टैंडर्ड

2. **<u>प्लास्टिक प्रदूषण ने पर्यटन-आश्रित बाली के लिए खतरे का संकेत दिया है।</u>**

- इंडोनेशिया का बाली, जो प्रत्येक वर्ष पांच लाख पर्यटकों को आकर्षित करता है, यह अपनी अर्थव्यवस्था के 80 प्रतिशत भाग हेतु पर्यटन पर निर्भर है।
- लेकिन इसके समुद्र तटों पर अत्यधिक प्लास्टिक प्रदूषण ने इसके प्रति खतरा पैदा कर दिया है।
- इस द्वीप के सबसे सुंदर समुद्र तट प्राय: अत्यधिक मात्रा में प्लास्टिक और अन्य कचरे से ढके रहते हैं, ये कचरा उच्च ज्वारों द्वारा वापस फेंका जाता है।
- यहां का पानी भी अब पहले की भांति उतना स्वच्छ नहीं रहा है।
- बाली आधारित एक एनजीओ, नदियों, महासागरों, झीलों एवं पारिस्थितिकी फाउंडेशन के अनुसार, इंडोनेशिया प्रतिदिन लगभग 1,30,000 टन प्लास्टिक और ठोस अपशिष्ट का उत्पादन करता है।

संबंधित जानकारी

- बाली को इसकी समृद्ध जैवविविधता के लिए जाना जाता है और अब यह सब गंभीर खतरे में है।
- वर्ष 2017 में, बाली को "कचरा आपातकाल" घोषित किया गया था।
- चीन, समुद्र में प्लास्टिक अपशिष्ट फेंकने वाले 20 सबसे खराब प्रदूषकों की सूची में शीर्ष पर है।
- समुद्र में प्लास्टिक अपशिष्ट के प्रमुख प्रदूषक चीन, इंडोनेशिया, थाईलैंड और मलेशिया हैं।
- 192 तटीय देशों द्वारा लगभग 8.5 मिलियन टन प्लास्टिक अपशिष्ट प्रत्येक वर्ष समुद्रों में फेंका जाता है।
- केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, 60 भारतीय शहरों से एकत्र किए गए आंकड़ों से ज्ञात होता है कि प्रतिदिन लगभग 25, 940 टन प्लास्टिक अपशिष्ट उत्पन्न होता है।

टॉपिक-जी.एस.-3- पर्यावरण

स्रोत-डाउन टू अर्थ

3. **<u>भारत ने सबसे तेजी से प्रगति करने वाले शहरों की सूची में शीर्ष 10 होने का दावा किया है।</u>**

- वर्ष 2035 तक सूरत सबसे तेजी से प्रगति करने वाला शहर होगा, इस शहर की जी.डी.पी. प्रति वर्ष 9 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है, वैश्विक शहरों: विश्व

की अग्रणी शहरी अर्थव्यवस्थाओं का भविष्य द्वारा रिपोर्ट में भविष्यवाणी की गई है।

- यह रिपोर्ट, फर्म ऑक्सफोर्ड इकोनॉमिक्स, यू.के. द्वारा तैयार की गई है।
- इस अवधि के दौरान सबसे तेजी से प्रगति करने वाले सभी 10 शहर भारत में होंगे।
- जब कि इन भारतीय शहरों में से कई शहरों का आर्थिक उत्पादन, दुनिया के सबसे बड़े महानगरों की तुलना में अपेक्षाकृत कम रहेगा।
- सभी एशियाई शहरों का कुल सकल घरेलू उत्पाद, वर्ष 2027 में सभी उत्तरी अमेरिकी और यूरोपीय शहरी केंद्रों के एक साथ कुल सकल घरेलू उत्पादन से अधिक होगा।
- वर्ष 2035 तक चीनी शहरों से आने वाले सबसे अधिक योगदान के साथ यह 17 प्रतिशत तक बढ़ जाएगा।
- सबसे तेज़ी से प्रगति करने वाला अफ्रीकी शहर दारेस सलाम का तंजानिया बंदरगाह है, जब कि यूरोप में सबसे तेजी से प्रगति करने वाला शहर आर्मेनिया की राजधानी, येरेवन है।
- उत्तरी अमेरिका में सिलिकॉन वैली के प्रतिनिधि के रूप में सैन जोस सर्वश्रेष्ठ शहर होगा।

सबसे बड़े शहर

वर्ष 2035 तक चार चीनी शहर विश्व के सबसे बड़े शहर बन जाएंगे।

वर्ष 2035 जी.डी.पी. तक रैंक	वर्ष 2018 से बदलाव
1. न्यूयार्क	-
2. टोक्यो	-
3. लॉस एंजेलिस	-
4. लंदन	-
5. शंघाई	4↑
6. बीजिंग	7↑
7. पेरिस	-2↓
8. शिकागो	-2↓
9. गुआंझो	10↑
10 शेनझेन	10↑

भारत का प्रभुत्व

वर्ष 2019-2035 के दौरान परे विश्व में सबसे तेजी से विकसित होने वाले शहरों में सभी भारत के हैं:

स्थान	शहर	राष्ट्र	औसत वार्षिक वृद्धि प्रतिशत
1	सूरत	भारत	9.17
2	आगरा	भारत	8.58
3	बैंगलोर	भारत	8.5
4	हैदराबाद	भारत	8.47
5	नागपुर	भारत	8.41
6	तिरूपपुर	भारत	8.36
7	राजकोट	भारत	8.33
8	तिरूचिरापल्ली	भारत	8.29
9	चेन्न्ई	भारत	8.17
10	विजयवाड़ा	भारत	8.16

टॉपिक- जी.एस.-3- आर्थिक विकास

स्रोत- इकोनॉमिक टाइम्स

4. **<u>मंत्रिमंडल ने पंजाब में रावी नदी पर शाहपुरकंदी बांध के कार्यान्वयन को मंजूरी प्रदान की है।</u>**

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने रावी नदी पर पंजाब के शाहपुरकंदी बांध परियोजना के कार्यान्वयन को मंजूरी प्रदान की है।
- वर्ष 2018-2019 से वर्ष 2022-2023 तक पांच वर्षों की अवधि के दौरान 485.38 करोड़ रूपए (सिंचाई घटक हेतु) की केंद्रीय सहायता प्रदान की जाएगी।
- इस परियोजना के कार्यान्वयन से माधोपुर मुखरचना से होकर पाकिस्तान की ओर बहने वाले रावी नदी के पानी के कुछ भाग को रोकने में मदद मिलेगी, जब कि यहां पर पंजाब और जम्मू एवं कश्मीर में समान उद्देश्यों के लिए पानी की आवश्यक्ता है।

संबंधित जानकारी

- शाहपुरकंदी बांध परियोजना के लिए केंद्रीय सहायता हेतु वित्त पोषण नाबार्ड के द्वारा किया जा रहा है, यह वित्तपोषण, एल.टी.आई.एफ. के अंतर्गत 99 पी.एम.के.एस.वाई.-ए.आई.बी.पी. परियोजनाओं के वित्त पोषण के लिए मौजूदा प्रणाली के अंतर्गत नाबार्ड के माध्यम से किया जाएगा।

- यह परियोजना 485.38 करोड़ रूपए की केंद्रीय सहायता के साथ पंजाब सरकार द्वारा लागू की जाएगी, यह परियोजना जून, 2022 तक पूरी हो जाएगी।

अन्य जानकारी

- सिंधु नदी के जल के साझाकरण के लिए वर्ष 1960 में सिंधु जल समझौते पर भारत और पाकिस्तान ने हस्ताक्षर किए गए थे।
- संधि के अनुसार, भारत को तीन पूर्वी नदियों- रावी, बीस और सतलुज के पानी के उपयोग का पूर्ण अधिकार प्राप्त है।
- जनवरी, 1979 में पंजाब और जम्मू-कश्मीर के मध्य एक द्विपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे।
- समझौते के अनुसार, रणजीत सागर बांध (थीन बांध) और शाहपुरकंदी बांध का निर्माण पंजाब सरकार द्वारा किया गया था।
- रंजीत सागर बांध का साधिकार अगस्त, 2000 में प्राप्त हुआ था।
- शाहपुरकंदी बांध परियोजना को प्रारंभ में नवंबर, 2001 के दौरान योजना आयोग द्वारा स्वीकृति प्राप्त हुई थी और इसके सिंचाई घटक को वित्त पोषित करने के लिए इसे इसी मंत्रालय की त्वरित सिंचाई लाभ योजना (ए.आई.बी.पी.) के अंतर्गत शामिल किया गया था।

टॉपिक- जी.एस.-3- कृषि

स्रोत-पी.आई.बी.

5. **<u>केंद्रीय मंत्रिमंडल ने जलियांवाला बाग राष्ट्रीय स्मारक अधिनियम, 1951 के संशोधन को मंजूरी प्रदान की है।</u>**

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने जलियांवाला बाग राष्ट्रीय स्मारक अधिनियम, 1951 के संशोधन को मंजूरी प्रदान की है।
- मौजूदा अधिनियम में एकल राष्ट्रीय राजनीतिक दल के प्रतिनिधित्व के लिए एक प्रावधान है।
- प्रस्तावित संशोधन, ट्रस्ट में विपक्षी दल के प्रतिनिधित्व को सुनिश्चित करता है।
- प्रस्तावित संशोधन सरकार को ट्रस्ट के कार्यों में अथवा किसी अन्य कारण से भाग लेने हेतु संरक्षक को हटाने और बदलने के लिए सशक्त करेगा।

टॉपिक- जी.एस.-1- कला एवं संस्कृति

स्रोत-पी.आई.बी.

6. **<u>केंद्रीय मंत्रिमंडल ने कृषि निर्यात योजना, 2018 को मंजूरी प्रदान की है।</u>**

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने कृषि निर्यात योजना, 2018 को मंजूरी प्रदान की है।
- मंत्रिमंडल ने कृषि निर्यात योजना के कार्यान्वयन की निगरानी करने के लिए विभिन्न लाइन मंत्रालयों/ विभागों और संस्थाओं एवं संबंधित राज्य सरकारों के प्रतिनिधियों के प्रतिनिधित्व के साथ नोडल विभाग के रूप में वाणिज्य के साथ केंद्र में निगरानी ढांचे की स्थापना के प्रस्ताव को भी मंजूरी प्रदान की है।
- सरकार ने वर्ष 2022 तक किसानों की आय को दोगुना करने के लिए इस योजना को शुरू किया है।

उद्देश्य:

- किसानों की आय को दोगुना करने के लिए वर्तमान में 30+ बिलियन अमेरिकी डॉलर के निर्यात को वर्ष 2022 तक 60+ बिलियन अमेरिकी डॉलर करने और अगले कुछ वर्षों में 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर करना है।
- हमारी निर्यात टोकरी, गंतव्यों को विविध करने और उच्च मूल्य और मूल्यवर्धित कृषि निर्यात को बढ़ावा देने के साथ ही विनाशकारी बिंदुओं पर ध्यान केंद्रित करना।
- उपन्यास, स्वदेश, कार्बनिक, जातीय, पारंपरिक और गैर पारंपरिक कृषि उत्पाद निर्यात को बढ़ावा देना।
- बाजार पहुंच को बनाए रखने, बाधाओं और स्वास्थ्य संबंधी एवं फाइटोसनेटरी मुद्दों से निपटने हेतु एक संस्थागत तंत्र प्रदान करना।
- जल्द से जल्द वैश्विक मूल्य श्रृंखला के साथ एकीकृत करने के द्वारा विश्व कृषि निर्यात में भारत के हिस्से को दोगुना करने का प्रयास करना।
- विदेशी बाजारों में निर्यात के अवसरों का लाभ उठाने में किसानों को सक्षम बनाना।

टॉपिक-जी.एस.-3- कृषि

स्रोत-पी.आई.बी.

7. **<u>साहित्य अकादमी ने 24 भाषाओं में विजेताओं की घोषणा की है।</u>**

- साहित्य अकादमी, एक संगठन है जो भारत की भाषाओं में साहित्य को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है।
- साहित्य अकादमी (राष्ट्रीय अक्षर अकादमी) प्रत्येक वर्ष अंग्रेजी और राजस्थानी के साथ 22-अनुसूचित भाषाओं और 24 भारतीय भाषाओं में लेखकों के साहित्यिक कार्यों को मान्यता प्रदान करने हेतु पुरस्कार प्रदान करती है।
- विजेताओं में अंग्रेजी भाषा में अनीस सलीम, संस्कृत में रमाकांत शुक्ला, राजस्थानी में राजेश कुमार व्यास, उर्दू में रहमान अब्बास, नेपाली में लोकनाथ उपाध्याय, हिंदी में चित्र मुघाल और तमिल में एस. रामकृष्णन शामिल हैं।
- यह पुरस्कार एक रत्नपेटी के रूप में प्रदान किया जाता है जिसमें एक उत्कीर्ण तांबे की पट्टिका, एक शॉल और 1 लाख रूपए होते हैं। यह पुरस्कार लेखकों को अगले वर्ष जनवरी में नई दिल्ली के कमानी ऑडिटोरियम में एक विशेष समारोह के दौरान प्रदान किया जाएगा।

टॉपिक- पी.सी.एस. परीक्षा हेतु महत्वूपर्ण

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

08.12.2018

1. **<u>तमिलनाडु सदन ने मेकेदातु बांध परियोजना के खिलाफ एक प्रस्ताव पारित किया है.</u>**

- तमिलनाडु विधानसभा ने सर्वसम्मति से केन्द्रीय जल आयोग (सी.डब्ल्यू.सी.) द्वारा मेकेदातु संतुलन संरक्षण और पेयजल परियोजना पर एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के लिए कर्नाटक को मंजूरी देने के विरुद्ध एक निंदा प्रस्ताव पारित किया है।

संबंधित जानकारी

मेकेदातु बांध परियोजना

- 'मेकेदातु', बंगलुरु से 110 किमी की दूरी कानाकपुरा के पास कावेरी और अर्कावती नदियों के संगम पर है।
- 5, 912 करोड़ रुपये की लागत से मेकेदातु पर निर्मित बहुउद्देश्यीय संतुलन जलाशय परियोजना का उद्देश्य बेंगलुरु और रामनगर जिले में पेयजल की समस्याओं को हल करना था।
- इस परियोजना को एक ऐसी परियोजना भी बताया गया था जो राज्य में बिजली की मांग को पूरा करने के लिए जलविद्युत शक्ति उत्पन्न कर सकता है।
- प्रस्तावित परियोजना का उद्देश्य अतिरिक्त जल को संग्रहित करना है जो बंगाल की खाड़ी में बह जाता है।

केंद्रीय जल आयोग (सी.डब्ल्यू.सी.)

- यह जल संसाधन के क्षेत्र में देश में एक शीर्ष संगठन है।
- यह जल संसाधन विकास के संबंध में भारत सरकार को विभिन्न राज्यों के बीच अधिकारों और विवादों के संबंध में सलाह देता है जो संरक्षण और उपयोग के लिए किसी भी योजना को प्रभावित करते हैं और नदी घाटी के विकास के संबंध में कोई भी मामला जिसे आयोग के संज्ञान में लाया जा सके।

कावेरी नदी जल विवाद

- कावेरी नदी के पानी का बंटवारा **तमिलनाडु और कर्नाटक** दोनों राज्यों के बीच गंभीर संघर्ष का कारण रहा है।
- तमिलनाडु कर्नाटक पर जल की उचित मात्रा का प्रवाह नहीं होने देने का आरोप लगा रहा है।
- हालांकि, कर्नाटक ने राज्य में सूखे की स्थिति के कारण पानी की निर्धारित मात्रा को जारी करने में असमर्थता व्यक्त की है।
- **केरल और पुडुचेरी** विवाद इस विवाद में अन्य दो राज्य हैं।

विषय- सामान्य अध्ययन -1- भारतीय भूगोल

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

2. **<u>एक अध्ययन : नवजात शिशुओं में विटामिन डी की कमी से स्किज़ोफ्रेनिया जोखिम बढ़ जाता है.</u>**

- स्किज़ोफ्रेनिया, एक लंबी और गंभीर मानसिक बिमारी जो विश्व स्तर पर लगभग 1 प्रतिशत लोगों को प्रभावित करती है, नवजात अवस्था में विटामिन डी की कमी से सक्रिय हो सकती है।
- अध्ययन बताते हैं कि विटामिन डी की कमी वाले नवजात बच्चों में सामान्य विटामिन डी स्तर वाले बच्चों की तुलना में वयस्कों में स्किज़ोफ्रेनिया के पता चलने का जोखिम 44 प्रतिशत अधिक था।
- यह रोग आनुवांशिक और पर्यावरण सहित कई जोखिम कारकों से जुड़ा हुआ है।
- विटामिन डी शरीर को कैल्शियम को अवशोषित करने में मदद करता है।
- मछली के तेल और अंडे के जर्दे के अलावा, विटामिन डी का एक प्रमुख स्रोत सूर्य की रोशनी है।
- अतः स्किज़ोफ्रेनिया का बढ़ता खतरा - विटामिन D कमी का प्रसार सर्दियों अथवा बसंत ऋतु में पैदा हुए और उच्च-अक्षांश देशों में रह रहे लोगों से संबंधिते है।

विषय- सामान्य अध्ययन -2- स्वास्थ्य मुद्दे

स्रोत- डाउन टू अर्थ

3. **<u>सड़क दुर्घटनाएं की बढ़ती घटनाएं, निम्नआय वाले देश अधिक चपेट में: विश्व स्वास्थ्य संगठन</u>**

- सड़क सुरक्षा 2018 पर वैश्विक स्थिति रिपोर्ट के अनुसार विकासशील देशों में रहने वाले पैदलयात्री, साइकिल चालक और मोटरसाइकिल चालक सड़क दुर्घटनाओं का शिकार हो जाते हैं।
- यह रिपोर्ट विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा दिसंबर 2018 में पेश की गई है।
- इस समूह में सड़क दुर्घटनाओं के कारण होने वाली 54 प्रतिशत मौतें हैं, जो बच्चों और युवाओं (आयु वर्ग 5-29) में मौत का सबसे बड़ा कारण भी है।
- रिपोर्ट में बताया गया है कि वार्षिक सड़क यातायात दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों की संख्या 1.35 मिलियन तक पहुंच गई है - जो परिवहन के लिए कहीं अधिक कीमत है।
- रिपोर्ट के अनुसार, 2013 और 2016 के बीच निम्न आय वाले देशों में सड़क यातायात में मौतों की संख्या में कोई कमी नहीं आयी, रिपोर्ट में यह भी दर्शाया गया है कि 48 मध्यम और उच्च आय वाले देशों में कुछ कमी आई थी।

रिपोर्ट और भारत की स्थिति

- रिपोर्ट संयुक्त राष्ट्र वाहन सुरक्षा मानकों की सात या आठ प्राथमिकताओं के कार्यान्वयन के उदाहरण के रूप में भारत को रेखांकित करती है।
- रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के शहरों ने यातायात दुर्घटनाओं को कम किया है, और मीडिया अभियानों और मजबूत पुलिस बल मे इसमें मदद की है, अधिक शहरों ने शराब पीकर गाड़ी चलाने में कटौती की है।
- इसके बावजूद, 2016 में भारत ने 150,785 मौतें दर्ज हुई हैं।
- प्रवृत्ति से पता चलता है कि 2007 से मृत्यु बढ़ रही है।
- भारत ने लोगों की सुरक्षा के लिए आवश्यक अधिकांश नियमों को स्थापित किया है, लेकिन ऐसा लगता है कि यह मौतें कम करने में असफल रहा है।
- इसलिए, सतत विकास एजेंट 2030 में की गई प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए सरकारों को अपने सड़क सुरक्षा प्रयासों को बढ़ाने की तत्काल आवश्यकता है।

विषय- सामान्य अध्ययन -2- सामाजिक क्षेत्र / सेवाओं के विकास और प्रबंधन से संबंधित मुद्दे

स्रोत- डाउन टू अर्थ

4. **<u>महाराष्ट्र सरकार ने कृषि व्यवसाय, ग्रामीण परिवर्तन के लिए "स्मार्ट" पहल की शुरुआत की है.</u>**

- राज्य सरकार ने ग्रामीण महाराष्ट्र को बदलने की अपनी प्रतिबद्धता में "स्मार्ट" नामक एक अनूठी पहल की शुरुआत की है जो महाराष्ट्र के कृषि व्यवसाय और ग्रामीण परिवर्तन राज्य के लिए प्रतिबद्ध है।
- विश्व बैंक द्वारा समर्थित इस परियोजना का उद्देश्य 1,000 शहरों में सीमांत किसानों पर विशेष ध्यान देने के साथ कृषि मूल्य श्रृंखलाओं को फिर से बदलना है।

- यह पहल 2022 तक किसानों की आमदनी को दोगुनी करने की दिशा में एक कदम है।
- यह फसल-फसल मूल्य श्रृंखला का भी समर्थन करेगा और अर्थव्यवस्था को बड़े पैमाने पर लाभ पहुंचाने के लिए दक्षता लाएगा।
- यह परियोजना किसान संगठनों, स्टार्ट-अप, एस.एम.ई. और बड़े निगमों सहित महिला स्वयं सहायता समूहों के साथ कृषि-व्यापार खंडों के विभिन्न हितधारकों के बीच साझेदारी स्थापित करना चाहती है।

विषय - सामान्य अध्ययन - 2 – सरकारी योजनाएं

स्त्रोत - ए.आई.आर.

5. **<u>कैबिनेट ने अंतर्विषयक साइबर-स्थलीय तंत्र पर राष्ट्रीय मिशन को मंजूरी दे दी है.</u>**

- केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा 3660 करोड़ रुपए की पांच साल की अवधि क लिए लागू की जाने वाली अंतःविषयक साइबर-स्थलीय प्रणालियों (एन.एम.-आई.सी.पी.एस.) पर राष्ट्रीय मिशन को शुरु करने की मंजूरी दे दी है।
- यह मिशन समाज की बढ़ती तकनीकी आवश्यकताओं को संबोधित करता है और अगली पीढ़ी की प्रौद्योगिकियों के लिए अग्रणी देशों के अंतरराष्ट्रीय रुझानों और रोडमैप को ध्यान में रखता है।
- मिशन का लक्ष्य 15 प्रौद्योगिकी नवाचार केंद्रों (टी.आई.एच.), 6 अनुप्रयोग नवाचार केंद्रों (ए.आई.एच.) और 4 प्रौद्योगिकी अंतरण अनुसंधान पार्क (टी.टी.आर.पी.) की स्थापना करना है।
- ये केन्द्र एवं टी.टी.आर.पी. हब और भाषण मॉडल में देश भर में प्रतिष्ठित शैक्षणिक, अनुसंधान एवं विकास और अन्य संगठनों के समाधान के विकास में अकादमिक, उद्योग, केंद्रीय मंत्रालयों और राज्य सरकार से जुड़ेंगे।
- केन्द्र और टी.टी.आर.पी. में चार केंद्रित क्षेत्र हैं जिनके साथ मिशन कार्यान्वयन आगे बढ़ेगा, जिनके नाम निम्न हैं

1. प्रौद्योगिकी विकास
2. मानव संसाधन विकास और कौशल विकास
3. नवाचार, उद्यमिता और स्टार्ट-अप पारिस्थितिक तंत्र विकास
4. अंतर्राष्ट्रीय सहयोग

- प्रस्तावित मिशन विकास के एक इंजन के रूप में कार्य करेगा जो स्वास्थ्य, शिक्षा, ऊर्जा, पर्यावरण, कृषि, रणनीतिक सह-सुरक्षा, और औद्योगिक क्षेत्रों, उद्योग 4.0, स्मार्ट शहरों, सतत विकास लक्ष्यों (एस.डी.जी.) आदि में राष्ट्रीय पहलों को लाभ प्रदान करेगा।
- एन.एम.-आई.सी.पी.एस. एक अखिल भारतीय मिशन है जिसमें केंद्रीय मंत्रालय, राज्य सरकार, उद्योग और शिक्षण संस्थान शामिल हैं।
- सी.पी.एस. और इसकी संबंधित प्रौद्योगिकियां, जैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ए.आई.), इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आई.ओ.टी.), मशीन लर्निंग (एम.एल.), डीप लर्निंग (डी.पी.), बिग डेटा एनालिटिक्स, रोबोटिक्स, क्वांटम कंप्यूटिंग, क्वांटम कम्युनिकेशन, क्वांटम एन्क्रिप्शन (क्वांटम कुंजी वितरण), डेटा साइंस और भविष्य सूचक विश्लेषिकी, भौतिक आधारभूत संरचना और अन्य बुनियादी संरचना के लिए साइबर सुरक्षा व्यापक रूप से मानव प्रयास के लगभग हर क्षेत्र में एक परिवर्तनीय भूमिका निभा रही है।

विषय- सामान्य अध्ययन -2- सरकारी नीतियां

स्रोत-PIB

6. **<u>गुजरात जल्द ही अपना पहला जैव-विविधता विरासत स्थल घोषित कर सकता है</u>**

- गुजरात सरकार जैव-विविधता विरासत स्थलों (बी.एच.एस.) को घोषित करने की दिशा में पश्चिमी भारत-पाकिस्तान सीमा पर - **कच्छ के गुनेरी गांव में एक स्थानीय आम के वन और कच्छ के गुनेरी गांव में एक अंतर्देशीय मैंग्रोव स्थल** - दो स्थलों की घोषणा करने की दिशा में काम कर रही है।

- गुजरात जैव-विविधता बोर्ड (जी.बी.बी.) द्वारा प्रस्तावित स्थल राज्य के पहले जैव-विविधता विरासत स्थल होंगे।
- लगभग सौ साल पुरानी गुनेरी, एक प्राकृतिक अंतर-स्थलीय मैंग्रूव स्थल बफर जोन सहित 33 हेक्टेयर में फैली हुई है। आम तौर पर, मैंग्रूव तटीय क्षेत्रों में उगते हैं। हालांकि, गुनेरी स्थल पर, काफी ऊंचाई के अंतर-स्थलीय मैंग्रूव हैं। इसमें चिंकारा, रेशेल और कुछ प्रवासी पक्षियों जैसे वन्यजीवन की उपस्थिति भी है।
- डांग जिले के चिंचली क्षेत्र में पिपलाईदेवी श्रृंखला में 2,357 हेक्टेयर में एक अनोखा स्वदेशी आम का वन फैला हुआ है। इसमें स्वदेशी आम के 2,708 पेड़ हैं। इस क्षेत्र में पेड़ की 68 प्रजातियां, झाड़ियों की 25 प्रजातियां, जड़ी बूटियों की 100 प्रजातियां, बेलों की 50 प्रजातियां, घास की 25 प्रजातियां और पौधों के निचले समूहों जैसे मॉस की 20 प्रजातियां हैं। अनुमान के अनुसार, चिंचली 200 साल से अधिक समय तक पुराना हो सकता है। यह क्षेत्र पहाड़ी है और पहाड़ियों की कुछ चोटियां लुप्तप्राय गिद्धों का प्राकृतिक आवास स्थल है।

विषय-जीएस -3 पर्यावरण

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

7. **<u>कोलकाता-पटना अंतर्देशीय जलमार्गों में भारत का दूसरा कंटेनर कार्गो क्षेत्र बन गया है.</u>**

- इससे पहले 12 नवंबर, 2018 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोलकाता से वाराणसी के बीच देश को पहला आई.डब्ल्यू.टी. कंटेनरयुक्त कार्गो जलमार्ग समर्पित किया।
- कोलकाता-पटना राष्ट्रीय जलमार्ग -1 पर कंटेनरयुक्त कार्गो आवाजाही के लिए भारत की नई आई.डब्ल्यू.टी. मूल-गंतव्य जोड़ी है।
- कंटेनर कार्गो परिवहन में कई अंतर्निहित फायदे हैं। यह हस्तांतरण लागत को कम करता है, आसान मॉडल आवाजाही की अनुमति देता है, चोरी और क्षति को कम करता है। यह मालवाहक मालिकों को अपने कार्बन फुटप्रिंट्स को कम करने में भी सक्षम बनाता है।
- जहाजरानी मंत्रालय 5369 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से विश्व बैंक की तकनीकी और वित्तीय मदद के साथ जल मार्ग विकास परियोजना (जेएमवीपी)के अंतर्गत हल्दिया से वाराणसी (1390 किलोमीटर) तक एन.डब्ल्यू.-1 (नदी गंगा) विकसित कर रहा है।

विषय- जीएस -3-इंफ्रास्ट्रक्चर

स्रोत- पीआईबी

10.12.2018

1. **<u>पानी के अंदर भारत का पहला संग्रहालय पुदुचेरी तट से दूर तैयार किया जाएगा।</u>**

- आई.एन.एस. कुड्डालोर, एक पुदुचेरी श्रेणी का जहाज है जिसे इस वर्ष मार्च में बंद कर दिया गया है, इस जहाज ने एक सुरंग हटाने वाले ट्रालर-जहाज के रूप में अपनी तीन दशकों की सेवा में लगभग 30,000 समुद्री मील की नौकायन यात्रा की है।
- इस जहाज को देश का पहला पानी के अंदर संग्रहालय बनाने हेतु पुदुचेरी तट से 7 कि.मी. दूर 26 मीटर की गहराई पर समुद्र में भेजा जाएगा।
- नौसेना, संघीय क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देने और समुद्री वातावरण को विकसित करने हेतु आई.एन.एस. कुड्डालोर को उपहार में देने पर सहमत हो गई है।

टॉपिक- पी.सी.एस. परीक्षाओं हेतु महत्वूपर्ण

स्रोत- टाइम्स ऑफ इंडिया

2. **<u>अब अमेजन नदी की डॉल्फिन को आई.यू.सी.एन. द्वारा 'लुप्तप्राय' की श्रेणी के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।</u>**

- अमेजन नदी की डॉल्फ़िन को अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (आई.यू.सी.एन.) द्वारा नवंबर, 2018 में प्रकाशित अपनी नवीनतम रेड लिस्ट में "लुप्तप्राय" श्रेणी के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।
- अमेजन नदी की डॉल्फ़िन दो प्रकार की होती हैं, जिनके नाम "बोटो" और "टुकुक्सी" हैं, जिन्हें एक समय अमेजन में प्रचुर मात्रा में पाया जाता था।

- अध्ययन ने चेतावनी दी थी कि अमेजन नदी बेसिन में पाई जाने वाली ताजे पानी की डॉल्फ़िन "तेजी से मर रहीं थी" और यदि उन्होंने मछली पकड़ने के खिलाफ अधिक दृढ़ता से संरक्षण नहीं किया तो वे विलुप्त भी हो सकती हैं।
- इन मछलियों की संख्या में कमी आने का प्राथमिक कारण "कैटफ़िश के लिए चारे के रूप में मांस और व्हेल की चर्बी का प्रयोग किया जाना" है, जो व्यापक रूप से व्यावसायिक स्तर पर उपलब्ध है।
- मई 2018 में, आई.यू.सी.एन. ने ताजे पानी की डॉल्फ़िन को "संख्या की कमी" के रूप में सूचीबद्ध किया था, जिसका अर्थ है कि जनसंख्या के प्रति खतरे के स्तर का आंकलन करने हेतु उनकी संख्या के बारे में पर्याप्त जानकारी नहीं है।

संबंधित जानकारी

- अमेजन डॉल्फ़िन के अतिरिक्त विश्व के अन्य भागों में ताजे पानी की डॉल्फ़िन अत्यधिक दबाव का सामना कर रही हैं।
- भारतीय उपमहाद्वीप में, गंगा और सिंधु नदी बेसिन में पाई जाने वाली गंगीय अथवा सिंधु नदी डॉल्फिन को आई.यू.सी.एन. द्वारा "लुप्तप्राय" के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।
- चीन में, यांग्त्ज़े नदी डॉल्फ़िन अथवा "बाजी" को वर्ष 2006 में मछलियों की अत्यधिक पकड़, बांध निर्माण, प्रदूषण और नाव यातायात जैसी मानव गतिविधियों के कारण कार्यात्मक रूप से विलुप्त घोषित कर दिया गया था।

टॉपिक- जी.एस.-3 पर्यावरण

स्रोत- डाउन टू अर्थ

3. **<u>संयुक्त राष्ट्र ने "संयुक्त राष्ट्र आतंकवाद-विरोधी समन्वय समझौता" नामक एक नया ढांचा शुरू किया है।</u>**

- संयुक्त राष्ट्र ने अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद के संकट से निपटने और शांति एवं सुरक्षा, मानवता, मानवाधिकार और सतत विकास क्षेत्रों में प्रयासों को समन्वयित करने हेतु "संयुक्त राष्ट्र आतंकवाद-विरोधी समन्वय समझौता" नामक एक नया ढांचा शुरू किया है।
- अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद के संकट से निपटने हेतु सदस्य देशों की आवश्यक्ताओं को बेहतर ढंग से पूरा करने के लिए यह ढांचा संयुक्त राष्ट्र प्रमुख, 36 संगठनात्मक संस्थाओं, अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक पुलिस संगठन (इंटरपोल) और विश्व सीमा शुल्क संगठन के मध्य किया गया एक समझौता है।
- संयुक्त राष्ट्र आतंकवाद-विरोधी कार्यालय के अनुसार समन्वय समिति, समझौते के कार्यान्वयन की निगरानी और देखरेख करेगी।
- इसकी अध्यक्षता संयुक्त राष्ट्र आतंकवाद-विरोधी महासचिव व्लादमीर वोरॉनकोव के द्वारा की जाएगी।
- यह टास्क फोर्स, आतंकवाद-विरोधी कार्यान्वयन टास्क फोर्स को प्रतिस्थापित करेगी, जिसे वर्ष 2005 में आतंकवाद-विरोधी प्रयासों के संयुक्त राष्ट्र तंत्र-व्यापी समन्वय और संबद्धता को मजबूत करने हेतु स्थापित किया गया था।

टॉपिक-जी.एस.-2- अंतर्राष्ट्रीय संगठन

स्रोत- इकोनॉमिक टाइम्स

4. **<u>अवियांद्र युद्धाभ्यास 2018</u>**

- यह भारतीय वायुसेना और रूसी संघ एयरोस्पेस फोर्स (आर.एफ.एस.ए.एफ.) के मध्य आयोजित किया जाने वाला एक सेवा विशिष्ट युद्धाभ्यास है, जिसे 10 से 21 दिसंबर, 2018 तक जोधपुर के वायुसेना स्टेशन पर आयोजित करना निर्धारित किया गया है।
- उद्घाटन संबंधी पहले आई.ए.एफ-आर.एफ.एस.ए.एफ. अवियांद्र युद्धाभ्यास को वर्ष 2014 में आयोजित किया गया था।
- भारतीय वायु सेना और आर.एफ.एस.ए.एफ. के मध्य द्विपक्षीय संयुक्त युद्धाभ्यास की श्रेणी में अवियांद्र-2018 दूसरी बार आयोजित किया जा रहा है।

टॉपिक- जी. एस.-3- रक्षा

स्रोत-पी.आई.बी.

5. **<u>सतत जल प्रबंधन पर पहला अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन मोहाली में आयोजित किया जा रहा है।</u>**

- राष्ट्रीय जल विज्ञान परियोजना, केन्द्रीय जल संसाधन मंत्रालय, नदी विकास एवं गंगा कायाकल्प के संरक्षण के अंतर्गत 10-11 दिसंबर, 2018 को इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस (आई.एस.बी.) में भाखड़ा बीस प्रबंधन बोर्ड (बी.बी.एम.बी.) द्वारा पहला अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है।
- इस सम्मेलन की थीम 'सतत जल प्रबंधन' है।
- इस सम्मेलन का उद्देश्य सरकारों, वैज्ञानिक और शैक्षणिक समुदायों सहित विभिन्न हितधारकों के मध्य भागीदारी और बातचीत को बढ़ावा देना है जिससे कि:

1. जल प्रबंधन हेतु सतत नीतियों को बढ़ावा दिया जा सके
2. जल से संबंधित समस्याओं के संदर्भ में जागरूकता पैदा की जा सके,
3. उनके समाधान हेतु उच्चतम स्तर पर वचनबद्धता को प्रेरित किया जा सके और इस प्रकार स्थानीय, क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जल संसाधनों के बेहतर प्रबंधन को बढ़ावा दिया सके।

टॉपिक- जी.एस.-3- अंतर्राष्ट्रीय समिति और सम्मेलन
स्रोत-पी.आई.बी.

6. **<u>युवा मामलों के विभाग की योजनाएं</u>**

(i) राष्ट्रीय युवा सशक्तिकरण कार्यक्रम (आर.वाई.एस.के.)

1. **नेहरू युवा केंद्र संगठन (एन.वाई.के.एस.)**

- एन.वाई.के.एस. में 1.68 लाख युवा केंद्रो के माध्यम से लगभग 36.22 लाख युवा नामांकित हुए हैं, यह युवा केंद्र पूरे देश में कार्यरत हैं जो युवाओं के व्यक्तित्व को विकसित करने और उन्हें राष्ट्र-निर्माण गतिविधियों में व्यस्त करने हेतु काम करते हैं।

2. अंतर्राष्ट्रीय सहयोग

- यह विभाग युवाओं के मध्य अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य विकसित करने और युवा विकास पर विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं के साथ सहयोग करने हेतु विभिन्न देशों के साथ अंतर्राष्ट्रीय युवा विनिमय कार्यक्रमों का संचालन करता है।

3. युवा एवं किशोर विकास हेतु राष्ट्रीय कार्यक्रम (एन.पी.वाई.ए.डी.)

- युवा मामलों और खेल मंत्रालय की अन्य योजनाओं के साथ एन.पी.वाई.ए.डी. को राष्ट्रीय युवा सशक्तिकरण कार्यक्रम (आर.वाई.एस.के.) नामक एक छत्रीय योजना में विलय कर दिया गया था। ऐसा किशोर और युवाओं के विकास हेतु गतिविधियों के कार्यान्वन हेतु सरकारी/ गैर-सरकारी संगठनों को समर्थन प्रदान करने के लिए किया गया है।

(ii) . राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.)

- एन.एस.एस. में 451 विश्वविद्यालयों/ +2 परिषदों, 17996 कॉलेजों/ तकनीकी संस्थानों और देश भर में 12,827 वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों के माध्यम से 42958 एन.एस.एस. इकाईयों में लगभग 4.13 मिलियन युवा छात्रों को पंजीकृत किया गया है, एन.एस.एस. स्वैच्छिक सामुदाय सेवा के माध्यम से युवाओं के व्यक्तित्व और चरित्र के विकास के लिए काम कर रहे हैं।

(iii). राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आर.जी.एन.आई.वाई.डी.)

- यह विभिन्न विश्वविद्यालयों/ संस्थानों को प्रमुख और छोटी शोध परियोजनाओं हेतु निधि प्रदान करता है।

संबंधित जानकारी

खेलो इंडिया स्कूल गेम्स (के.आई.एस.जी.), 2018

- पहले खेलो इंडिया स्कूल गेम्स, 2018 को दिल्ली में आयोजित किया गया था।
- दूसरे खेलो इंडिया स्कूल गेम्स, 2019 को पुणे, महाराष्ट्र में आयोजित किया जाएगा।
- खेलो इंडिया कार्यक्रम को हमारे देश में खेले जाने वाले सभी खेलों के लिए मजबूत ढांचे के निर्माण और भारत को एक महान खेल राष्ट्र के रूप में स्थापित करके जमीनी स्तर पर भारत में खेल परंपरा को पुनर्जीवित करने हेतु शुरू किया गया है।

- खेलो इंडिया स्कूल गेम्स, खेलो इंडिया कार्यक्रम का हिस्सा हैं।
- अंडर -17 एथलीटों को 16 खेलों में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है, वे खेल: तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, बास्केटबॉल, मुक्केबाजी, फुटबॉल, जिमनास्टिक, हॉकी, जूडो, कबड्डी, खो-खो, निशानेबाजी, तैरना, वॉलीबॉल, भारोत्तोलन और कुश्ती हैं।

राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय, मणिपुर

- यह मणिपुर में खेल विज्ञान, खेल प्रौद्योगिकी, खेल प्रबंधन और खेल प्रशिक्षण के क्षेत्रों में खेल शिक्षा को बढ़ावा देने हेतु इस तरह का पहला राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यलय होगा। इसके अतिरिक्त सर्वश्रेष्ठ अंतर्राष्ट्रीय अभ्यासों को अपनाकर चुनिंदा खेलों के लिए राष्ट्रीय खेल केंद्र के रूप में कार्य करेगा।
- यह विश्वविद्यालय विभिन्न खेलों में खेल प्रशिक्षिण, खेल विज्ञान और शारीरिक शिक्षा में स्नातक, परास्नातक और डॉक्टरेट कार्यक्रम प्रदान करेगा।

टॉपिक- GS-2- विभिन्न क्षेत्रों में विकास हेतु सरकारी नीतियां और हस्तक्षेप

स्रोत-पी.आई.बी.

7. **<u>कन्नूर हवाई अड्डे का उद्घाटन किया गया है, चार अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डों वाला केरल पहला राज्य बन गया है।</u>**

- केरल, देश का एकमात्र राज्य बन गया है जहां पर चार अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे हैं। अन्य तीन शहर कोच्चि, कोझिकोड और तिरुवनंतपुरम हैं जहां पर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे हैं।
- सार्वजनिक-निजी साझेदारी मॉडल पर बनाया गया ये ग्रीनफील्ड हवाई अड्डा, कन्नूर शहर से 25 किलोमीटर की दूरी पर स्थित मत्तानूर नामक कस्बे में 2,000 एकड़ भूमि पर फैला हुआ है।

टॉपिक- जी.एस.-3- ढांचागत

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

8. **<u>यमुना का 2% से भी कम क्षेत्र, नदी के 76 प्रतिशत प्रदूषण का कारण है।</u>**

- राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण के अध्यक्ष न्यायमूर्ति ए.के. गोयल ने जुलाई 2018 में एक निगरानी समिति का गठन किया था, जिसमें सेवानिवृत्त विशेषज्ञ सदस्य बी.एस. साजवान और दिल्ली के पूर्व मुख्य सचिव शैलजा चन्द्रा शामिल थे। उन्होंने इस समिति को 31 दिसंबर तक नदियों की सफाई पर एक कार्य योजना और विस्तृत रिपोर्ट जमा करने का निर्देश दिया था।
- इस समिति ने दिल्ली सरकार को अपना ब्योरा जमा कर दिया है।
- यह उल्लेख किया गया है कि "यमुना नदी दिल्ली से होते हुए केवल पल्ला से बादरपुर तक 54 किलोमीटर के लिए बहती है, यह नदी वजीराबाद से ओखला तक 22 किलोमीटर तक फैली हुई है, जो कि यमुनोत्री से इलाहाबाद तक नदी की 1370 किलोमीटर की कुल लंबाई के 2 प्रतिशत से भी कम है, यह भाग नदी के 76 प्रतिशत प्रदूषण का कारण है"।
- निगरानी समिति ने सामान्य प्रदूषण उपचार संयंत्र (सी.ई.टी.पी.) के क्षमता उपयोग पर आपत्ति उठाई है जो कि 25 प्रतिशत से भी कम है।
- चिंता का अन्य क्षेत्र, उद्योगों और रिहायशियों द्वारा से पूरी तरह से अनियमित अपशिष्ट का नदियों में प्रत्यक्ष निर्वहन है।

टॉपिक- जी.एस.-3-पर्यावरण

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

9. **<u>भारत और चीन का 7वां संयुक्त सैन्य युद्धाभ्यास- 'हैंड इन हैंड'</u>**

- आतंकवाद से लड़ने में अपनी क्षमताओं को विकसित करने और आपसी समझ को बढ़ावा देने हेतु दक्षिण-पश्चिम चीनी शहर चेंगदू में एक साल के अंतराल के बाद भारत और चीन अपने संयुक्त सैन्य युद्धाभ्यास को पुन: शुरू करेंगे।
- इस युद्धाभ्यास का उद्घाटन समारोह 11 दिसंबर को आयोजित किया जाएगा।

- यह युद्धाभ्यास एक वर्ष के अंतराल के बाद आयोजित किया जा रहा है क्यों कि वर्ष 2017 में सीमा के सिक्किम क्षेत्र में डोकलाम में 73 दिनों का गतिरोध उत्पन्न हो गया था।

टॉपिक- जी.एस.-3- रक्षा

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

11.12.2018

1. **<u>उड़ीसा तट से दूर स्थित डॉ अब्दुल कलाम द्वीप से अग्नि-5 मिसाइल का परीक्षण किया गया है।</u>**

- 10 दिसंबर, 2018 को उड़ीसा तट से दूर स्थित डॉ अब्दुल कलाम द्वीप में लंबी दूरी की सतह से सतह पर मार करने वाली परमाणु सक्षम बैलेस्टिक मिसाइल को एक कनस्तर से एक सड़क मोबाइल लॉन्चर पर सफलतापूर्वक लांच किया गया है।
- यह स्वदेशी रूप से विकसित सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल का सातवां परीक्षण है।
- अग्नि -5 का पहला परीक्षण 19 अप्रैल, 2012 को आयोजित किया गया था।
- अग्नि -5, 5000 किलोमीटर की दूरी पर स्थित लक्ष्य पर भी हमला कर सकती है, इसके अतिरिक्त उच्च विश्वसनीयता, लंबे समय तक शेल्फ लाइफ, कम रखरखाव और विकसित गतिशीलता जैसी अन्य विशेषताएं भी हैं।

संबंधित जानकारी

- वर्तमान में, भारत के शस्त्रागार में अग्नि श्रृंखला शामिल है, जिसमें 700 कि.मी. की रेंज वाली अग्नि -1, 2000 कि.मी. की रेंज वाली अग्नि -2, 2500 कि.मी. और 3500 कि.मी. से अधिक रेंज वाली अग्नि -3 और अग्नि -4 भी शामिल हैं।

टॉपिक-जी.एस.-3- विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी में भारतीयों की उपलब्धियां

स्रोत- इकोनॉमिक टाइम्स

2. **<u>भारत स्थापित कुल अक्षय ऊर्जा क्षमता के संदर्भ में वैश्विक स्तर पर 5वें स्थान पर है।</u>**

- भारत ने पवन और सौर ऊर्जा स्थापित क्षमताओं में वैश्विक स्तर पर चौथा और पांचवा स्थान प्राप्त किया है।
- वर्तमान में भारत कुल स्थापित अक्षय ऊर्जा क्षमता के संदर्भ में वैश्विक स्तर पर 5वें स्थान पर है। अक्टूबर, 2018 को सभी अक्षय ऊर्जा स्रोतों के द्वारा देश में कुल लगभग 73.35 गीगावॉट अक्षय ऊर्जा क्षमता स्थापित की गई है। प्रयोग किए गए अक्षय ऊर्जा स्रोतों में शामिल हैं:

  (a) पवन ऊर्जा से लगभग 34.98 गीगावॉट
  (b) सोलर ऊर्जा से 24.33 गीगावॉट
  (c) छोटे हाइड्रो पावर से 4.5 गीगावॉट और
  (d) जैव-ऊर्जा से 9.54 गीगावॉट

संबंधित जानकारी

- जलवायु परिवर्तन पर पेरिस समझौते के अनुसार, भारत ने वर्ष 2030 तक स्थापित बिजली उत्पादन क्षमता के 40% भाग को स्वच्छ स्रोतों पर आधारित करने की प्रतिज्ञा ली है, यह निर्धारित किया गया था कि वर्ष 2022 तक 175 गीगावॉट अक्षय ऊर्जा क्षमता स्थापित की जाएगी।
- इसमें सूर्य से 100 गीगावॉट, वायु से 60 गीगावॉट, जैव ऊर्जा से 10 गीगावॉट और छोटे हाइड्रो पॉवर से 5 गीगावॉट ऊर्जा शामिल हैं।

टॉपिक जी.एस.-3- ऊर्जा

स्रोत-पी.आई.बी.

3. **<u>आई.आई.एस.ई.आर. कोलकाता टीम ने अगले 10 वर्षों की सौर गतिविधियों को प्रेरित करने और उनकी भविष्यवाणी करने हेतु एक विधि विकसित की है।</u>**

- आई.आई.एस.ई.आर. कोलकाता के शोधकर्ताओं की एक टीम ने पिछले 100 वर्षों के डेटा का प्रयोग करते हुए अगले सौर चक्र (लगभग वर्ष 2020 से वर्ष 2031 तक) में सूर्य के धब्बों जैसी गतिविधियों की तीव्रता की भविष्यवाणी करने की विधि विकसित की है।
- खगोलविद लगभग 400 वर्षों से सूरज की सतह पर धब्बे देख रहें हैं।

- यह ज्ञात है कि सूर्य के धब्बे बढ़ती हुई संख्या में चक्रीय प्रारूप का अनुसरण करते हैं और लगभग 11 वर्षों में गायब हो जाते हैं, जिसे सूर्य के धब्बे चक्र अथवा सूर्य के गतिविधि चक्र के रूप में जाना जाता है।
- हम वर्तमान में 24वें सूर्य के धब्बे चक्र में हैं जब कि वर्ष 1755 में इसके अवलोकन शुरू हो गए थे।

टॉपिक- जी.एस.-3-विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- द हिंदू

4. **<u>भारत ने परमाणु संयंत्र संचालन में विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया है।</u>**

- स्वदेशी रूप से विकसित कैगा परमाणु ऊर्जा स्टेशन की एक इकाई के निरंतर रूप से बिना रूके हुए 940 दिनों से लगातार काम करने का विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया है।
- यह रिकॉर्ड, विश्व के उन्नत गैस आधारित रिएक्टरों सहित सभी प्रकार की परमाणु ऊर्जा उत्पादन इकाइयों के लिए है।
- यह रिकॉर्ड पहले यूनाइटेड किंगडम के हेशाम की यूनिट 2 के नाम था, जिसने 940 दिनों तक बिना रूके हुए निरंतर काम किया था।

संबंधित जानकारी

कैगा परमाणु ऊर्जा संयंत्र

- यह भारत के कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले में काली नदी के निकट कैगा में स्थित है।

टॉपिक- पी.सी.एस. परीक्षाओं हेतु महत्वूपर्ण

स्रोत- डी.डी. न्यूज

5. **<u>केंद्र ने तीन देशों के अल्पसंख्यकों के लिए नियमों में संशोधन किया है।</u>**

- केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश के छह अल्पसंख्यक समुदायों (हिंदुओं, सिक्खों, बौद्धों, पारसी, सिक्खों और ईसाइयों) के आवेदकों के लिए नागरिकता फॉर्म में एक अलग कॉलम शामिल करने हेतु नागरिकता नियम, 2009 में संशोधनों को अधिसूचित किया है।
- एक संसदीय समिति, नागरिकता (संशोधन) विधेयक, 2016 की जांच कर रही है, जो पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश के सताए गए 6 अल्पसंख्याक समुदायों- हिंदू, जैन, सिक्ख, पारसी, ईसाई और बौद्ध को नागरिकता का प्रस्ताव देती है, नागरिकता का प्रस्ताव उन्हें ही दिया जाता है जो 2014 से पहले भारत आए थे।

संबंधित जानकारी

- यह बीजेपी शासित असम में पूर्ण रूप से विरोध में है क्यों कि यह असम में बांग्लादेश से आए हुए अवैध हिंदू प्रवासियों को नागरिकता देने का मार्ग प्रशस्त करेगा, जो 1985 असम समझौते के उल्लंघन में मार्च, 1971 के बाद भारत आए थे।

टॉपिक- जी.एस.-2- भारतीय संविधान

स्रोत- द हिंदू

6. **<u>भारत, समुद्री खनिजों के लिए गहरा गोता लगाने की योजना बना रहा है।</u>**

- भारत, बहुत तेज गति से संयुक्त राष्ट्र के निकाय- अंतरराष्ट्रीय समुद्री प्राधिकरण (आई.एस.ए.) के पूर्वानुमान से दूर जा रहा है, यह निकाय उच्च समुद्रों पर खनन की निगरानी करता है- वाणिज्यिक शोषण के लिए हरा प्रकाश प्रदान करता है।
- अगले दशक में, भारत सरकार अंडरवाटर क्रालिंग मशीन और मानव-पायलट वाली पनडुब्बियों जैसी गहरी समुद्री प्रौद्योगिकियों के परीक्षण और विकास हेतु 1 बिलियन डॉलर से अधिक का निवेश करने की योजना बना रहा है।
- यदि यह काम करता है तो यह उपकरण 6 कि.मी. तक की गहराई तक पहुंचने में सक्षम होंगे जहां पर धातुएं, अंतर्देशीय जमाव से 15 गुना अधिक सांद्रित हो सकती हैं।
- आई.एस.ए. ने भारत को 75,000 वर्ग किलोमीटर के हिंद महासागर में एक क्षेत्र का अन्वेषण करने की अनुमति प्रदान की है।
- चीन, दुर्लभ पृथ्वी का लगभग 90% हिस्सा प्रदान करता है, जिसे विमानन और रक्षा निर्माण में प्रयोग किया जाता है।

- भारत तांबा, निकेल और कोबाल्ट में सबसे अधिक रुचि रखता है क्यों कि यह स्वच्छ बिजली उत्पादन को बढ़ाता है।

टॉपिक- जी.एस.-3- विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- द हिंदू

7. **<u>सी.बी.आई., सी.वी.सी. के प्रमुखों की नियुक्ति प्रक्रिया</u>**

- सर्वेच्च न्यायालय ने केंद्र से एक याचिका पर प्रतिक्रिया देने के लिए कहा है। वह याचिका सी.बी.आई. निदेशक, केन्द्रीय सतर्कता आयोग (सी.वी.सी.), केंद्रीय सूचना आयोग (सी.आई.सी.) के प्रमुखों और लोकपाल की नियुक्ति प्रक्रिया से संबंधित है।
- याचिका ने अपने दावों को वापस लेने के लिए दो तथ्यों की ओर इशारा किया है कि इन संस्थानों के प्रमुख "वास्तविकता में स्वतंत्र और पारदर्शी नहीं थे।
- सी.वी.सी., देश का शीर्ष भ्रष्टाचार विरोधी लोकपाल है। सी.आई.सी., सूचना के अधिकार अधिनियम के अंतर्गत शीर्ष मंच है।
- वर्ष 2014 में कानून आ जाने के बाद भी लोकपाल अभी तक लागू नहीं हुआ है।
- याचिका ने भ्रष्टाचार रोकथाम अधिनियम, 1988 की धारा 17 A को चुनौती दी है। यह प्रावधान, अपनी स्थिति में दिलचस्पी न रखने वाले सार्वजनिक कर्मचारियों को सामूहिक संरक्षण प्रदान करता है।

संबंधित जानकारी

- इसने तर्क दिया कि धारा 17 A "स्वीकृति की आवश्यकता के अतिरिक्त सार्वजनिक कर्मचारी की जांच करते समय पारित होने हेतु दूसरी सीमा प्रदान करता है, जो 1988 अधिनियम की धारा 19 के अंतर्गत किसी भी स्थिति में उपलब्ध नहीं है।

टॉपिक- जी.एस.-2- भारतीय संविधान

स्रोत- द हिंदू

8. **<u>पाकिस्तान, हिंदुओं और बौद्धों के लिए विरासत पार्क बनाने की योजना बना रहा है।</u>**

- खैबर पख्तुनख्वा प्रांत, धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए हिंदुओं और बौद्धों दोनों के लिए ऐतिहासिक महत्व रखने वाले एक विरासत पार्क को एलम घाटी में बनाने की योजना बना रहा है।

संबंधित जानकारी

- एलम घाटी, इस प्रांत के स्वात और बुनर जिलों के मध्य स्थित है।
- एलम घाटी, हिंदू और बौद्ध दोनों समुदायों के लिए दिव्यता और तीर्थयात्रा का एक स्थल रही है।
- हिंदू धारणा के अनुसार, भगवान राम ने अपने 14 वर्ष के वनवास के दौरान वहां पर ध्यान करने में समय बिताया था, जब कि बौद्धों का मानना है कि यह वह स्थान है जहां भगवान बुद्ध के पिछले अवतार ने अपना जीवन त्यागा था।

टॉपिक- जी.एस.-3- भारत और उसके पड़ोसी रिश्ते

स्रोत- द हिंदू

12.12.2018

1. **<u>इनश्योर: प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण से जुड़ने हेतु एक ऑनलाइन पोर्टल</u>**

- केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री ने नाबार्ड द्वारा विकसित राष्ट्रीय पशुधन मिशन- ई.डी.ईजी.- इनश्योर पोर्टल लांच किया है।
- यह पोर्टल पशुपालन, डेयरी और मत्स्यपालन विभाग के अंतर्गत कार्य करता है।
- मुर्गीपालन, जुगाली करने वाले छोटे पशुओं, सुअरों इत्यादि से संबंधित गतिविधियों के लिए सब्सिडी भुगतान, प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डी.बी.टी.) के माध्यम से सीधे लाभार्थी के खाते में जाता है।
- इस पोर्टल के लॉन्च होने के बाद अब सब्सिडी के वितरण में देरी के कारण होने वाले अतिरिक्त ब्याज का बोझ कम हो जाएगा।
- रियल टाइम के आधार पर आप पोर्टल से एक्सेस कर पाएंगे और लाभार्थियों की सूची आसानी से तैयार की जा सकती है।

संबंधित जानकारी

राष्ट्रीय पशुधन मिशन

- राष्ट्रीय पशुधन मिशन, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय की एक पहल है।
- वर्ष 2014-15 से शुरू हुए इस मिशन का उद्देश्य पशुधन क्षेत्र का सतत विकास करना है।
- नाबार्ड, राष्ट्रीय पशुधन मिशन के उद्यमिता विकास एवं रोजगार उत्पादन (ई.डी.ई.जी.) घटक के अंतर्गत सब्सिडी माध्यम संस्था है।
- इसमें शामिल है:

1. मुर्गीपालन उद्दम पूंजी निधि (पी.वी.सी.एफ.)
2. जुगाली करने वाले छोटे पशु एवं खरगोशों का समाकलित विकास (आई.डी.एस.आर.आर.)
3. सुअर विकास (पी.डी.)
4. पुरुष भैंस बछड़ों का संरक्षण और पालन (एस.आर.एम.बी.सी.)

इस योजना से कौन लाभ उठा सकता है?

- किसान, व्यक्तिगत उद्यमी, एन.जी.ओ., कंपनियां, सहकारी समिति, संगठित और असंगठित क्षेत्रों के समूह जिनमें स्वयं सहायता समूह (एस.एच.जी.) और संयुक्त देयता समूह (जे.एल.जी.) शामिल हैं, से सभी इस योजना से लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – कृषि एवं विकास

स्रोत-पी.आई.बी.

2. **<u>कला उत्सव राष्ट्रीय प्रतियोगिता</u>**

- मानव संसाधन विकास मंत्री बाल भवन, नई दिल्ली में "कला उत्सव" (कला का महोत्सव) का उद्घाटन करेंगे।
- कला उत्सव, मानव संसाधन विकास मंत्रालय के विद्यालय शिक्षा एवं साक्षरता विभाग की एक पहल है।
- इसमें छात्र केन्द्रीय विद्यालय संगठन का प्रतिनिधित्व करेंगे और नवोदय समिति के छात्र भी प्रतियोगिता में शामिल होंगे।

सम्बंधित जानकारी

- कला उत्सव राष्ट्रीय प्रतियोगिता, वर्ष 2015 में शुरू की गई थी।
- इसका उद्देश्य विद्यालय के छात्रों की कलात्मक प्रतिभाओं को पोषित और प्रदर्शित करने के माध्यम से शिक्षा में कला को बढ़ावा देना है, विशेष आवश्यक्ताओं वाले बच्चों को भी अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –कला एवं संस्कृति

स्रोत-पी.आई.बी.

3. **<u>सरकार ने राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली में अपने योगदान को 10% से बढ़ाकर 14% कर दिया है।</u>**

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने अपने कर्मचारियों की राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एन.पी.एस.) कोष में अपने योगदान को 10% से बढ़ाकर 14% करने का निर्णय लिया है।
- इससे एन.पी.एस. द्वारा कवर किए गए सभी केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों के अंततः संचित कोष में वृद्धि होगी।
- इसके अतिरिक्त सरकार ने एन.पी.एस. को पूरी तरह से कर मुक्त करने का फैसला किया है, जो इसे भविष्य निधि योजना के समान बनाता है।
- यह निर्धारित किया गया है कि सेवानिवृत्ति होने पर निकाले जाने वाले एन.पी.एस. कोष के हिस्से पर लगने वाले आयकर की छूट प्रदान की जाएगी।
- वर्तमान में, योजना से बाहर निकलने के दौरान 60% कोष निकाला जा सकता है और निकाली गई धनराशि की 20 प्रतिशत राशि पर कर लगता है।

संबंधित जानकारी

राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली

- यह पहुँच में आसान, कम लागत वाला, कर-कुशल, लचीला और पोर्टेबल सेवानिवृत्ति बचत खाता है।
- इसे वर्ष 2004 में शुरू किया गया था और शुरुआत में इसे नई सरकारी भर्ती (सशस्त्र सेनाओं को छोड़कर) के लिए पेश किया गया था।

- इसका उद्देश्य देश में पेंशन सुधारों को स्थापित करना और नागरिकों में सेवानिवृत्ति के लिए बचत करने की आदत पैदा करना है।
- इसका उद्देश्य सभी नागरिकों को सेवानिवृत्ति आय प्रदान करना है। इसके अतंर्गत व्यक्ति अपने सेवानिवृत्ति खाते में योगदान देता है।
- इसे मई, 2009 से स्वैच्छिक आधार पर असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों सहित देश के सभी नागरिकों के लिए बढ़ाया गया था।
- एन.पी.एस. को पेंशन निधि विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (पी.एफ.आर.डी.ए.) द्वारा शासित और प्रशासित किया जाता है।
- वर्तमान में, 18 से 65 वर्ष की आयु का कोई भी भारतीय व्यक्ति स्वेच्छा से एन.पी.एस. में शामिल हो सकता है।
- एन.आर.आई., एक एन.पी.एस. खाता खोल सकता है, जब कि एन.आर.आई. द्वारा किया गया योगदान समय-समय पर आर.बी.आई. और फेमा द्वारा निर्धारित विनियामक आवश्यकताओं के अधीन हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत-पी.आई.बी.

4. **<u>उड़ीसा: अपनी पारंपरिक लैक गुड़िया शादी का जश्न मना रहा है।</u>**

- उड़ीसा, चिलिका के तट पर धूमधाम और भव्यता के साथ अपनी पारंपरिक लैक गुड़िया शादी का जश्न मनाता है।
- यह लैक गुड़िया शादी, शादी के सीजन में मनाई जाती है जो कला और परंपरा का एक अद्वितीय संघ है।
- जिस समय सेलिब्रिटियों के शादी समारोह खबरों में छाए हुए थे और देश के लागो को आकर्षित कर रहे थे, उस समय उड़ीसा अत्यंत धूमधाम और भव्यता के साथ इस अद्वितीय विवाह का जश्न मना रहा था।
- यह शादी बरकुल में स्थित एक संस्थान और संग्रहालय 'पुर्बसा लोक-कला अथवा आदिवासी-कला संग्रहालय' द्वारा 'जाउकांधीबहाघारा (लैक गुड़िया विवाह)' की उडिया परंपरा के अनुरूप आयोजित की गई थी।
- बेरहामपुर का 'फोरम ऑफ गंजम' भी इस संग्रहालय के विकास में शामिल है।

संबंधित जानकारी

- इस अद्वितीय विवाह समारोह का उद्देश्य पारंपरिक लोक और जनजातीय कला रूपों को बढ़ावा देना और दहेज एवं बाल विवाह जैसी सामाजिक बुराइयों के खिलाफ जागरूकता पैदा करना था।
- बेरहामपुर से शुरू हुई विवाह बारात में बाघानाचा (बाघ नृत्य), घोड़ानाचा (घोड़ा नृत्य), सखीनाचा जैसे गंजम जिले के विभिन्न लोक-नृत्य के कलाकार शामिल थे।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –कला एवं संस्कृति

स्रोत- द हिंदू

5. **<u>इज़राइल, वित्तीय कार्रवाई टास्क फोर्स (एफ.ए.टी.एफ.) का सदस्य बन गया है।</u>**

- इज़राइल, वित्तीय कार्रवाई टास्क फोर्स (एफ.ए.टी.एफ.) का पूर्णकालिक सदस्य बन गया है।
- एफ.ए.टी.एफ. सदस्यता, अंतरराष्ट्रीय निवेश के लिए इज़राइल को एक आकर्षक देश के रूप में टैग करेगी और इजरायली वित्तीय क्षेत्र की स्थिति में और वैश्विक अर्थव्यवस्था में उसके संचालन की क्षमता में सुधार करेगी।

वित्तीय कार्रवाई टास्क फोर्स

- वित्तीय कार्रवाई टास्क फोर्स (एफ.ए.टी.एफ.), वर्ष 1989 में अपने सदस्य अधिकार-क्षेत्र के मंत्रियों द्वारा स्थापित एक अंतर्सरकारी निकाय है।
- एफ.ए.टी.एफ. के उद्देश्य मानदंड निर्धारित करना और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय प्रणाली की अखंडता के लिए मनी लॉंडरिंग, आतंकवाद के वित्तपोषण और अन्य संबंधित खतरों का मुकाबला करने हेतु कानूनी, विनियामक और परिचालन उपायों के प्रभावी कार्यान्वयन को बढ़ावा देना है।
- अत: एफ.ए.टी.एफ. एक "नीति निर्माण निकाय" है जो इन क्षेत्रों में राष्ट्रीय विधान संबंधी और विनियामक सुधार लाने हेतु आवश्यक राजनीतिक इच्छाशक्ति उत्पन्न करने के लिए काम करता है।

- एफ.ए.टी.एफ. ने सिफारिशों की एक श्रृंखला विकसित की है जो मनी लॉंडरिंग और आतंकवाद के वित्तपोषण और सामूहिक विनाश के हथियारों के प्रसार का मुकाबला करने हेतु अंतर्राष्ट्रीय मानक के रूप में मान्यता प्राप्त है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –अर्थशास्त्र

स्रोत- टाइम्स ऑफ इंडिया

6. **<u>सतत ऊर्जा हेतु विनियामक संकेतक (आर.आई.एस.ई.)- 2018</u>**

- विश्व बैंक ने सतत ऊर्जा हेतु विनियामक संकेतक (आर.आई.एस.ई.) 2018 नामक अपनी रिपोर्ट जारी की है, जो सतत ऊर्जा नीतियों पर वैश्विक प्रगति को चित्रित करती है।
- यह रिपोर्ट, जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क सम्मेलन (सी.ओ.पी. 24) के 24वें कांफ्रेंस ऑफ पार्टी के मौके पर जारी की गई थी।

संबंधित जानकारी

"आर.आई.एस.ई. 2018" के प्रमुख बिंदु निम्नानुसार हैं:

- दुनिया के सबसे अधिक ऊर्जा उपभोग करने वाले देशों में से कई देशों ने वर्ष 2010 से अपने अक्षय ऊर्जा नियमों में काफी सुधार किया है।
- वर्ष 2010-2017 तक सतत ऊर्जा हेतु मजबूत नीति ढांचे वाले देशों की संख्या में तीन गुना वृद्धि हुई है, यह संख्या 17 से बढ़कर 59 हो गई है।
- 2015 के पेरिस समझौते के दौरान अक्षय ऊर्जा और ऊर्जा दक्षता दोनों के लिए स्पष्ट लक्ष्यों को अपनाने के दौरान दुनिया के सबसे अधिक ऊर्जा उपभोग करने वाले देशों में से कई देशों ने वर्ष 2010 से अपने अक्षय ऊर्जा नियमों में काफी सुधार किया है।
- विकसित देशों में लंबे समय तक प्रगति शामिल नहीं है: यहां पर विकासशील देशों के प्रत्येक क्षेत्र में मजबूत प्रदर्शक हैं।

ऊर्जा पहुंच:

- जिन देशों ने वर्ष 2010 से अपनी बिजली पहुंच दरों में सबसे अधिक वृद्धि की है, उन्होंने बिजली पहुंच नीतियों में एक समवर्ती सुधार भी दर्शाया है।
- बिजली पहुंच की कमी वाले देशों में, नीति निर्माता अंतर को समाप्त करने हेतु ऑफ-ग्रिड समाधान पर अधिक ध्यान दे रहे हैं। यह मिनी-ग्रिड और सौर गृह प्रणालियों को समर्थन प्रदान करने हेतु कम पहुँच वाले देशों द्वारा सचित्र किया गया है, इनकी संख्या वर्ष 2010 में 15 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2017 में 70 प्रतिशत हो गई है।

अक्षय ऊर्जा:

- वर्ष 2017 में, 50 देशों- वर्ष 2010 की अपेक्षा लगभग दोगुने देश- ने अक्षय ऊर्जा के उत्थान को सक्षम करने हेतु महत्वपूर्ण नीति ढांचे का विकास किया था।
- वर्ष 2010 में केवल 37 प्रतिशत की अपेक्षा आर.आई.एस.ई. द्वारा कवर किए गए लगभग 93 प्रतिशत देशों ने आधिकारिक अक्षय ऊर्जा लक्ष्य को अपनाया था और 84 प्रतिशत देशों के पास अक्षय ऊर्जा परिनियोजन का समर्थन करने हेतु नियम थे, जब कि 95 प्रतिशत देशों ने निजी क्षेत्रों को अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं के स्वामित्व और संचालन करने की अनुमति प्रदान की थी।

ऊर्जा दक्षता:

- ऊर्जा दक्षता पर उन्नत नीति ढांचे वाले देशों का प्रतिशत 10 गुना से अधिक बढ़कर वर्ष 2010 में 2 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2017 में 25 प्रतिशत हो गया था। सबसे प्रमुख तथ्य यह है कि इन देशों में दुनिया की ऊर्जा खपत का 66 प्रतिशत हिस्सा शामिल है।
- लेकिन ऊर्जा दक्षता पर वैश्विक औसत स्कोर कम बना रहता है, सुधार के लिए महत्वपूर्ण जगह का सुझाव देता है।

नोट: चार एस.डी.जी. 7 लक्षित क्षेत्रों में अक्षय ऊर्जा, ऊर्जा दक्षता, बिजली की पहुंच और स्वच्छ खाना पकाने तक पहुंच शामिल हैं। अंतिम लक्ष्य को नीति निर्माताओं द्वारा सबसे अधिक जांचा और निधि के अंतगर्त रखा गया है।

भारतीय परिदृश्य:

- भारत ने अक्षय ऊर्जा नीलामी में बड़ी सफलता हासिल की है जो सौर ऊर्जा के लिए रिकॉर्ड कम कीमत प्रदान करता है।

- जब कि अपनी पूरी क्षमता का एहसास करने के लिए देश को उपयोगिता असफलता, स्वच्छ भोजन पकाना, ऊष्मन एवं स्थानांतरण अकार्बनीकरण में धीमी प्रगति जैसे महत्वपूर्ण अंतरो का समाधान करने की आवश्यकता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –महत्वूपर्ण रिपोर्ट

स्रोत- इकोनॉमिक टाइम्स

7. **<u>सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र को राष्ट्रीय उद्यानों, अभ्यारण्यों के चारों ओर 10 कि.मी. तक के क्षेत्र को ई.एस.जेड. घोषित करने हेतु निर्देशित किया है।</u>**

- सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र को जंगली पक्षियों और जानवरों की रक्षा करने के लिए देश में 21 राष्ट्रीय उद्यानों और वन्यजीव अभयारण्यों के आस-पास के लगभग 10 कि.मी. क्षेत्र को "जल्द से जल्द" पारिस्थिकी संवेदनशील क्षेत्र (ई.एस.जेड.) के रूप में घोषित करने का निर्देश दिया है।
- केंद्रीय पर्यावरण, वानिकी एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एम.ओ.ई.एफ.सी.सी.) ने राष्ट्रीय उद्यानों और वन्यजीव अभ्यारण्यों के आस-पास के इलाकों को ई.एस.जेड. के रूप में अधिसूचित किया है।
- इसका उद्देश्य यहां पर गतिविधियों को विनियमित और प्रबंधित करके संरक्षित जानवरों और पक्षियों के लिए "शॉक अब्जार्वर" का निर्माण करना है।
- वे उच्च संरक्षण क्षेत्रों से निम्न संरक्षण क्षेत्रों की ओर संक्रमण क्षेत्र के रूप में भी कार्य करते हैं।
- बिना ई.एस.जेड. के 21 राष्ट्रीय उद्यान और वन्यजीव अभयारण्य असम, जम्मू-कश्मीर, कर्नाटक, महाराष्ट्र, मणिपुर, मेघालय, नागालैंड, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में स्थित हैं।

संबंधित जानकारी

वैधानिक समर्थन

- पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 में "पारिस्थिकी-संवेदनशील क्षेत्र" शब्द का उल्लेख नहीं किया गया है।
- जब कि, अधिनियम की धारा 3(2)(v) का कहना है कि केंद्र सरकार उन क्षेत्रों को प्रतिबंधित कर सकती है जिनमें कोई उद्योग, संचालन अथवा प्रक्रियाओं अथवा उद्योगों का वर्ग, कार्यान्वन अथवा प्रक्रियाएं नहीं की जा रही है अथवा कुछ निश्चित सुरक्षा के अधीन की जा रही हैं।
- पर्यावरण (संरक्षण) नियम, 1986[1] के नियम 5(1) में यह भी में कहा गया है कि केंद्र सरकार उद्योगों के स्थान को प्रतिबंधित अथवा बाधित कर सकती है और किसी क्षेत्र की जैविक विविधता, एक क्षेत्र के लिए प्रदूषकों की सांद्रता की अधिकतम अनुमोदित सीमा, पर्यावरण अनुकूल भूमि और संरक्षित क्षेत्रों की निकटता जैसे मानकों के आधार पर चल रहे कुछ निश्चित संचालनों अथवा प्रक्रियाओं को प्रतिबंधित कर सकती है।
- ई.एस.जेड. अथवा ई.एफ.ए. घोषित करने के लिए सरकार द्वारा उपरोक्त दो खंडों का प्रभावी ढंग से उपयोग किया जाता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत-पी.आई.बी.

8. **<u>भारतीय बंदरगाह संघ ने ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ाने हेतु 'पी.सी.एस. 1 एक्स.' लॉन्च किया है।</u>**

- शिपिंग मंत्रालय के मार्गदर्शन के अंतर्गत भारतीय बंदरगाह संघ (आई.पी.ए.) ने बंदरगाह सामुदायिक प्रणाली 'पी.सी.एस. 1 एक्स.' लॉन्च की है।
- 'पी.सी.एस. 1 एक्स.', यूजर फ्रैंडली इंटरफेस के साथ एक क्लाउड-आधारित नई पीढ़ी की तकनीक है।
- यह मंच बिना आई.टी. क्षमता वाले लोगों के लिए डैशबोर्ड प्रस्तावित करके नोटिफिकेशन इंजन, वर्कफ़्लो, मोबाइल एप्लिकेशन, ट्रैक और ट्रेस, बेहतर यूजर इंटरफेस, बेहतर सुरक्षा सुविधाओं, बेहतर समावेशन जैसी वैल्यू ऐडेड सेवाएं प्रदान करता है।

- 'पी.सी.एस. 1 एक्स.' की एक अद्वितीय विशेषता यह है कि यह थर्ड पार्टी सॉफ्टवेयर पर काम कर सकता है जो समुद्री उद्योग को सेवाएं प्रदान करता है जिसके माध्यम से सेवाओं के व्यापक नेटवर्क तक पहुँच प्रदान करने में हितधारकों को सक्षम बनाता है।
- यह प्रणाली सभी हितधारकों में सभी कार्यक्षमताओं के लिए एकल इंटरफ़ेस प्रदान करने हेतु एक एकल साइन-ऑन की सुविधा को सक्षम बनाती है।
- एक अन्य प्रमुख विशेषता कला भुगतान समाकलित समाधान की एक विश्व स्तरीय चरण प्रदान करना है जो बैंक-विशिष्ट भुगतान पारिस्थितिक तंत्र पर निर्भरता को समाप्त करता है।

संबंधित जानकारी

- यह प्रणाली रियल टाइम संचार को सक्षम करने के द्वारा एप्लीकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस (ए.पी.आई.) आधारित वास्तुकला की परंपराओं के साथ बेहतर संचार करने में सक्षम करेगी।
- यह प्रणाली भी एक पहल है जो कागज पर निर्भरता को कम करके हरित पहलों का समर्थन करती है। इस वेब-आधारित मंच को स्वदेशी रूप से विकसित किया गया है और यह माननीय प्रधानमंत्री की पहलों 'मेक इन इंडिया' और 'डिजिटल इंडिया' का हिस्सा है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –अर्थशास्त्र

स्रोत- पी.आई.बी.

13.12.2018

1. **<u>तूतीकोरिन में पहले कंटेनर मुख्यधारा जहाज का अनावरण किया गया है।</u>**

- केंद्रीय शिपिंग मंत्री ने वी.ओ.सी. बंदरगाह (तूतीकोरिन बंदरगाह) से पहले कंटेनर मुख्यधारा जहाज का अनावरण किया है।
- तूतीकोरिन बंदरगाह ने सागरमाला के अंतर्गत एक्जिम और देशीय व्यापार के लिए रसद लागत को कम करने हेतु क्षमताओं को जोड़ने के साथ ही दक्षताओं के प्रसार पर ध्यान केंद्रित करते हुए ढांचे के विकास की ओर यह कदम उठाया है।

संबंधित जानकारी

तूतीकोरिन बंदरगाह

- ओ. चिदंबरानार बंदरगाह, जिसे पूर्व में तूतीकोरन बंदरगाह कहा जाता था, भारत के 12 प्रमुख बंदरगाहों में से एक है।
- यह बंदरबाह मन्नार की खाड़ी में स्थित है, दक्षिण पूर्व में श्रीलंका के साथ और पश्चिम में बड़े भारतीय भूभाग के साथ जुड़ता है, यह बंदरगाह तूफान और चक्रवाती हवाओं से पूर्णतय: सुरक्षित है।
- यह तमिलनाडु का दूसरा सबसे बड़ा बंदरगाह है और भारत में चौथा सबसे बड़ा कंटेनर टर्मिनल है।
- यह एक कृत्रिम बंदरगाह है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – ढांचागत

स्रोत-पी.आई.बी.

2. **<u>पार्टनर्स फोरम, 2018</u>**

- नई दिल्ली में पार्टनर्स फोरम 2018 की सह मेजबानी, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय और मातृत्व, नवजात एवं बाल स्वास्थ्य (पी.एम.एन.सी.एच.) साझेदारी कर रहा है।
- पार्टनर्स फोरम बाल और मातृ मृत्यु दर को कम करने, किशोर, बच्चे, नवजात और मातृ स्वास्थ्य में सुधार लाने के प्रयासों में तेजी लाने हेतु सिंतबर, 2005 में शुरू की गई एक वैश्विक स्वास्थ्य भागीदारी है।
- इसके पिछले संस्करण जोहान्सबर्ग, दक्षिण अफ्रीका (2014), नई दिल्ली, भारत (2010) और दारेसलाम, तंजानिया (2007) में आयोजित किए गए थे।
- भारत दूसरी बार पार्टनर्स फोरम की मेजबानी कर रहा है।

संबंधित जानकारी

स्वास्थ्य से संबंधित अन्य कार्यक्रम

- गर्भावस्था के दौरान माताओं को सर्वश्रेष्ठ संभावित देखभाल प्रदान करने हेतु प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान शुरू किया गया है।

- आयुषमान भारत योजना अथवा प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पी.एम.जे.ए.वाई.) अथवा राष्ट्रीय स्वास्थ्य संरक्षण योजना अथवा मोदीकेयर, वर्ष 2018 में शुरू की गई नई प्रायोजित योजनाएं है। ये योजनाएं नए भारत-2022 के लिए एम.ओ.एच.एफ.डब्ल्यू. के आयुषमान भारत मिशन के अंतर्गत शुरू की गई थी।
- इस योजना का उद्देश्य समग्र रूप से स्वास्थ्य देखभाल को संबोधित करने हेतु प्राथमिक, माध्यमिक और तृतीयक देखभाल प्रणालियों में हस्तक्षेप करना, निवारक और प्रोत्साहक स्वास्थ्य दोनों को कवर करना है।
- यह दो प्रमुख स्वास्थ्य पहलों का छत्र है जिनके नाम- स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्र और राष्ट्रीय स्वास्थ्य संरक्षण योजना (एन.एच.पी.एस.) हैं।
- भारत ने विभिन्न विभागों और हितधारकों के मध्य समेकित कार्यों के माध्यम से माताओं, बच्चों और किशोरों की पोषण संबंधी स्थिति में सुधार की गति को दोगुना करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय पोषण मिशन की स्थापना भी की है।
- टीकाकरण के लिए मिशन इंद्रधनुष और तीव्र मिशन इंद्रधनुष (आई.एम.आई.) शुरू किए गए हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – स्वास्थ्य मुद्दे

स्रोत-पी.आई.बी.

3. **<u>एल.सी.ए.वी.आर. और सी.वी.वी.आर.एस.</u>**

- रेल मंत्रालय ने डीजल और इलेक्ट्रिक इंजनों में लोको कैब ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग सिस्टम (एल.सी.ए.वी.आर.)/ क्रू वॉयस/ वीडियो रिकॉर्डिंग सिस्टम (सी.वी.वी.आर.एस.) स्थापित करना शुरू किया है जो ब्लैक बॉक्स के समान है।
- यह प्रणाली जांचकर्ताओं को अमूल्य डेटा प्रदान करती है जो उन्हें दुर्घटना को बढ़ावा देने वाली घटनाओं के क्रम को समझने में और कार्यान्वन संबंधी मुद्दों और मानव कारकों की पहचान करने में मदद करेगी।

संबंधित जानकारी

- भारतीय रेलवे, ट्रेन संचालन में सुधार करने और बेहतर यात्री अनुभव प्रदान करने हेतु विभिन्न आई.टी. पहल शुरू कर रहा है।

ट्रेनों पर हैंडहेल्ड (हाथ में पकड़ने योग्य) डिवाइस (एच.एच.टी.)

- आरक्षित कोच की जांच करने, खाली बर्थ को आवंटित करने और उपलब्ध बर्थों की जानकारी को अगले स्टेशनों में स्थानांतरित करने में सक्षम बनाने के लिए ट्रेन टिकट परीक्षकों (टी.टी.ई.) को हैंडहेल्ड टर्मिनल (एच.एच.टी.) प्रदान किए जा रहे हैं।
- एच.एच.टी., टिकट आवेदन को भी एक्सेस कर सकता है और नियमों के अनुसार अतिरिक्त किराया एकत्र कर सकता है।
- यह टर्मिनल, संभावित रूप से एक प्वाइंट ऑफ सेल (पी.ओ.एस.) मशीन से कनेक्ट हो सकता है और शुल्क को डिजिटल माध्यम से एकत्र किया जा सकता है।

मोबाइल फोन के माध्यम से कागजरहित अनारक्षित टिकट

- मोबाइल फोन पर कागजरहित अनारक्षित टिकट को वर्ष 2014 में मुंबई में शुरू किया गया था।
- इस सुविधा ने ट्रेनों के अनारक्षित डिब्बों में यात्रा करने के लिए टिकट प्राप्त करने हेतु कतार में खड़े होने की यात्रियों की आवश्यकता को समाप्त कर दिया है।

भारतीय रेलवे ई-खरीद प्रणाली (आई.आर.ई.पी.एस.)

- इसमें माल, सेवाओं और कार्यों की खरीद के लिए और आई.आर.ई.पी.एस. पर रद्दी बिक्री की ई-नीलामी के लिए भारतीय रेलवे की पूर्ण व्यापारिक गतिविधियां समाहित हैं।
- आई.आर.ई.पी.एस. प्रणाली भारत में G से B पोर्टल के समान सबसे बड़ी है।
- यह पारदर्शिता, दक्षता और व्यवसाय करने की सुगमता में सुधार करने के उद्देश्यों को प्राप्त करने में सहायता करती है।
- केन्द्रीय सतर्कता आयोग ने इसे मान्यता प्रदान की है और "संगठन में पारदर्शिता हेतु आई.टी. पहलों" की श्रेणी में उत्कृष्ट योगदान के लिए "सतर्कता उत्कृष्टता पुरस्कार- 2017" के अंतर्गत सम्मानित किया है।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 2 – सरकारी पहलें

स्रोत-पी.आई.बी.

4. **वैश्विक प्रवास संधि: हमें इसकी आवश्यकता क्यों है?**

- हाल ही में राज्य के प्रमुखों और 164 देशों के सरकारी मंत्रियों ने मर्राकेच में सार्वजनिक रूप से सुरक्षित, व्यवस्थित और नियमित प्रवासन विदेश संधि हेतु वैश्विक समझौते के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की है, यह एक बहुपक्षीय सहमति समझौता संधि है जिसे इस वर्ष की शुरुआत में संयुक्त राष्ट्र के अंतर्गत जारी किया गया था।

संधि के लक्ष्य

- यह समझौता सहयोग का एक गैर-बाध्यकारी बहुपक्षीय साधन है जिसका उद्देश्य व्यवस्थित प्रवासन के लिए सामान्य सिद्धांतों और दिशानिर्देशों को निर्धारित करना है, जिससे अनियमित प्रवाह में कमी आती है।
- यह वैश्विक समझौता, एक संयुक्त राष्ट्र तंत्र स्थापित करता है जो सरकारों और कंपनियों को इसे लागू करने हेतु तकनीकी, वित्तीय और मानव संसाधनों का योगदान करने की अनुमति प्रदान करता है।
- वैश्विक समझौते को सतत विकास हेतु 2030 एजेंडे के लक्ष्य 10.7 के साथ निरंतर तैयार किया गया है जिसमें सदस्य राज्य सुरक्षित, व्यवस्थित और नियमित प्रवासन की सुविधा हेतु अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सहयोग करने के प्रति वचनबद्ध हैं।

संबंधित जानकारी

- संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, आज दुनिया में लगभग 258 मिलियन विदेशी प्रवासी लिंक हैं।
- वैश्वीकरण, आसान संचार, परिवहन और व्यापार के साथ ही बढ़ती असमानता, जनसांख्यिकीय असंतुलन और जलवायु परिवर्तन के कारण इस आंकड़े के बढ़ने की उम्मीद है।
- विदेशी प्रवासन संधि प्रवासियों, मेजबान समुदायों और मूलस्थान के समुदायों के लिए अधिक अवसर और लाभ प्रदान करता है।
- वर्ष 2015 में यूरोप में प्रवासन संकट के बाद इस समझौते में तेजी आई है जिसमें द्वितीय विश्व युद्ध के बाद पहली बार शरणार्थियों और प्रवासियों का इतना बड़ा प्रवाह देखा गया था।
- यह पूर्व मानवाधिकारों और विकास संधियों और प्रवासन एवं विकास विदेशी संधियों पर वैश्विक मंच जैसी पहलों और "शरणार्थियों एवं प्रवासन विदेशी संधि हेतु न्यूयॉर्क घोषणापत्र" के नाम से प्रसिद्ध राजनीतिक समिति के उपक्रमों का फल है, इसे वर्ष 2016 में सर्वसम्मति से संयुक्त राष्ट्र महासभा के 193 सदस्यों द्वारा अपनाया गया था।

इसके समर्थन में कौन हैं और किसके खिलाफ कौन हैं?

- संयुक्त राज्य अमेरिका ने पिछले वर्ष यह कहते हुए समर्थन वापस लिया था कि यह मुद्दा "अमेरिकी संप्रभुता के साथ संगत नहीं है"।
- उदाहरण के लिए ऑस्ट्रिया सरकार चिंतित है कि समझौता करना अंततः "प्रवासन के मानवाधिकार" की मान्यता को बढ़ाने में मदद कर सकता है।
- डोमिनिकन गणराज्य, ऑस्ट्रेलिया, ऑस्ट्रिया, बुल्गारिया, इज़राइल, पोलैंड, चेक गणराज्य और स्लोवाकिया ने भी समझौता करने से इंकार कर दिया है।
- कुछ राज्य जिन्होंने जी.सी.एम. को खारिज कर दिया था वे विशेष रूप से दस्तावेज़ में मानवाधिकार संदर्भों के प्रति चिंतित हैं। उनके विचार में मानवाधिकारों पर जोर देना इसका विरोध करता है कि उनके लिए इसका सीमाओं को सुरक्षित करने का क्या महत्व है।

एक वैश्विक समझौते की आवश्यकता

- दुनिया भर में 250 मिलियन से अधिक प्रवासी, विश्व की पूरी आबादी का 3% हिस्सा हैं लेकिन वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में 10% का योगदान देते हैं।
- प्रवासियों की प्रेषित धनराशि उनके घरेलू देशों के विकास में एक बड़ी योगदानकर्ता है।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 3 – अंतर्राष्ट्रीय

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

5. **इसरो और रॉसकॉसमॉस ने मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम के क्षेत्र में संयुक्त गतिविधियों पर एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।**

संबंधित जानकारी

रॉसकॉसमॉस

- रॉसकॉसमॉस अंतरिक्ष गतिविधि राज्य निगम को सामान्यत: रॉसकॉसमॉस के रूप में जाना जाता है, यह एक राज्य निगम है जो रूसी संघ के लिए अंतरिक्ष उड़ानों और अंतरिक्ष विज्ञान कार्यक्रमों के लिए जिम्मेदार है।
- रॉसकॉसमॉस का मुख्यालय रूस की राजधानी, मॉस्को में स्थित है।

भारतीय मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम

- भारतीय मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा विकसित किया गया है, इसे निम्न पृथ्वी कक्षा में चालक कक्षीय अंतरिक्ष यान लॉन्च करने के लिए विकसित किया गया है।
- पहली चालक उड़ान की योजना दिसंबर, 2021 को गगनयान नामक अंतरिक्ष यान के साथ स्वदेशी रूप से विकसित जी.एस.एल.वी.-3 रॉकेट पर योजनाबद्ध की गई है।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 3 – विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- द हिंदू

6. **वोयागर 2 मिशन**

- नासा का वोयागर 2 अंतरिक्ष यान, हेलीओस्फीयर से बाहर निकल आया है जो सूर्य द्वारा बनाए गए कणों और चुंबकीय क्षेत्रों का सुरक्षात्मक बुलबुला है।
- यह हमारे सौर मंडल के किनारे तक पहुंचने हेतु इतिहास में वोयागर श्रृंखला में दूसरी मानव निर्मित वस्तु बन गई है।
- इससे पहले वोयागर 1, वर्ष 2012 में अंतरिक्ष की सीमा से बाहर निकला था।

संबंधित जानकारी

हेलिओस्फियर

- यह सूर्य के चारो ओर सूर्य से चलने वाली सौर पवनों के बाहरी प्रवाह और तारों के मध्य हवा के आंतरिक प्रवाह के विरोध द्वारा बनाया गया एक बुलबुला है।
- यह सूर्य के गतिशील गुणों से प्रभावित एक क्षेत्र है जो चुंबकीय क्षेत्रों, ऊर्जावान कणों और सौर पवन प्लाज्मा के रूप में सौर पवनों में ले जाए जाते हैं।
- सौर मंडल सीमा को 'हेलीओपॉस' कहा जाता है।
- यह वह स्थान है जहां विरल, गर्म सौर पवनें तारों के मध्य ठंडे, सघन माध्यम से मिलती हैं।
- हेलीओपॉस, हेलीओस्फेयर के अंत और तारो के मध्य अंतरिक्ष की शुरुआत को चिह्नित करता है।

हेलीओफिजिक्स क्या है?

- सूर्य और इसके पृथ्वी एवं सौर मंडल के साथ पारस्परिक प्रभाव के अध्ययन को हेलीओफिजिक्स कहते हैं।
- इसे एकल पारस्परिक प्रणाली के तत्वों के रूप में दृश्य सूर्य, हेलीओस्फेयर और ग्रहों के वातावरण की आवश्यकता होती है, इस प्रणाली में गतिशील अंतरिक्ष मौसम होता है और जो सौर, ग्रह और तारों के मध्य की स्थितियों के प्रति प्रतिक्रिया में विकसित होता है।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 3 – विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

7. **जापान ने 2018 को परिभाषित करने हेतु प्रतीक के रूप में 'आपदा' शब्द को चुना है।**

- जापान ने 2018 के लिए अपने 'परिभाषित प्रतीक' के रूप में चीनी शब्द 'आपदा' को चुना है, इस वर्ष इस देश में घातक बाढ़, भूकंप और तूफान आए हैं।
- यह प्रतीक क्योटो में प्राचीन कियोमिज़ू मंदिर के मास्टर, सीहान मोरी में प्रदर्शित होता है यह शब्द एक विशालकाय सफेद पैनल पर स्याही से भीगे हुए सुलेख ब्रुश से लिखा जाएगा।

संबंधित जानकारी

- इस देश में वर्ष 2018 में प्राकृतिक आपदाओं की एक श्रृंखला हावी रही है जिसकी शुरूआत पश्चिमी क्षेत्रों में घातक बाढ़ से हुई थी, जिसमें 200 से ज्यादा लोग मारे गए थे।

- यह देश एक तूफान से भी पीड़ित था जिसने एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को नष्ट कर दिया और उत्तर में एक भूकंप भी आया जिससे भूस्खलन हुआ और आपूर्ति लाइनें बाधित हो गई थी।
- पिछले वर्ष, जापान ने उत्तरी कोरियाई मिसाइल लॉन्च की एक श्रृंखला का अनुसरण करते हुए 'उत्तर' को चुना था और इसके पिछले वर्ष में रियो ओलंपिक में जापानी एथलीटों की सफलता के जश्न में 'स्वर्ण' शब्द चुना था।
- चीनी शब्द अथवा कांजी, अन्य प्रकार के वर्णमाला के साथ जापानी में व्यापक रूप से उपयोग किए जाते हैं।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 3 – पर्यावरण

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

8. **<u>पहला एडवेंचर नेक्सट इंडिया 2018</u>**

- भारत के हृदय- मध्य प्रदेश ने पहले एडवेंचर नेक्सट इंडिया 2018 की मेजबानी की है।
- इसे साहसिक यात्रा व्यापार संघ और मध्य प्रदेश पर्यटन द्वारा आयोजित किया गया था।
- इस कार्यक्रम की थीम "कल का मिजाज (पल्स ऑफ टूमारो)" थी।
- यह भारत और एशिया में इस प्रकार का पहला कार्यक्रम था।
- इस कार्यक्रम का प्रमुख भागीदार झारखंड पर्यटन था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर - पर्यावरण

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

9. **<u>सी.ए.जी. राजीव महर्षि को संयुक्त राष्ट्र लेखा परीक्षक पैनल के उपाध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया है।</u>**

- नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक राजीव महर्षि, संयुक्त राष्ट्र लेखा परीक्षक पैनल के उपाध्यक्ष बन गए हैं।

संबंधित जानकारी

संयुक्त राष्ट्र लेखा परीक्षक पैनल

- संयुक्त राष्ट्र लेखा परीक्षक पैनल में संयुक्त राष्ट्र और उसकी संस्थाओं के बाहरी लेखा परीक्षक शामिल होते हैं।
- वर्तमान में पैनल में 11 देश- भारत, जर्मनी, चिली, कनाडा, फ्रांस, इटली, फिलीपींस, घाना, इंडोनेशिया, स्विट्जरलैंड और यूनाइटेड किंगडम शामिल हैं।
- वर्तमान में पैनल के अध्यक्ष यू.के. के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक हैं।
- पैनल ने 3 से 4 दिसंबर, 2018 तक न्यूयॉर्क में अपनी वार्षिक बैठक आयोजित की थी और संयुक्त राष्ट्र के लेखा परीक्षा और संयुक्त राष्ट्र प्रणाली के अंतर्गत संस्थाओं से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की थी।
- पैनल ने अगले कार्यकाल (2019) के लिए भी यू.के. के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक को पैनल के अध्यक्ष के रूप में चुना है।

टॉपिक- जी. एस.-2- अंतर्राष्ट्रीय

स्रोत- हिंदू बिजनेस लाइन

14.12.2018

1. **<u>भारत के 'हेल्प अस ग्रीन' ने शीर्ष संयुक्त राष्ट्र पुरस्कार प्राप्त किया है।</u>**

- भारत के 'हेल्प अस ग्रीन', संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन द्वारा मोमेंटम ऑफ चेंज अवॉर्ड के प्राप्तकर्ताओं में से एक था।
- "हेल्प अस ग्रीन" एक निजी समूह है जो उत्तर प्रदेश के मंदिरों से पुष्प कचरे को इकट्ठा करता है और इसके साथ ही पवित्र नदी गंगा के किनारे इन फूलों को धोता है।
- धूप, जैविक उर्वरक और बायोडिग्रेडेबल पैकेजिंग सामग्री का उत्पादन करने हेतु फूलों के कचरे का पुनर्नवीनीकरण किया जाता है।
- भारतीय फर्म को इस संयुक्त राष्ट्र पुरस्कार से न केवल पुष्प अपशिष्ट का पुनर्नवीनीकरण करने हेतु बल्कि शारीरिक मेहतर के रूप में रहने वाली महिलाओं को रोजगार प्रदान करने के लिए सम्मानित किया गया था।

संबंधित जानकारी

मोमेंटम फॉर चेंज संयुक्त राष्ट्र पहल

- मोमेंटम फॉर चेंज पहल संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सचिवालय द्वारा शुरू की गई है, यह दुनिया भर में चल रही उन गतिविधियों के विशाल आधार पर प्रकाश डालने के लिए एक पहल है जो दुनिया को अत्यधिक लचीले, निम्न कार्बन भविष्य की ओर ले जा रही हैं।
- मोमेंटम फॉर चेंज जलवायु परिवर्तन और व्यापक अर्थवयवस्था, सामाजिक और पर्यावरणीय चुनौतियों दोनों को संबोधित करने हेतु अभिनव और परिवर्तनीय समाधानों को मान्यता प्रदान करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – पर्यावरण

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

2. **<u>मिस्र के उपजाऊ नील डेल्टा को जलवायु परिवर्तन से खतरा है।</u>**

- उत्तरी मिस्र के नील डेल्टा में प्रचुर मात्रा में हरे रंग के खेत हैं लेकिन देश का कृषि हार्टलैंड और इसके महत्वपूर्ण ताजे पानी के संसाधनों को गर्म हो रही जलवायु से खतरा है।
- उपजाऊ चाप के आकार की घाटी देश की लगभग आधी जनसंख्या का निवास स्थान है और यह नदी मिस्र की 90 प्रतिशत जल आवश्यक्ताओं को पूराकर उसका पोषण करती है।
- मिस्र के अर्थशास्त्री द्वारा प्रकाशित वर्ष 2016 के एक अध्ययन के अनुसार, वर्ष 2050 तक यह क्षेत्र खारेपन के कारण अपनी प्रमुख कृषि भूमि का 15% तक का भाग खो सकता है।

कारण

- बढ़ता तापमान और सूखा, शक्तिशाली नील नदी को सुखा रहे हैं- यह समस्या बढ़ते हुए समुद्र स्तर और मिट्टी के खारेपन के कारण अधिक जटिल है।

नील नदी

- यह पूर्वोत्तर अफ्रीका के उत्तर में बहने वाली प्रमुख नदी है और यह दुनिया की सबसे लंबी नदी है।
- यह एक "अंतरराष्ट्रीय" नदी है क्यों कि इसकी जलनिकासी घाटी ग्यारह देशों अर्थात् तंजानिया, युगांडा, रवांडा, बुरुंडी, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य, केन्या, इथिओपिया, एरिट्रिया, दक्षिण सूडान, सूडान गणराज्य और मिस्र से होकर बहती है।
- नील नदी की दो प्रमुख सहायक नदियां व्हाइट नील और ब्लू नील हैं।
- व्हाइट नील को स्वयं नील नदी का उद्गम और प्राथमिक धारा माना जाता है।
- विशेष रूप से नील, मिस्र और सूडान का प्राथमिक जल स्रोत है।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 3 – पर्यावरण

स्रोत- टी.ओ.आई.

3. **<u>यू.एच.सी. 2030: अंतर्राष्ट्रीय सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज</u>**

- यू.एच.सी. 2030 द्वारा अंतर्राष्ट्रीय दिवस का समर्थन किया जा रहा है, यह एक वैश्विक भागीदारी है जिसमें सदस्य राज्य, कई संयुक्त राज्य संस्थाएं और नागरिक समाज संगठन शामिल हैं, इन संस्थाओं में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ.), संयुक्त राष्ट्र बाल निधि (यूनिसेफ) और संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यू.एन.डी.पी.) शामिल हैं।
- इसका उद्देश्य बिना किसी व्यक्ति को छोड़े हुए सभी के लिए सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज प्राप्त करने के लिए मजबूत, अधिक न्यायसंगत स्वास्थ्य प्रणालियों को स्थापित करने हेतु मजबूत और लचीली स्वास्थ्य प्रणालियों और सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज की आवश्यकता के बारे में जागरूकता बढ़ाना है।
- 2018 यू.एच.सी. दिवस की थीम: "सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज हेतु एकजुट: अब सामूहिक कार्रवाई का समय है।" थी।
- सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (यू.एच.सी.), प्रत्येक स्थान पर सभी लोगों को वित्तीय कठिनाई के बिना गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच प्रदान करना सुनिश्चित करता है।
- वर्ष 2030 तक सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (यू.एच.सी.) प्राप्त करने के लिए इस वर्ष 5 स्तंभ जारी किए गए थे और उनमें शामिल हैं-

1. राजनीतिक वचनबद्धता और बहु-हितधारक कार्रवाई को सुनिश्चित करना,
2. कोई बचने न पाए,
3. सामुदायिक आवाज़ों को संलग्न करना,
4. अधिक निवेश करना &
5. स्मार्टर और प्रमुखों की जवाबदेही को बनाए रखना

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – स्वास्थ्य मुद्दे

स्रोत- इकोनॉमिक टाइम्स

4. **<u>पृथ्वी की सतह पर भूमि उपयोग का पता लगाने हेतु नया ऑनलाइन पोर्टल "कलेक्ट अर्थ" विकसित किया गया है।</u>**

- संयुक्त राष्ट्र खाद्य संस्था ने संयुक्त राज्य अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी, नासा के सहयोग से विकसित किए गए एक नए ऑनलाइन पोर्टल को लॉन्च करने की घोषणा की है।
- इस प्रणाली को कलेक्ट अर्थ ऑनलाइन के रूप में जाना जाता है यह एक वेब आधारित, निशुल्क और सभी के लिए खुला हुआ पोर्टल है, जो उपयोगकर्ताओं को ग्रह पर हिमनद से वर्षावन तक किसी भी स्थान पर उपग्रह डेटा के साथ "व्यवस्थित रूप से निरीक्षण" करने की अनुमति प्रदान करेगा।
- यह नवाचार परिदृश्य और अंतर्निहित पारिस्थितिकी के जानकार स्थानीय पर्यावरण विशेषज्ञों का उपयोग करके हमारे पर्यावरण और इसके परिवर्तनों के बारे में अद्दतन डेटा के संग्रह को और अधिक कुशल एवं सहभागी तरीके से संग्रहित करने की अनुमति प्रदान करता है।
- यह उस समय व्यावहारिक इनपुट प्राप्त करने और उन्हें बढ़ाने में मदद करता है जब पर्यावरणीय चुनौतियां तत्काल और अभूतपूर्व महत्व पर होती हैं।
- अगली पीढ़ी के भू-स्थानिक उपकरण कई स्रोतों के साथ-साथ ऐतिहासिक काल्पनिक और नासा के फोटों मोजेंक एवं यूरोपीय संघ उपग्रह नेटवर्क से उच्च-रिज़ॉल्यूशन उपग्रह काल्पनिक तक पहुंच प्रदान करता है, यह सर्वेक्षण करने, नमूने एकत्र करने और क्राउड सोर्सिंग तकनीक का उपयोग करना आसान बनाता है।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 3 – विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

5. **<u>समुद्री अम्लीकरण समुद्री जैवविविधता को 'बदल रहा' है।</u>**

- स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के नेतृत्व में किया गया एक अध्ययन पारिस्थितिक तंत्र के कार्यान्वन पर विशेष रूप से समुद्री जीवन पर मानव प्रेरित पर्यावरणीय परिवर्तन के प्रभावों पर प्रकाश डालता है।
- शोधकर्ताओं ने समुद्री प्रजातियों और उनकी जनसंख्या पर समुद्री अम्लीकरण अथवा समुद्र द्वारा ग्रहण की जाने वाली अतिरिक्त मानवजनित कार्बन डाई आक्साइड के ग्रहण करने के प्रभावों का अध्ययन किया है।
- इसके अतिरिक्त यह भी अध्ययन किया गया है कि प्रजातियों की विविधता किस प्रकार से अम्लीकरण के साथ परिवर्तित हो रही है, वे आहार और विकास जैसे गुणों का विश्लेषण करते हैं जो पारिस्थितिक तंत्र के प्रदर्शन को प्रभावित करते हैं।
- यह समझने के लिए कि किस प्रकार से समुद्री अम्लीकरण में वृद्धि होने से सह-विद्यमान प्रजातियां प्रभावित हो रहीं हैं, शोधकर्ताओं ने इशिया, इटली में बाहर निकलने वाली ज्वालामुखीय कार्बन डाइऑक्साइड में, इस क्षेत्र में दर्जनों प्रजातियों की विभिन्न अम्लता स्तर पर जांच की है।
- नेचर कम्युनिकेशंस में प्रकाशित पेपर में पाया गया है कि अन्य प्रजातियों की अपेक्षा समुद्री घोंघे अधिक अम्लीय पानी में छोटे हो गए थे क्यों कि उनके सीपों को वृद्धि करने में समय लगता है और वे पतले और अधिक भंगुर होते हैं।
- इसके परिणामस्वरूप यह खाद्य श्रृंखला को और उस मछली को प्रभावित करता है जो इन्हें खाती हैं।

अम्लीय वातावरण के प्रभाव

- जब एक जीव के आस-पास का वातावरण अधिक अम्लीय हो जाता है तो यह न केवल उन प्रजातियों पर प्रभाव डाल सकता है बल्कि समग्र पारिस्थितिकी तंत्र के लचीलापन, कार्य और स्थिरता पर भी प्रभाव डाल सकता है।

- ये परिवर्तन अंततः लोगों को प्रभावित करते हैं, विशेषत: हमारी खाद्य श्रृंखला को प्रभावित करते हैं।
- अम्लीकरण लंबे समय तक रहने वाली प्रजातियों को विस्थापित करता है, जैसे: प्रवाल भित्ती ये अन्य प्रजातियों का निवास होती है।
- उच्च कार्बन डाई स्तर वाले क्षेत्रों में कम जीवन काल और तेजी से काम करने वाली प्रजातियां बेहतर बनी रहती हैं क्यों कि वे एकमात्र प्रजातियां होती हैं जो इन पर्यावरणीय परिस्थितियों का विरोध कर सकती हैं।
- अध्ययन से पता चलता है कि समुद्री अम्लीकरण में वृद्धि अंततः लाखों लोगों के लिए खाद्य सुरक्षा के प्रति खतरा पैदा कर देगी और भारी आर्थिक नुकसान का कारण बनेगी।
- इससे पहले की रिपोर्टों ने दर्शाया गया है कि वर्ष 1955 से ग्रीनहाउस गैसों द्वारा संग्रहित की गई अतिरिक्त ऊष्मा का 90 प्रतिशत से अधिक महासागरों में संग्रहित हुआ है।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 3 – पर्यावरण

स्रोत- डाउन टू अर्थ

6. **<u>जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन सूचकांक 2019</u>**

- अक्षय ऊर्जा में बेहतर प्रदर्शन, प्रति व्यक्ति उत्सर्जन के अपेक्षाकृत कम स्तर और वर्ष 2030 हेतु अपेक्षाकृत महत्वाकांक्षी शमन लक्ष्य के परिणामस्वरूप भारत ने सी.सी.पी.आई. 2019 में पिछले वर्ष के 14वें स्थान की तुलना में इस वर्ष 11वां स्थान प्राप्त किया है।
- विशेषत: भारत ने मध्यम प्रदर्शकों के समूह को शामिल करते हुए अक्षय ऊर्जा श्रेणी में अपने प्रदर्शन में सुधार किया है।
- तुलनात्मक रूप से प्रति व्यक्ति जी.एच.जी. उत्सर्जन के निम्न स्तर और वर्ष 2030 हेतु अपेक्षाकृत महत्वाकांक्षी शमन लक्ष्य ने भारत को उत्सर्जन श्रेणी में समग्र उच्च रेटिंग प्रदान की है।
- जर्मनवॉच की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन फिर से बढ़ रहा है लेकिन भारत की रैंकिंग में तीन स्थानों का सुधार हुआ है।
- स्वीडन और मोरक्को अग्रणी देश थे इसके बाद में इन्होंने अक्षय ऊर्जा का महत्वपूर्ण विस्तार किया है।
- अमेरिका और सऊदी अरब, जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन सूचकांक 2019 में सबसे निचले स्थान पर हैं।

संबंधित जानकारी

जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन सूचकांक (सी.सी.पी.आई.) 2019

- जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन सूचकांक, जर्मनवॉच और न्यू जलवायु संस्थान, जलवायु कार्रवाई नेटवर्क (सी.ए.एन.) के साथ एकसाथ प्रकाशित करते हैं। यह 56 देशों और यूरोपीय संघ की रैंकिंग है जो वैश्विक स्तर पर जी.एच.जी. उत्सर्जन के 90 प्रतिशत हेतु जिम्मेदार हैं।
- इसका उद्देश्य उन देशों पर राजनीतिक और सामाजिक दबाव डालना है जिन्होंने अब तक जलवायु संरक्षण पर किसी प्रकार की महत्वाकांक्षी कार्रवाई नहीं की है और उन देशों को सर्वोत्तम अभ्यास जलवायु नीतियों के साथ उजागर करना हैं।
- चार श्रेणियों की जांच जी.एच.जी. उत्सर्जन (40%), अक्षय ऊर्जा (20%), ऊर्जा उपयोग (20%) और जलवायु नीति (20%) है।
- सी.सी.पी.आई. भी यह मूल्यांकन करता है कि संबंधित देश 2 डिग्री से कम की वैश्विक तापमान वृद्धि करने और ग्लोबल वार्मिंग को सीमित करने के वैश्विक पेरिस लक्ष्य की ओर किए गए प्रयासों का पता लगाने हेतु उत्सर्जन, नवीनीकरण और ऊर्जा उपयोग श्रेणियों के अंतर्गत कितनी सीमा तक पर्याप्त कार्रवाई कर रहे हैं।
- अत: राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय जलवायु नीति की स्पष्ट समझ में योगदान देने में सी.सी.पी.आई. एक महत्वपूर्ण साधन है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – पर्यावरण

स्रोत- इकोनॉमिक टाइम्स

7. **अकादमिक लोमोनोसोव: विश्व का पहला फ़्लोटिंग परमाणु संयंत्र**

- रूसी राज्य संचालित परमाणु ऊर्जा निगम 'रोसाटॉम' ने विश्व के पहले "फ़्लोटिंग" परमाणु ऊर्जा संयत्र (एफ.एन.पी.पी.), अकादमिक लोमोनोसोव की स्थापना की शुरुआत की घोषणा की है।
- एफ.एन.पी.पी., चुकोटका के रूस के चरम उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में पेवेक के बंदरगाह पर स्थित है।
- इसमें 70 मेगावाट की क्षमता है और 35 मेगावॉट क्षमता के दो रिएक्टर लगे हुए हैं।
- यह मौजूदा बिलिबिनो परमाणु ऊर्जा संयंत्र और चौंस्काया कोयला-जलित ऊर्जा संयंत्र को प्रतिस्थापित करेगा।

संबंधित जानकारी

- रोसाटॉम, तमिलनाडु में स्थित कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा परियोजना के लिए उपकरण आपूर्तिकर्ता और सलाहकार भी है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – ऊर्जा क्षेत्र

स्रोत- द हिंदू

8. **पुंगानुर गाय**

- हाल ही में, वैज्ञानिकों ने पुंगानुर गाय की मदद करने हेतु एक अध्ययन शुरू किया है, इसे मवेशियों की विश्व की सबसे छोटी नस्लों में से एक माना जाता है, जो विलुप्त होने की कगार पर है।
- पशुधन अनुसंधान केंद्र (एल.आर.एस.) ने इस नस्ल का संरक्षण करने हेतु एक कार्यक्रम शुरू किया है।
- ये गायें मुख्य रूप से आंध्र प्रदेश में पाईं जाती हैं।

संबंधित जानकारी

- पुंगानुर गाय के दूध का प्रयोग घी तैयार करने में किया जाता है जिसे भगवान वेंकटेश्वर को 'अर्चना' के रूप में अर्पित किया जाता है।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 3 – जैवविविधता

स्रोत- द हिंदू

9. **सरकार ने तनावपूर्ण ऊर्जा संपत्तियों पर जी.ओ.एम. स्थापित किया है।**

- सरकार ने तनावपूर्ण ऊर्जा परियोजनाओं पर उच्चस्तरीय पैनल की सिफारिशों का आकलन करने हेतु वित्त मंत्री अरुण जेटली की अध्यक्षता में मंत्रियों के एक समूह गठन किया है।
- कैबिनेट सचिव पी. के. सिन्हा की अध्यक्षता में पैनल ने नवंबर, 2018 में अपनी रिपोर्ट सौंपी थी।
- उच्चस्तरीय समिति ने वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) से प्राप्तियां को छोड़ने और कंपनियों को उत्पन्न करने के लिए अग्रिम भुगतान का निर्माण करने हेतु आर.ई.सी. और पी.एफ.सी. जैसे सार्वजनिक वित्तीय संस्थानों (पी.एफ.आई.) को अनुमति प्रदान करने हेतु एक तंत्र स्थापित करने का सुझाव दिया था।
- पैनल ने यह भी सिफारिश की थी कि विद्युत मंत्रालय को बिजली नियामकों के साथ संलग्न रहना चाहिए जिससे कि यह सुनिश्चित किया जा सके कि डिस्कॉम द्वारा भुगतान में की गई देरी की स्थिति में देरी भुगतान अधिभार (एल.पी.एस.) अनिवार्य रूप से भुगतान किया जा रहा है।
- वित्तीय सेवा विभाग की एक रिपोर्ट के अनुसार, 34 से अधिक कोयला आधारित ऊष्मा ऊर्जा परियोजनाओं में से अधिकतर 40,130 मेगावॉट की कुल क्षमता के साथ कार्यान्वित हैं, जिन्हें 22 मार्च, 2017 से ऊर्जा मंत्रालय द्वारा 'तनावपूर्ण' माना जाता है।

टॉपिक-जी.एस.-3- भारतीय अर्थव्यवस्था

स्रोत- टी.ओ.आई.

10. **9 राज्यों ने सौभाग्य योजना के अंतर्गत 100% घरेलू विद्युतीकरण प्राप्त कर लिया है।**

- ऊर्जा मंत्रालय के अनुसार, नौ राज्यों ने सौभाग्य योजना के अंतर्गत पूर्ण घरेलू विद्युतीकरण प्राप्त कर लिया है।
- ये राज्य मध्य प्रदेश, त्रिपुरा, बिहार, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड, मिजोरम, सिक्किम, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल हैं।

संबंधित जानकारी

- हाल ही में, मंत्रालय ने लगभग 10 मिलियन घरों अथवा पहले के निर्धारित लक्ष्य के लगभग एक-चौथाई तक के घरेलू विद्युतीकरण लक्ष्य को कम कर दिया है।
- ऐसा इसलिए है क्यों कि कुछ उपयोगकर्ताओं ने विद्युतीकरण कार्यक्रम का चयन किया है जब कि कुछ घरों पर नियमित रूप से इसे प्राप्त नहीं किया जा सका है।
- इसके साथ ही अब देश के 16 राज्यों ने 100 प्रतिशत घरेलू विद्युतीकरण प्राप्त कर लिया है।
- 31 दिसंबर, 2018 तक देश के 100 प्रतिशत घरेलू विद्युतीकरण प्राप्त कर लेने की उम्मीद है।

सौभाग्य- 'सभी के लिए ऊर्जा' योजना

- प्रधानमंत्री ने 25 सितंबर, 2017 को पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती को चिह्नित करने हेतु 'सभी के लिए ऊर्जा' योजना की शुरूआत की थी।
- इस योजना को 'सौभाग्य' के रूप में नामित किया गया था और इसके अंतर्गत ट्रांसफार्मर, मीटर और तारों जैसे उपकरणों पर सब्सिडी प्रदान की जाएगी।
- योजना के कार्यान्वयन के समन्वय हेतु ग्रामीण विद्युतीकरण निगम लिमिटेड (आर.ई.सी.) को नोडल संस्था के रूप में नियुक्त किया गया है।
- इस योजना के अंतर्गत मुफ्त बिजली कनेक्शन के लिए संभावित लाभार्थी परिवारों को सामाजिक-आर्थिक और जाति जनगणना (एस.ई.सी.सी.), 2011 डेटा का उपयोग करके पहचाना जाएगा।

Note:

From onward we will provide Daily UPSC Current Affairs from Monday to Friday. We will cover all news of Friday-Sunday in Monday's current Affairs. We have started some new initiatives for Saturday and Sundays which includes **GS Writing Challenge**, **Weekly Article**, and **Weekly Hindu Analysis Editorial PDF**. So, stay connected with us.

17.12.2018

1. **<u>ऑपरेशन ऑलिवा: तटरक्षक बल ने कछुए के संरक्षण हेतु ऑपरेशन शुरू किया है।</u>**

- तटरक्षक बल ने ऑलिव रिडले समुद्री कछुए की प्रजाति के समुद्र के मध्य में सुरक्षित प्रवासन को सुनिश्चित करने हेतु अपने वार्षिक मिशन के भाग के रूप में 'ऑपरेशन ऑलिवा' अभ्यास शुरू किया है।
- यह अभ्यास उड़ीसा में गहिरमाथा समुद्री अभयारण्य के निर्मल समुद्री जल के किनारे शुरू किया गया है।
- तटरक्षक बल ने इन समुद्री जानवरों के संरक्षण हेतु एक सक्रिय योजना तैयार की है।

संबंधित जानकारी

ऑलिव रिडले कछुए

- ऑलिव रिडले समुद्री कछुए को प्रशांत रिडले समुद्री कछुआ भी कहा जाता है, यह पूरे विश्व में पाए जाने वाले सभी समुद्री कछुओं में सबसे छोटा है और सबसे अधिक प्रचुर मात्रा में पाया जाता है।
- ये समुद्री कछुए प्रमुख रूप से प्रशांत और हिंद महासागर में गर्म और उष्णकटिबंधीय पानी में पाए जाते हैं।
- ये अटलांटिक महासागर के गर्म पानी में भी पाए जाते हैं।
- संबंधित केंप रिडले कछुओं के साथ इन कछुओं को एक साथ समूह में घोंसला बनाने के अद्भुत गुण के लिए जाना जाता है जिसे अरिबदा कहते हैं, जहां हजारों मादाएं समान तट पर अंडे देने हेतु एक साथ आती हैं।
- ऑलिव रिडले समुद्री कछुए को भारतीय वन्यजीवन (संरक्षण) अधिनियम, 1972 (1991 में संशोधित) की अनुसूची-1 के अंतर्गत सूचीबद्ध किया गया है।
- इन प्रजातियों को आई.यू.सी.एन. के अंतर्गत लुप्तप्राय के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – जैवविविधता

स्रोत- द हिंदू बिजनेस

2. **<u>झारखंड को चावल श्रेणी में "कृषि कर्मण" पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।</u>**

- कृषि मंत्रालय द्वारा चावल श्रेणी में "कृषि कर्मण" पुरस्कार प्रदान करने हेतु झारखंड का चयन किया गया है।

संबंधित जानकारी

कृषि कर्मण पुरस्कार

- कृषि कर्मण पुरस्कार, सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन राज्यों को देश के खाद्य अनाज उत्पादन को बढ़ाने के लिए प्रदान किया जाता है।
- इन पुरस्कारों को वर्ष 2010-11 में खाद्य अनाज उत्पादन में राज्यों के मेधावी प्रयासों को पहचानने हेतु स्थापित किया गया था।
- इसमें कुल खाद्य अनाज उत्पादन के लिए तीन पुरस्कार और खाद्य अनाजों जैसे: चावल, गेहूं, मोटे आनाज और दालों का निर्माण करने वाली फसलों के उत्पादन के लिए चार पुरस्कार शामिल हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू बिजनेस

3. **<u>नेपाल ने 100 रुपये से अधिक मूल्यवर्ग के भारतीय मुद्रा के नोटों को प्रतिबंधित कर दिया है।</u>**

- नेपाल सरकार ने अपने इस कदम में 100 रुपये से अधिक मूल्यवर्ग के सभी भारतीय नोटों को प्रतिबंधित कर दिया है जो हिमालयी राष्ट्र की यात्रा करने वाले पर्यटकों को प्रभावित करेगा जहां भारतीय मुद्रा व्यापक रूप से प्रयोग की जाती है।
- 2,000 रुपये, 500 रुपये और 200 रुपये के नए भारतीय नोटों पर प्रतिबंध लगा दिया गया है क्यों कि नेपाल सरकार ने इन्हें अभी तक बाजार में वैध नहीं घोषित किया है।
- यह कदम भारतीय पर्यटकों और भारत में काम कर रहे नेपाली लोगों को प्रभावित कर सकता है, जो नेपाल में हस्तांतरण हेतु इस मुद्रा को ले जाते हैं।
- हालां कि नेपाल में भारतीय मुद्रा को स्वीकार किया जाता है, फिर भी लोगों को 500 रुपये और 1,000 रुपये के उच्च मूल्यवर्ग के नोटों का उपयोग करते समय प्राय: कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था क्यों कि उन्हें आसानी से स्वीकार नहीं किया जाता था।
- यह समस्या नवंबर, 2016 के विमुद्रीकरण अभ्यास के पहले से है।

इन नोटों को स्वीकार नहीं करने के कारण:

- वहां पर इस मूल्यवर्ग के अधिक संख्या में नकली नोटों का पाया जाना।
- यह उन स्थनों में से एक था जहां से शरारती तत्व 500 रुपये और 1,000 रुपये के नकली नोटों को भारत में लाने की कोशिश करते थे।
- वर्ष 2016 में 500 रू और 1,000 रु के पुराने नोटों के विमुद्रीकरण के बाद भारत सरकार ने 2,000 रुपये, 500 रुपये और 200 रुपये के नए बैंक नोट पेश किए थे।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 2– अंतर्राष्ट्रीय संबंध

स्रोत- इकोनॉमिक टाइम्स

4. **<u>चिकित्सा उपकरणों पर चौथे डब्ल्यू.एच.ओ. वैश्विक मंच का आंध्र प्रदेश में आयोजन किया गया था।</u>**

- चिकित्सा उपकरणों पर चौथे डब्ल्यू.एच.ओ. वैश्विक मंच "चिकित्सा उपकरणों तक बढ़ती पहुंच" को आंध्र प्रदेश मेडटेक जोन द्वारा आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में आयोजित किया गया था।
- ऐसा पहली बार हुआ है कि चिकित्सा उपकरणों पर डब्ल्यू.एच.ओ. वैश्विक मंच का भारत में आयोजन किया गया है।
- इस मंच का उद्देश्य चिकित्सा उपकरणों के चयन, विनियमन और उपयोग में आने वाली चुनौतियों का सामना करना है।

मंच के उद्देश्य

- सतत विकास लक्ष्यों के अनुपालन में सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज के अंतर्गत अनिवार्य और प्राथमिक चिकित्सा उपकरणों तक पहुंच को बढ़ाने और मापने के तरीकों को परिभाषित करना।
- चिकित्सा उपकरणों के विनियमन, मूल्यांकन और प्रबंधन में देश के सर्वश्रेष्ठ अभ्यासों के साक्ष्यों को साझा करना।

- वैश्विक स्वास्थ्य प्राथमिकताओं के प्रति प्रतिक्रिया देने हेतु अभिनव उपयुक्त किफायती प्रौद्योगिकियों के विकास और उपयोग की व्याख्या करना।
- मंच ने बेहतर कार्यान्वयन हेतु चिकित्सा उपकरणों पर डब्ल्यू.एच.ओ. उपकरणों और दिशानिर्देशों को भी साझा किया है।

संबंधित जानकारी

- पहला वैश्विक मंच वर्ष 2010 में बैंकाक में, दूसरा वैश्विक मंच वर्ष 2013 में जिनेवा में और तीसरा वैश्विक मंच वर्ष 2017 में भी जिनेवा में आयोजित किया गया था।

विश्व स्वास्थ्य संगठन

- विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ.), संयुक्त राष्ट्र की एक विशेष संस्था है जो अंतर्राष्ट्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य से संबंधित है।
- इसका मुख्यालय जिनेवा, स्विट्जरलैंड में स्थित है।
- डब्ल्यू.एच.ओ., संयुक्त राष्ट्र विकास समूह का सदस्य है।

टॉपिक-जी.एस. पेपर 3 – स्वास्थ्य एवं मुद्दे

स्रोत-पी.आई.बी.

5. **<u>ई.सी.ओ. निवास संहिता 2018</u>**

- ऊर्जा मंत्रालय ने नई दिल्ली में राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस 2018 के अवसर पर आवासीय भवनों (ई.सी.बी.सी.-आर.) के लिए ऊर्जा संरक्षण भवन संहिता ई.सी.ओ. निवास संहिता 2018 शुरू की है।
- इस संहिता का उद्देश्य घरों, अपार्टमेंटों और बस्तियों के डिजाइन और निर्माण में ऊर्जा दक्षता को बढ़ावा देकर निवासियों और पर्यावरण को लाभान्वित करना है।
- यह संहिता देश के विभिन्न भागों में नए आवासीय परिसरों के डिजाइन और निर्माण में शामिल वास्तुकारों और बिल्डरों की सहायता करेगी।
- यह संहिता वर्ष 2030 तक प्रति वर्ष बिजली की 125 बिलियन यूनिट की संभावित रूप से बचत करेगी, जो लगभग 100 मिलियन टन (कार्बन डाइऑक्साइड) CO2 के उत्सर्जन के बराबर है।
- यह अनुमान लगाया गया है कि निर्माण क्षेत्र में ऊर्जा की मांग वर्ष 2018 में 350 बिलियन यूनिट से बढ़कर वर्ष 2030 तक लगभग 1000 बिलियन यूनिट हो जाएगी।

संबंधित जानकारी

राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार

- राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस प्रत्येक वर्ष 14 दिसंबर को ऊर्जा दक्षता ब्यूरो के साथ ऊर्जा मंत्रालय द्वारा मनाया जाता है।
- इसका उद्देश्य ऊर्जा दक्षता को बढ़ावा देने हेतु उद्योगों और अन्य प्रतिष्ठानों के प्रयासों को पहचानना है।

ऊर्जा दक्षता ब्यूरो

- बी.ई.ई., ऊर्जा मंत्रालय के अंतर्गत एक संवैधानिक निकाय है जो ऊर्जा दक्षता और संरक्षण के क्षेत्र में योजनाओं और कार्यक्रमों को लागू करने हेतु अनिवार्य है।
- ऐसी पहलों का उद्देश्य ऊर्जा की मांग को अनुकूलित करके और ग्रीनहाउस गैसों (जी.एच.जी.) के उत्सर्जन को कम करके हमारे देश में ऊर्जा तीव्रता को कम करना है जो ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन हेतु जिम्मेदार हैं।
- भारत ने यू.एन.एफ.सी.सी.सी. को प्रस्तुत दस्तावेज के भाग के रूप में वर्ष 2030 तक 33-35% जी.एच.जी. उत्सर्जन कम करने के प्रति प्रतिबद्धता दर्शायी है।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 3 – ऊर्जा एवं नीतियां

स्रोत-पी.आई.बी.

6. **<u>जम्मू-कश्मीर, महिलाओं के यौन शोषण पर प्रतिबंध लगाने वाले कानून को अधिनियमित करने वाला पहला राज्य बन गया है।</u>**

- जम्मू-कश्मीर, "किसी अधिकारिक पद के व्यक्ति, भरोसेमंद रिश्ते के किसी व्यक्ति अथवा सरकारी कर्मचारी" द्वारा महिलाओं के यौन उत्पीड़न को प्रतिबंधित करने वाला कानून अधिनियमित करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है।

- जम्मू-कश्मीर आपराधिक कानून (संशोधन) विधेयक, 2018 रणबीर दंड संहिता (आर.पी.सी.)- एक आपराधिक संहिता में संशोधन करना चाहता है, जिससे धारा 354E के अंतर्गत विशिष्ट अपराधों को 'सेक्स्टॉरेशन' के अपराध प्रदान करने हेतु प्रविष्ट किया जा रहा है।
- 'सेक्स्टॉरेशन' यौन इच्छाओं को बलपूर्वक पूरा करने का एक शारीरिक अथवा गैर-शारीरिक माध्यम है। शक्ति सम्पन्न लोग 'भ्रष्टाचार' के रूप में 'सेक्सटॉरशन' का प्रयोग करते हैं।
- दुराचार की परिभाषा को सुधारने हेतु और अधिनियम के भाग 5 के अर्थ के अतंर्गत यौन इच्छाओं की मांग को भी दुराचार की श्रेणी के अंतर्गत रखने हेतु भ्रष्टाचार रोकथाम अधिनियम में संशोधन किया गया है।
- अपराध ("गैर-जमानती" और "विसंयोजनीय" अपराध) के दोषी पाए गए किसी भी व्यक्ति को मौद्रिक जुर्माने और तीन साल की न्यूनतम जेल की सजा के साथ दंडित किया जाएगा, जिसे पांच वर्ष तक बढ़ाया जा सकता है।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 2 – महिला सशक्तीकरण

स्रोत- टाइम्स ऑफ इंडिया

7. **<u>शीर्ष 100 शस्त्र उत्पादकों की सूची में 4 भारतीय पी.एस.यू.: एस.आई.पी.आर.आई. (सिपरी)</u>**

- स्टॉकहोम आधारित प्रबुद्ध मंडल, स्टॉकहोम अंतर्राष्ट्रीय शांति अनुसंधान संस्थान (एस.आई.पी.आर.आई.) द्वारा जारी नवीनतम रैंकिंग के अनुसार, चार भारतीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों (पी.एस.यू.) को वर्ष 2017 में विश्व के शीर्ष 100 शस्त्र उत्पादकों की सूची में रखा गया है।
- विश्व के शीर्ष 100 शस्त्र उत्पादकों में शामिल चार पी.एस.यू. हैं:
  (a) भारतीय आयुध कारखानें
  (b) हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स
  (c) भारत इलेक्ट्रॉनिक्स
  (d) भारत डायनामिक्स
- राष्ट्र स्वामित्व वाली सभी चार भारतीय कंपनियों की वर्ष 2017 में कुल शस्त्र बिक्री $ 52 बिलियन थी जो पिछले वर्ष की तुलना में 6.1% अधिक थी।
- सूची में शामिल की गई सभी 100 शस्त्र उत्पादक और सैन्य सेवा कंपनियों (चीन को छोड़कर) की शस्त्र बिक्री $ 2 बिलियन है, जो वर्ष 2016 में बिक्री की तुलना में 2.2% अधिक है और विकास के लगातार तीसरे वर्ष को चिह्नित करती है।

प्रमुख निर्यातक चीन को इस सूची में क्यों नहीं शामिल किया गया है:

- एस.आई.पी.आर.आई., डेटा की कमी के कारण चीनी कंपनियों को कवर नहीं करता है।
- यह अनुमान है कि शीर्ष 10 में तीन चीनी हथियार कंपनियां: एविक ($ 1 बिलियन), नोरिनको ($ 17.2 बिलियन) और सी.ई.टी.सी. ($ 12.2 बिलियन) शामिल होंगी।

स्टॉकहोम अंतर्राष्ट्रीय शांति अनुसंधान संस्थान (एस.आई.पी.आर.आई.)

- यह स्वीडन आधारित एक अंतर्राष्ट्रीय संस्थान है, जो युद्धों, हथियारों, हथियार नियंत्रण और निरस्त्रीकरण में अनुसंधान हेतु समर्पित है।
- एस.आई.पी.आर.आई., नीति निर्माताओं, शोधकर्ताओं, मीडिया और इच्छुक लोगों को ओपेन सोर्स के आधार पर डेटा, विश्लेषण और सिफारिशें प्रदान करता है।
- एस.आई.पी.आर.आई. स्टॉकहोम में स्थित है।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 2 – अंतर्राष्ट्रीय संबंध

स्रोत- अर्थशास्त्र

8. **<u>इसरो- GSAT-7A</u>**

- इसरो, आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा में स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से अपने नवीनतम संचार उपग्रह GSAT-7A को भू-समकालिक उपग्रह प्रक्षेपण वाहन (GSLV-F11) द्वारा लॉन्च करने के लिए तैयार है।
- GSAT-7A को GSLV-F11 द्वारा लॉन्च किया जाएगा, यह इसरो का चौथी पीढ़ी का प्रक्षेपण वाहन है जो भू-समकालिक स्थानांतरण कक्षा (जी.टी.ओ.) में तीन चरणों के साथ है।

GSAT-7A

- GSAT-7A को भू-स्थिर कक्षा में स्थापित किया जाएगा और यह संचार उपग्रह विभिन्न रडार स्टेशनों, एयरबेस और ए.डब्ल्यू.ए.सी.एस. (हवाई चेतावनी एवं नियंत्रण प्रणाली) विमानों से जुड़ने में भारतीय वायुसेना की मदद करेगा।
- इसका विचार भारतीय वायुसेना की नेटवर्क-केंद्रित युद्ध क्षमताओं में सुधार करना है।
- GSAT-7A में के.यू.-बैंड ट्रांसपोंडर और दो तैनाती सौर सारणी ऑनबोर्ड होने की उम्मीद है।
- GSAT-7A, ड्रोन ऑपरेशनों के लिए भी एक बड़ा फायदा होने की उम्मीद है क्यों कि यह जमीन आधारित नियंत्रण स्टेशनों पर नौसेना की निर्भरता को कम करके उसकी मदद करता है और सैन्य मानवरहित हवाई वाहनों (यू.ए.वी.) का उपग्रह नियंत्रण करेगा जो कि सीमा और यू.ए.वी. की स्थिरता को बढ़ाने में मदद करेगा।

संबंधित जानकारी

- GSAT-7 श्रृंखला को वर्ष 2013 में भारतीय नौसेना के लिए एक समर्पित संचार उपग्रह के रूप में लॉन्च किया गया था, जिसने नौसेना को इसकी नीला पानी क्षमताओं हेतु विदेशी उपग्रहों पर निर्भरता को समाप्त कर इसे पूरी तरह से स्वतंत्र बना दिया है।
- यह भारतीय युद्धपोतों, पनडुब्बियों और समुद्री विमानों को रियल टाइम इनपुट प्रदान करने में मदद करता है।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 3 – विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- द हिंदू

9. **<u>इस वर्ष आई.सी.ए.आर. ने पशुधन और मुर्गीपालन की 15 नई नस्लों के रिकॉर्ड 15 पंजीकरणों को मंजूरी प्रदान की है।</u>**

- इस वर्ष आई.सी.ए.आर. ने पशुधन और मुर्गीपालन की 15 नई नस्लों के रिकॉर्ड 15 पंजीकरणों को मंजूरी प्रदान की है, जब कि वर्ष 2014-18 के दौरान कुल 40 नस्लों के पंजीकरण को मंजूरी प्रदान की है।
- 15 नई पंजीकृत नस्लों में शामिल हैं:

1. दो मवेशी नस्लें - लद्दाखी (जम्मू-कश्मीर) और कोंकण कपिला (महाराष्ट्र और गोवा)
2. तीन भैंस नस्लें - लुइट (असम और मणिपुर), बरगुर (तमिलनाडु) और छत्तीसगढ़ी (छत्तीसगढ़)
3. एक भेड़ नस्ल - पंचाली (गुजरात)
4. छह बकरी नस्लें - कहमी (गुजरात), रोहिलखंडी (यू.पी.), असम हिल (असम और मेघालय), बिद्री (कर्नाटक), नंदीदुर्गा (कर्नाटक), भाखड़ावाली (जम्मू-कश्मीर)
5. एक सुअर नस्ल - घुर्राह (यू.पी.)
6. एक गधा नस्ल - हलारी (गुजरात)
7. एक मुर्गी नस्ल - उत्तरा (उत्तराखंड)

संबंधित जानकारी

- पशु नस्लों और उनके दस्तावेज की पहचान की प्रक्रिया न केवल पशुधन नस्लों को मूल्य प्रदान करने और उनके सुधार हेतु सरकार के विभिन्न विकास कार्यक्रमों को शुरू करने में महत्वपूर्ण है बल्कि देश की जैव विविधता को संरक्षित करने में विशेष भूमिका निभाती है।
- हमारे पास विश्व के कुल मवेशियों का लगभग 15%, कुल भैंस का 57%, बकरी का 17%, भेड़ का 7% और मुर्गियों का 4.5% हिस्सा है।
- दूरदराज के क्षेत्रों में इनकी शुद्ध रूप में कई आबादी की संभावना अभी भी है, जिन्हें आने वाले वर्षों में नस्लों के रूप में पंजीकरण हेतु मूल्यांकन करने की आवश्यकता है।

टॉपिक- जी. एस. पेपर -3- कृषि

स्रोत-पी.आई.बी.

18.12.2018

1. **<u>मंत्रिमंडल ने भारत और ऑस्ट्रेलिया के मध्य समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने को मंजूरी प्रदान की है।</u>**

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने विकलांगता क्षेत्र में सहयोग हेतु भारत और ऑस्ट्रेलिया के मध्य समझौता ज्ञापन को मंजूरी प्रदान की है।
- यह भारत और ऑस्ट्रेलिया के मध्य द्विपक्षीय संबंधों को मजबूती प्रदान करेगा।

- इसके अतिरिक्त यह समझौता ज्ञापन विकलांग व्यक्तियों के विशेष रूप से दोनों देशों में बौद्धिक अक्षमता और मानसिक बीमारी वाले व्यक्तियों के पुनर्वास में सुधार करने हेतु सुविधा प्रदान करेगा।
- कार्यान्वयन के लिए दोनों देश अक्षमता क्षेत्र में पारस्परिक रूप से सहमत होने के रूप में विशिष्ट प्रस्ताव पेश करेंगे।

टॉपिक-जी.एस. पेपर 2–समाज के कमजोर वर्ग हेतु योजना

स्रोत-पी.आई.बी.

2. **<u>मंत्रिमंडल ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पी.एम.यू.वाई.) के अंतर्गत लाभार्थियों की सूची के विस्तार को मंजूरी प्रदान की है।</u>**

- मंत्रिमंडल ने गरीब परिवारों को जमा धनराशि मुक्त एल.पी.जी. कनेक्शन जारी करने हेतु पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की है।
- सूची में ये शामिल किए गए हैं:

1. इस सूची में वे लोग शामिल किए गए हैं जिन्हें पी.एम.यू.वाई. के अंतर्गत पहले एल.पी.जी. कनेक्शन नहीं जारी किया गया था, इसका मुख्य कारण यह है कि उनका नाम या तो सामाजिक-आर्थिक जाति जनगणना (एस.ई.सी.सी.) सूची में नहीं पाया गया है या
2. सात पहचान श्रेणियों अर्थात एस.सी./ एस.टी. परिवार, प्रधानमंत्री आवास योजना (पी.एम.ए.वाई.) (ग्रामीण), अंत्योदय अन्न योजना (ए.ए.ई.) के लाभर्थियों, वनवासियों, अधिकांश पिछड़ा वर्ग (एम.बी.सी.), चाय और पूर्व चाय बागान जनजाति, द्वीप/ नदी द्वीपों में रहने वाले व्यक्तियों की सूची में नहीं पाया गया है।

संबंधित जानकारी

पी.एम.यू.वाई.

- आई.टी. को 1 मई, 2016 को शुरू किया गया था।
- इस योजना के अंतर्गत, भारत सरकार द्वारा प्रति कनेक्शन 16007 रुपये की नकदी सहायता के साथ मुफ्त एल.पी.जी. कनेक्शन जारी किए जा रहे हैं।
- इस योजना के अंतर्गत स्टोव और रीफिल खरीदने हेतु तेल विपणन कंपनियों द्वारा ब्याज मुक्त ऋण भी प्रदान किया जाता है।
- अब तक एल.पी.जी. की रसद के अतिरिक्त 8 करोड़ के लक्ष्य के मुकाबले पी.एम.यू.वाई. के अंतर्गत 5.86 करोड़ एल.पी.जी. कनेक्शन जारी किए जा चुके हैं।
- 48% लाभार्थी, एस.सी./ एस.टी. हैं।

नोट:- विश्व स्वास्थ्य संगठन ने पी.एम.यू.वाई. को सरकार द्वारा घरेलू ऊर्जा उपयोग को स्वच्छ करने के माध्यम से घर के भीतर प्रदूषण से संबंधित समस्याओं का समाधान करने की सुविधा को निर्णायक हस्तक्षेप के रूप में सम्मानित किया है।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 2 –स्वास्थ्य क्षेत्र

स्रोत-पी.आई.बी.

3. **<u>'एक विरासत को अपनाएं' परियोजना के अंतर्गत 10 स्मारक अपनाएं गए हैं।</u>**

- 'एक विरासत अपनाएं: अपनी धारोहर, अपनी पहचान', 27 सितंबर, 2017 को शुरू की गई एक योजना है।
- यह पर्यटन मंत्रालय, संस्कृति मंत्रालय, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ए.एस.आई.), राज्य/ केंद्रशासित प्रदेश सरकारों द्वारा किया गया एक सहयोगी प्रयास है।
- यह एक योजनाबद्ध और चरणबद्ध तरीके से पर्यटन क्षमता और सांस्कृतिक महत्व को बढ़ाने हेतु विरासत स्थलों पर पर्यटन सुख-सुविधाओं के विकास और रखरखाव की परिकल्पना करता है और उन्हें पर्यटन अनुकूल बनाता है।
- परियोजना मुख्य रूप से बुनियादी सुविधाओं को प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करती है जिनमें स्वच्छता, सार्वजनिक सुविधाएं, सुरक्षित पेयजल, पर्यटकों हेतु पहुँच को असान बनाना, संकेतों, रोशनी, वाई-फाई आदि शामिल हैं।
- पर्यटन मंत्रालय द्वारा कोई निधि प्रदान नहीं की जाती है।
- परियोजना मुख्य रूप से सी.एस.आर. के अंतर्गत देश में स्मारकों, प्राकृतिक विरासत स्थलों और अन्य पर्यटक स्थलों को अपनाने में निजी/

सार्वजनिक कंपनियों/ संगठनों और व्यक्तियों की भागीदारी की परिकल्पना करती है।

- भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने स्थिति के अनुसार वास्तविक आवश्यकताओं और व्यवहार्यता के आधार पर वाई-फाई, कैफेटेरिया, व्याख्या केंद्र, ब्रेल साइनेज, आधुनिक शौचालय इत्यादि जैसी वर्तमान सुविधाओं/ सुख-सुविधाओं के उन्नयन हेतु "आदर्श स्मारक" के रूप में 100 स्मारकों की पहचान की है।

कंपनियों के द्वारा पहचाने और अपनाए गए स्मारक/ स्थलों की सूची:

क्रमांक	संस्था/ स्मारक मित्र	क्रमांक	स्मारक का नाम	राज्य
1.	डालमिया भारत लिमिटेड	1.	लाल किला	दिल्ली
		2.	गंदीकोटा किला	आंध्र प्रदेश
2.	भारतीय एडवेंचर पर्यटन संचालन संघ	3.	गंगोत्री मंदिर के आस-पास का क्षेत्र और गोमुख तक के पंगडंडी	उत्तराखंड
		4.	माउंट स्तोक कांगड़ी यात्रा, लद्दाख	जम्मू और कश्मीर
3.	एपीजय पार्क होटल	5.	जंतर मंतर	दिल्ली
4.	ब्लिस इन (वी.-रिसॉर्ट)	6.	सूरजकुंड	हरियाणा
5.	यात्रा ऑनलाइन	7.	कुतुबमीनार	दिल्ली
		8.	अजन्ता गुफाएं	महाराष्ट्र
		9.	लेह पैलेस, लेह	जम्मू और कश्मीर
		10.	हम्पी (हजारा रामा मंदिर)	कर्नाटक

टॉपिक- जी. एस. पेपर 1 – कला एवं संस्कृति
स्रोत-पी.आई.बी.

4. **<u>आई.ए.एफ. द्वारा मिश्रित जैव-विमान ईंधन का प्रयोग करते हुए भारत की पहली सैन्य उड़ान सम्पन्न की गई है।</u>**

- आई.ए.एफ. के प्रमुख परीक्षण प्रतिष्ठान ए.एस.टी.ई. के प्रायोगिक परीक्षण पायलटों और परीक्षण इंजीनियरों ने ए.एन.-32 परिवाहक विमान में मिश्रित जैव-विमान ईंधन का प्रयोग करके भारत की पहली सैन्य उड़ान को सम्पन्न किया है।
- यह परियोजना आई.ए.एफ., डी.आर.डी.ओ., वैमानिक गुणवत्ता बीमा निदेशालय (डी.जी.ए.क्यू.ए.) और सी.एस.आई.आर.-भारतीय पेट्रोलियम संस्थान का संयुक्त प्रयास है।
- भारतीय वायु सेना अब परीक्षण उड़ानों में 10% जैवविमान मिश्रित ए.टी.एफ. का प्रयोग करती है।
- यह ईंधन, जटरोफा तेल से बनाया जाता है, जिसका प्रमुख स्रोत छत्तीसगढ़ बायोडीजल विकास प्राधिकरण (सी.बी.डी.ए.) है और फिर सी.एस.आई.आर.-आई.आई.पी., देहरादून में इसे प्रसंस्कृत किया जाता है।
- आई.ए.एफ. का उद्देश्य 26 जनवरी, 2019 को गणतंत्र दिवस उड़ान परेड के अवसर पर जैवविमान ईंधन का उपयोग करके ए.एन.-32 परिवहन विमान को उड़ाना है।

संबंधित जानकारी

जैव ईंधन

- जैव-ईंधन ऊष्मीय, रासायनिक अथवा जैव रासायनिक प्रक्रियाओं के माध्यम से कार्बन फिक्सिंग बायोमास के रूपांतरण से प्राप्त ऊर्जा का स्रोत है।
- इसकी लोकप्रियता इस तथ्य से बढ़ रही है कि वे जीवाश्म ईंधन की तुलना में सस्ते और कम पर्यावरण प्रदूषण उत्पन्न करने वाले हैं।
- जैव ईंधन, कार्बन-उदासीन सिद्धांत में हैं क्यों कि पौधों द्वारा अवशोषित कार्बन डाइऑक्साइड, ईंधन के दहन के दौरान निकलने वाली कार्बन डाइऑक्साइड के बराबर होती है।

- बायोएथेनॉल, किण्वन द्वारा बनाया गया एल्कोहल है, यह अधिकतर चीनी अथवा मकई, गन्ना या चारा मिठाई जैसी फसलों से उत्पादित कार्बोहाइड्रेट से बनाया जाता है। पेड़ों और घासों जैसे गैर-खाद्य स्रोतों से उत्पन्न सेल्यूलोसिक बायोमास को भी इथेनॉल उत्पादन के लिए फीडस्टॉक के रूप में विकसित किया जा रहा है।
- बायोडीजल को अपने शुद्ध रूप (बी 100) में वाहनों के लिए ईंधन के रूप में उपयोग किया जा सकता है, लेकिन सामान्यत: डीजल संचालित वाहनों से कणों, कार्बन मोनोऑक्साइड और हाइड्रोकार्बन के स्तर को कम करने हेतु इसे डीजल योजक के रूप में उपयोग किया जाता है।
- बायोडीजल को ट्रांस ईस्टरीफिकेशन का उपयोग करके तेल अथवा वसा उत्पन्न किया जाता है और यह यूरोप में सबसे सामान्य जैव ईंधन है।
- पहली पीढ़ी के जैव ईंधन - किण्वन की परंपरागत विधि द्वारा बायोडीजल हेतु इथेनॉल और तिलहन बनाने के लिए गेहूं और चीनी जैसी खाद्य फसलों का प्रत्यक्ष रूप से उपयोग करना है। ये ईंधन अधिक ग्रीनहाउस गैसें उत्सर्जित करते हैं।
- दूसरी पीढ़ी के जैव ईंधन- खाद्य फसलों के स्थान पर गैर-खाद्य फसलों और फीडस्टॉक का प्रयोग करते हैं। उदाहरण: लकड़ी, घास, बीज फसलें, जैविक अपशिष्ट आदि।
- तीसरी पीढ़ी के जैव ईंधन- विशेष रूप से अभियांत्रिक किए गए शैवाल का उपयोग करते हैं, जिसके बायोमास का प्रयोग जैव ईंधन में परिवर्तित करने हेतु किया जाता है। इस ईंधन में अन्य की तुलना में ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन कम होता है।
- चौथी पीढ़ी के जैव ईंधन- इसका उद्देश्य न केवल सतत ऊर्जा का उत्पादन करना बल्कि यह कार्बन डाइऑक्साइड को एकत्रित और भंडारित करने का एक तरीका है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – रक्षा

स्रोत-पी.आई.बी.

5. **<u>मंत्रिमंडल ने पी.एम.एस.एस.वाई. के अंतर्गत दो नए एम्स की स्थापना को मंजूरी प्रदान की है।</u>**

- केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (पी.एम.एस.एस.वाई.) के अंतर्गत तमिलनाडु और तेलंगाना में दो नए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की स्थापना को मंजूरी प्रदान की है।
- राष्ट्रीय महत्ता के संस्थानों के रूप में दो नए एम्स की स्थापना का उद्देश्य क्षेत्र में गुणवत्ता तृतीयक स्वास्थ्य देखभाल, चिकित्सा शिक्षा, नर्सिंग शिक्षा और अनुसंधान प्रदान करना है।

संबंधित जानकारी

पी.एम.एस.एस.वाई.

- किफायती/ विश्वसनीय तृतीयक स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता में क्षेत्रीय असंतुलन को सुधारने और देश में गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा शिक्षा हेतु सुविधाओं को बढ़ाने के उद्देश्यों के साथ वर्ष 2003 में यह घोषणा की गई थी।
- पी.एम.एस.एस.वाई. के दो घटक हैं-

1. एम्स जैसे संस्थानों की स्थापना
2. सरकारी मेडिकल कॉलेज संस्थानों का उन्नयन

- एम्स जैसे 6 संस्थानों की स्थापना की जाएगी, पी.एम.एस.एस.वाई. योजना के अंतर्गत प्रत्येक राज्य बिहार राज्य (पटना), छत्तीसगढ़ (रायपुर), मध्य प्रदेश (भोपाल), उड़ीसा (भुवनेश्वर), राजस्थान (जोधपुर) और उत्तरांचल (ऋषिकेश) में एक एम्स की स्थापना की जाएगी।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 2 – स्वास्थ्य क्षेत्र

स्रोत-पी.आई.बी.

6. **<u>ऑस्ट्रेलिया ने पश्चिमी जेरूसलम को इजराइल की राजधानी के रूप में मान्यता प्रदान की है।</u>**

- ऑस्ट्रेलिया ने पश्चिमी जेरूसलम को इज़राइल की राजधानी के रूप में मान्यता प्रदान की है।
- इसके साथ ही ऑस्ट्रेलिया उन कुछ देशों में से एक बन गया है जो आधिकारिक रूप से पश्चिम जेरूसलम को इजराइल की राजधानी मानते हैं।

संबंधित जानकारी

- इज़राइल और फिलिस्तीन दोनों जेरूसलम का अपनी राजधानी के रूप में दावा करते हैं और यह मुद्दा अभी तक हल नहीं हुआ है।
- अमेरिकी राष्ट्रपति प्रशासन ने भी 6 दिसंबर, 2017 को जेरूसलम को इजराइल की राजधानी के रूप में मान्यता प्रदान करने की घोषणा की थी।
- संयुक्त राष्ट्र महासभा ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के जेरूसलम को इजराइल की राजधानी की मान्यता प्रदान करने की घोषणा के विरोध में उसे "अशक्त" घोषित करने हेतु एक प्रस्ताव पारित किया था।
- भारत ने भी इस प्रस्ताव का समर्थन किया था, इस प्रस्ताव को संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने निर्णय को वापस लेने हेतु अमेरिका को बुलाने हेतु की गई एक सभा में 127-9 के बहुमत के साथ स्वीकृति प्रदान की गई थी।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 3 – अंतर्राष्ट्रीय मुद्दे

स्रोत- द हिंदू

7. **<u>भारत, नेपाल और भूटान वन्यजीवन के संरक्षण हेतु संयुक्त टास्क फोर्स की योजना बना रहे हैं।</u>**

- भारत, नेपाल और भूटान की सरकारें राजनीतिक सीमाओं के दोनो तरफ वन्यजीवन के स्वतंत्र विचरण, कंचनजंघा परिदृश्य और नेपाल, भारत एवं भूटान के चारों ओर फैले हुए ट्रांस-सीमा क्षेत्रों में वन्यजीवों की तस्करी पर नजर रखने को स्वीकृति प्रदान करने हेतु संयुक्त टास्क फोर्स पर सक्रिय रूप से विचार कर रही हैं।
- इस कदम का मुख्य उद्देश्य वन्यजीवन को स्वतंत्र विचरण प्रदान करना और वन्यजीवों की तस्करी पर नजर बनाए रखना है।
- कंचनजंगा पर्वत के दक्षिणी किनारे पर फैला हुआ परिदृश्य पूर्वी नेपाल (21%), सिक्किम और पश्चिम बंगाल (56%) और भूटान के पश्चिमी और दक्षिण-पश्चिमी भागों (23%) में फैला हुआ 25,080 वर्ग किलोमीटर का क्षेत्रफल कवर करता है।

संबंधित जानकारी

- एक क्षेत्रीय ज्ञान विकास और शिक्षण केंद्र अंतर्राष्ट्रीय एकीकृत पर्वत विकास केंद्र (आई.सी.आई.एम.ओ.डी.) के अनुसार, वर्ष 2000 से 2010 के मध्य के भूदृश्य में तटवर्ती घास के मैदानों और पेड़ों का 1118 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल समाप्त हो गया है। 74% क्षेत्र को रेतभूमि और 26% क्षेत्र को कृषि भूमि में परिवर्तित कर दिया गया है।
- कंचनजंघा भूदृश्य, सात मिलियन से अधिक लोगों के अतिरिक्त स्तनधारियों की 169 प्रजातियों और पक्षियों की 713 प्रजातियों का भी निवास स्थान है।
- आई.सी.आई.एम.ओ.डी. द्वारा किए गए अध्ययन से ज्ञात होता है कि वर्ष 1986 से 2015 के मध्य हाथियों द्वारा 425 लोगों की मौत हो गई है और वर्ष 1958 से 2013 के मध्य 144 हाथी मारे गए थे।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 3 – जैवविविधता

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

8. **<u>पुणे न्यायालय, ई-भुगतान की सुविधा प्राप्त करने वाला भारत का पहला न्यायालय बन गया है।</u>**

- पुणे जिला न्यायालय अदालत शुल्क, न्यायिक जमा, जुर्माना और पेनाल्टी के ई-भुगतान को स्वीकृति प्रदान करने वाला भारत का पहला न्यायालय बन गया है।
- इस सुविधा को अंततः देश के सभी न्यायालयों में नकदी लेनदेन को पारदर्शी बनाने हेतु उपलब्ध कराया जाएगा।
- पुणे जिला न्यायालय प्रशासन, शिवाजी नगर जिला एवं सत्र न्यायालय में ई-भुगतान की सुविधा शुरू कर रहा है।
- यह सुविधा न्यायालय परिसर में नकद भुगतान करने हेतु लगी लंबी कतारों से छुटकारा दिलाने में भी मदद करगी।
- न्यायालय प्रशासन ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एस.बी.आई.) के साथ करार किया है।

- ई-भुगतान करने वाले व्यक्ति को एक अद्वितीय मुकदमा संख्या रिकॉर्ड (सी.एन.आर.) मिलेगा जो इस मुकदमें के निपटान तक समान बना रहेगा।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

9. **<u>भारत ने 30 सदस्यीय ट्रांस-क्षेत्रीय समुद्री नेटवर्क के साथ एक अधिरोहण संधि पर हस्ताक्षर किए हैं।</u>**

- भारत ने 30 सदस्यीय ट्रांस-क्षेत्रीय समुद्री नेटवर्क (टी-आर.एम.एन.) के साथ एक अधिरोहण संधि पर हस्ताक्षर किए हैं जो इसे हिंद महासागर क्षेत्र से गुज़रने वाले जहाजों की जानकारी तक पहुंच प्रदान करेगा।
- यह संधि भारत को हिंद महासागर क्षेत्र से गुजरने वाले जहाजों के संदर्भ में जानकारी तक पहुंच प्रदान करेगी जो किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि पर नजर रखने में सुरक्षा बलों की बहुत अधिक मदद करेगा।
- किसी भी प्रकार के संकट की स्थिति के लिए आई.ओ.आर., भारत का बैकयार्ड और पहला प्रतिवादी है।
- भारत ने पहले से ही 36 देशों के साथ द्विपक्षीय व्हाइट शिपिंग समझौता कर रखा है।

संबंधित जानकारी

ट्रांस-क्षेत्रीय समुद्री नेटवर्क (टी-आर.एम.एन.)

- इस नेटवर्क में 30 देश शामिल हैं और यह इटली द्वारा संचालित है।

टॉपिक- जी. एस. -3- अंतर्राष्ट्रीय संगठन

स्रोत- इकोनॉमिक टाइम्स

19.12.2018

1. **<u>राष्ट्रीय ई-विधान एप्लीकेशन (एन.ई.वी.ए.) परियोजना</u>**

- हाल ही में संसदीय मामलों के मंत्रालय (एम.ओ.पी.ए.) ने एन.ई.वी.ए. परियोजना के कार्यान्वयन की स्थिति के संदर्भ में विस्तृत जानकारी प्रदान की है।
- एम.ओ.पी.ए. ने 24 और 25 सितंबर, 2018 को नई दिल्ली में दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया था।
- इसका उद्देश्य राज्य विधानसभाओं/ परिषदों के अधिकारियों को एन.ई.वी.ए. की सुविधाओं और कार्यक्षमताओं से परिचित कराना है।
- सदस्यों को सहायता प्रदान करने के क्रम में एक नोडल अधिकारी के अंतर्गत प्रत्येक स्थान पर एक एन.ई.वी.ए. केंद्र (ई-सुविधा केंद्र) स्थापित किया जाएगा।
- एम.ओ.पी.ए. के अंतर्गत केंद्रीय परियोजना निगरानी इकाई (सी.पी.एम.यू.), परियोजना की वित्तीय और तकनीकी प्रगति की समीक्षा हेतु जिम्मेदार होगी।
- हिमाचल प्रदेश में पहले से ही देश की पहली डिजिटल विधानसभा है।

संबंधित जानकारी

एन.ई.वी.ए.

- यह डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के अंतर्गत मिशन मोड परियोजना (एम.एम.पी.) है।
- विधानसभाओं सहित सभी 31 राज्यों/ केंद्रशासित प्रदेशों में इसके कार्यान्वन हेतु 'नोडल मंत्रालय', संसदीय मामलों का मंत्रालय (एम.ओ.पी.ए.) जिम्मेदार है।
- यह संपूर्ण कानून बनाने की प्रक्रिया, दस्तावेजों पर नजर रखने और जानकारी साझा करने के स्वचालन को सक्षम बनाता है।
- इस सुविधा ने डाटा एकत्र करने हेतु नोटिस/ प्रार्थना पत्र भेजने की प्रक्रिया को पूर्ण रूप से समाप्त कर दिया है।
- इस एप्लीकेशन पर लोकसभा टीवी और राज्यसभा टीवी का सजीव प्रसारण भी उपलब्ध है।

टॉपिक: जी.एस. पेपर 2- गवर्नेंस

स्रोत: पी.आई.बी.

2. **<u>अहमदाबाद में प्रतिस्पर्धा कानून पर तीसरे रोड शो का आयोजन किया गया है।</u>**

- भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सी.सी.आई.) ने अहमदाबाद में 18 दिसंबर, 2018 को प्रतिस्पर्धा कानून पर तीसरे रोड शो का आयोजन किया था।

- इसने सार्वजनिक खरीद, व्यापारिक संघों, उत्पादक संघों और हस्तांतरण पर विषयगत रूप से ध्यान केंद्रित किया है।
- इस रोड शो के लिए कार्यान्वन भागीदार, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ कार्पोरेट अफेयर (आई.आई.सी.ए.) था।
- यह रोड शो, प्रतिस्पर्धा कानून पर पूरे देश में आयोजित की गई रोड शो की एक श्रृंखला का हिस्सा है।
- यह निम्नलिखित क्षेत्रों से कई हितधारकों को एक साथ लाया है:
- उद्योग
- व्यापारिक संघ
- चार्टर्ड अकाउंटेंट्स (सी.ए.)
- कंपनी सचिव (सी.एस.)
- वकीलों और शोधकर्ताओं
- उद्योग प्रतिभागियों के मध्य जागरूकता और सम्मति स्थापित करने हेतु विभिन्न प्रतिस्पर्धात्मक मुद्दों पर प्रभावी रूप से व्यस्त रहना होगा।

संबंधित जानकारी:

भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सी.सी.आई.)

- इसे वर्ष 2003 में प्रतिस्पर्धा अधिनियम, 2002 के अंतर्गत स्थापित किया गया था।
- इसे निम्न उद्देश्य से स्थापित किया गया था:-
- प्रतिस्पर्धा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले अभ्यासों को रोकने हेतु
- बाजारों में प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने और बनाए रखने हेतु
- उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करने हेतु
- भारत के बाजारों में व्यापारिक स्वतंत्रता को सुनिश्चित करने हेतु

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ कार्पोरेट अफेयर (आई.आई.सी.ए.)

- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ कार्पोरेट अफेयर्स (आई.आई.सी.ए.), कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय के संरक्षण के अंतर्गत एक प्रबुद्ध मंडल है।
- यह उन मुद्दों के समग्र उपचार हेतु स्थापित किया गया था जो कॉर्पोरेट कार्यान्वन को प्रभावित करते हैं।
- सरकार, विनियामकों, पेशेवरों और जनता से आए हुए हितधारकों की एक विस्तृत श्रृंखला को निर्देश और क्षमता निर्माण प्रदान करने के लिए इसे स्थापित किया गया था।

टॉपिक: जी.एस. पेपर 3- अर्थव्यवस्था

स्रोत: पी.आई.बी.

3. **<u>केंद्र ने 'राष्ट्रीय बाल संरक्षण नीति' तैयार की है।</u>**

- मुजफ्फरपुर अनाथालय दुर्व्यवहार मामले के परिणामस्वरूप केंद्र ने राष्ट्रीय बाल संरक्षण नीति तैयार की है।
- यह बच्चों की सुरक्षा हेतु समर्पित पहली नीति होगी, यह एक ऐसा क्षेत्र है जो अभी तक व्यापक राष्ट्रीय बाल नीति, 2013 का हिस्सा नहीं था।

संबंधित जानकारी

राष्ट्रीय बाल संरक्षण नीति:

- इसकी सिफारिशों में निम्न बिंदु शामिल हैं:
- सभी संगठनों के पास अवश्य ही बाल शोषण एवं उत्पीड़न की शून्य सहनशीलता के आधार पर आचार संहिता होनी चाहिए।
- कर्मचारी, बच्चों से अनुचित भाषा अथवा व्यवहार का प्रयोग न करें यह सुनिश्चित करने हेतु अवश्य ही नियम बनाए जाने चाहिए।
- संस्थानों को यह सुनिश्चित करने के लिए एक कर्मचारी सदस्य को भी नामित करना चाहिए कि प्रक्रियाएं पूरी तरह से लागू हैं और पूर्ण रूप से इनका अनुपालन किया जा रहा है।
- इस नीति में चार पहलू शामिल हैं-
  (a) जागरूकता पैदा करना
  (b) रोकथाम
  (c) रिपोर्टिंग
  (d) प्रतिक्रिया
- इस नीति को सरकारी अथवा निजी, सभी प्रकार के संस्थानों और संगठनों (कॉर्पोरेट और समाचार संस्थाओं सहित) पर लागू किया जाएगा।

टॉपिक: जी.एस. पेपर 1- समाज का कमजोर वर्ग

स्रोत: द हिंदू

4. **भूजल निष्कर्षण**

- केंद्रीय भूजल प्राधिकरण (सी.जी.ए.) ने भूजल निष्कर्षण के लिए संशोधित दिशानिर्देशों को अधिसूचित किया है।
- इसका उद्देश्य देश में "मजबूत भूजल नियामक तंत्र" को सुनिश्चित करना है।
- इसने 'जल संरक्षण शुल्क (डब्ल्यू.सी.एफ.)' की अवधारणा को पेश किया है।
- यह 1 जून, 2019 से प्रभावी होगा और पूरे देश में लागू होगा।

संबंधित जानकारी

जल संरक्षण शुल्क (डब्ल्यू.सी.एफ.)

- डब्ल्यू.सी.एफ., उद्योगों और कुछ घरेलू उपयोगकर्ताओं द्वारा देय है।
- भुगतान की दरों को भूजल निष्कर्षण बिंदु और निकाले जाने वाले पानी की मात्रा के आधार पर लगाया जाएगा।
- इसमें भूजल ब्लॉकों की एक सूची है जिसे मूल्यांकन ब्लॉक के रूप में जाना जाता है।
- इन्हें भूजल मसौदे के आधार पर 'सुरक्षित', 'अर्ध-गंभीर', 'गंभीर' और 'अत्यधिक शोषित' के रूप में वर्गीकृत किया गया है।
- यह जल प्रभार नहीं है बल्कि जल संरक्षण परियोजनाओं हेतु एक संरक्षण शुल्क है।
- विभिन्न उपयोगकर्ता:
- उद्योग: इनमें वे उपयोगकर्ता शामिल होंगे जो खनन डीवाटरिंग इकाइयों रखते हैं और पैक किए गए पेयजल हेतु भूजल का उपयोग करने वाले उपयोगकर्ताओं को शुल्क का भुगतान करना पड़ेगा।
- घरेलू उपयोगकर्ता: 1 इंच से अधिक व्यास के वितरण पाइप का प्रयोग करके पानी निकालने वाले घरों को शुल्क का भुगतान करना पड़ेगा।
- कृषि: भूजल के सबसे बड़े उपभोक्ता को इस शुल्क से छूट प्रदान की गई है।

संशोधित दिशानिर्देशों की मुख्य विशेषताएं

- पुनर्नवीनीकरण और उपचार किए गए सीवेज पानी के उपयोग को प्रोत्साहित करना।
- इसमें प्रदूषक उद्योगों के खिलाफ कार्रवाई के प्रावधान हैं।
- एन.ओ.सी. (गैर आपत्ति प्रमाण पत्र) देने की पूरी प्रक्रिया सी.जी.ए. की वेब-आधारित एप्लीकेशन प्रणाली के माध्यम से की जाएगी।
- संशोधित दिशानिर्देशों ने निम्न को एन.ओ.सी. की अनिवार्यता से छूट प्रदान की है:
- कृषि उपयोगकर्ताओं
- पानी निकालने हेतु गैर-ऊर्जा वाले साधनों को नियोजित करने वाले उपयोगकर्ताओं
- व्यक्तिगत घरों
- कार्यान्वन तैनाती के दौरान और आगे के स्थानों में भर्ती हेतु सशस्त्र बल संस्थानों

जल उपयोग सारिणी

- वार्षिक भूजल निष्कर्षण का 90% हिस्सा कृषि संबंधी गतिविधियों के लिए प्रयोग किया जाता है।
- शेष 10 प्रतिशत पानी का उपयोग पीने, घरेलू उपयोग और औद्योगिक उपयोगों के लिए किया जाता है।
- वार्षिक भूजल निष्कर्षण के लगभग 5% हिस्से का औद्योगिक उपयोग होने का अनुमान है।

टॉपिक: जी.एस. पेपर 1: प्राकृतिक संसाधन और जी. एस. पेपर 3: संरक्षण

स्रोत: द हिंदू और इंडियन एक्सप्रेस

5. **बिहार के मीठे व्यंजन सिलाओ खाजा को जी.आई. टैग प्राप्त हुआ है।**

- चेन्नई आधारित जी.आई. रजिस्ट्री ने बिहार के नालंदा जिले की पारंपरिक स्वादिष्ट मिठाई सीलाओ खाजा को जी.आई. टैग प्रदान किया है।
- सिलाओ खाजा अपने स्वाद, कुरकुरेपन और बहु परत बनावट के लिए प्रसिद्ध है जो स्थानीय जल और सिलाओं की जलवायु को समर्पित है।
- इसे बारह से सोलह बहुत पतली आटे की लोइयों को एक दूसरे के ऊपर रखकर बनाया जाता है।
- सिलाओ, बौद्ध स्थलों के नजदीक स्थित है।

संबंधित जानकारी

भौगोलिक संकेत टैग

- एक जी.आई. उत्पाद प्राथमिक रूप से एक कृषि, प्राकृतिक अथवा निर्मित उत्पाद (हस्तशिल्प और औद्योगिक उत्पाद) है जो एक निश्चित भौगोलिक क्षेत्र में उत्पन्न होता है।
- दार्जिलिंग चाय, तिरुपति लड्डू, कंगड़ा पेंटिंग्स, नागपुरी संतरा और कश्मीरी पश्मीना, भारत में पंजीकृत जी.आई. में से हैं।
- यह विशिष्टता को सुनिश्चित करता है।
- इसे औद्योगिक संपत्ति संरक्षण हेतु पेरिस सम्मेलन के अंतर्गत बौद्धिक संपदा अधिकारों (आई.पी.आर.) के तत्व के रूप में शामिल किया गया है।
- जी.आई. को बौद्धिक संपदा अधिकारों (टी.आर.आई.पी.एस.) के व्यापार-संबंधित पहलुओं पर डब्ल्यू.टी.ओ. के समझौते द्वारा शासित किया जाता है।
- भारत में जी.आई. टैग, उत्पाद पंजीकरण एवं संरक्षण के भौगोलिक संकेत अधिनियम, 1999 के द्वारा शासित किया जाता है।
- यह अधिनियम पेटेंट, डिजाइन और ट्रेडमार्क के महानियंत्रक द्वारा प्रशासित है।

टॉपिक: जी.एस.-1- कला एवं संस्कृति

स्रोत: टाइम्स ऑफ इंडिया

6. **<u>डब्ल्यू.ई.एफ. लिंग अंतर सूचकांक में भारत को 108वां स्थान प्राप्त हुआ है।</u>**

- भारत, वर्ष 2017 की भांति वर्ष 2018 में भी 149 देशों में 108वें स्थान पर है।
- भारत ने सभी अनुभागों पर कम स्थान प्राप्त किया है-
- आर्थिक भागीदारी और अवसर
- शैक्षणिक लाभ
- स्वास्थ्य और उत्तरजीविता रैंकिंग
- राजनीतिक सशक्तिकरण
- स्वास्थ्य और उत्तरजीविता के पहलू पर देश ने लगातर विश्व के तीसरे न्यूनतम स्थान को प्राप्त किया है।
- दक्षिण एशिया ने पिछले दशक में किसी भी विश्व क्षेत्र के लिंग अंतर को समाप्त करने में सबसे तेज प्रगति दर्शायी है।
- रूचिकर तथ्य यह है कि भारत दूसरा सबसे बड़ा कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) वर्कफोर्स है, लेकिन इसमें महिलाओं द्वारा केवल 22 प्रतिशत भूमिकाएं निभाई जाती हैं।
- आइसलैंड ने लगातार 10वें वर्ष सूचकांक में शीर्ष स्थान प्राप्त किया है।

संबंधित जानकारी:

विश्व आर्थिक मंच

- यह एक स्वतंत्र गैर-लाभकारी संगठन है जिसका मुख्यालय जिनेवा, स्विट्ज़रलैंड में स्थित है।
- इसे वर्ष 1971 में क्लॉस श्वाब द्वारा स्थापित किया गया था।
- यह सार्वजनिक-निजी सहयोग के माध्यम से विश्व की स्थिति में सुधार करने हेतु काम करता है।

टॉपिक: जी.एस. पेपर 2- अंतर्राष्ट्रीय संगठन

स्रोत: द बिजनेस स्टैंडर्ड

20.12.2018

1. **<u>फैरोट: सौर मंडल में सबसे दूर स्थित ज्ञात पिंड है।</u>**

- 2018 वी.जी.18 का निकनेम "फरोट" भी है, जिसे सूर्य से लगभग 120 ए.यू. (खगोलीय इकाइयों) की दूरी पर खोजा गया था।
- यह उस दूरी से थोड़ा अधिक है जिस दूरी पर वर्तमान में वोयागर 2 तारो के मध्य अंतरिक्ष में हेलियोपौस (जहां सौर वायुमंडल को तारो के मध्य अंतरिक्ष माध्यम द्वारा वापस भेजा जाता है) को पार करने के बाद सूर्य से जितनी दूरी पर स्थित है।
- इसके अतिरिक्त फैरोट इस प्रकार का ज्ञात पहला सौर प्रणाली पिंड है जिसे पृथ्वी और सूर्य के मध्य की दूरी से 100 गुना अधिक दूरी पर पाया जाता है।
- फैरोट की खोज अत्यंत दूरस्थ सौर प्रणाली पिंड की खोज के भाग के रूप की गई है, जिसमें संदिग्ध ग्रह एक्स. भी शामिल है, जिसे कभी-कभी ग्रह 9 भी कहा जाता है।
- दूसरा सबसे दूर स्थित सौर प्रणाली पिंड, एरिस है, जो लगभग 96 ए.यू. की दूरी पर स्थित है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

2. **<u>ई-दृष्टि सॉफ्टवेयर</u>**

- हाल ही में केंद्रीय रेल मंत्री, राज्य मंत्रियों और बोर्ड के सदस्यों के लिए एक 'ई-दृष्टि' इंटरफेस का अनावरण किया गया है।

संबंधित जानकारी

- इस सॉफ्टवेयर में एक इंटरफेस शामिल है जो पिछले दिन की ट्रेनों की समयबद्धता के संदर्भ में सारांशित जानकारी प्रदान करता है।
- इसमें एक ऐसा इंटरफेस भी है जो भारतीय रेलवे नेटवर्क पर वर्तमान में चल रही ट्रेनों के संदर्भ में जानकारी प्रदान करता है।
- इसके अतिरिक्त पिछले वर्ष की संगत अवधि की तुलना में पिछले दिन, महीने और संचयी रूप से पूरे वर्ष की भाड़ा आय, माल ढुलाई और यात्री आय के संदर्भ में जानकारी प्रदान करने वाले इंटरफेस भी उपलब्ध हैं।
- दैनिक आधार पर समयबद्धता प्रदर्शन में सुधार करने हेतु यात्रियों को ले जाने वाली ट्रेनों की समयबद्धता पर भी सख्ती से निगरानी रखी जा रही है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत-पी.आई.बी.

3. **<u>नीति आयोग: नौकरियां उत्पन्न करने हेतु वर्ष 2022 तक अवश्य ही 9% वृद्धि दर करनी होगी।</u>**

- नीति आयोग द्वारा जारी किए गए एक दृष्टिकोण दस्तावेज के अनुसार, पर्याप्त नौकरियां उत्पन्न करने और सार्वभौमिक समृद्धि को प्राप्त करने हेतु 9% वृद्धि दर आवश्यक है।
- इसके लिए 'नए भारत @ 75 हेतु रणनीति' दस्तावेज ने कई चरणों की सिफारिश की है, जिसमें निवेश दर में वृद्धि करना, कृषि में सुधार और श्रम कानूनों को संहिताबद्ध करना शामिल है।
- नीति आयोग ने बाद में अपनी रिपोर्ट में कहा है कि वर्ष 2018-23 की अवधि के लिए 8% की वृद्धि दर का लक्ष्य होना चाहिए।
- यह अर्थव्यवस्था के आकार को वास्तविक पदों में वर्ष 2017-18 में 2.7 ट्रिलियन डॉलर से बढ़ाकर वर्ष 2022-23 तक 4 ट्रिलियन डॉलर कर देगा।
- विकास दर में तेजी होने के साथ ही यह भी सुनिश्चित करना आवश्यक है कि विकास समावेशी, सतत, स्वच्छ और औपचारिक होना चाहिए।

संबंधित जानकारी

- आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में दस्तावेज ने देश की निवेश दर और कर-जी.डी.पी. अनुपात में वृद्धि करने हेतु दो महत्वपूर्ण चरणों की पहचान की है।
- वर्ष 2017-18 में निवेश की दर (जी.डी.पी. के हिस्से के रूप में सकल नियत पूंजी निर्माण) को 29 प्रतिशत से बढ़ाकर वर्ष 2022-23 तक जी.डी.पी. का लगभग 36% करने के लिए निजी और सार्वजनिक निवेश दोनों को बढ़ावा देने हेतु कई उपायों की आवश्यकता होगी।
- भारत का कर-जी.डी.पी. अनुपात लगभग 17 प्रतिशत है जो ओ.ई.सी.डी. देशों (35%) के औसत का आधा है और ब्राजील (34%), दक्षिण अफ्रीका (27%) और चीन (22%) जैसी अन्य उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में कम भी है।
- कृषि क्षेत्र में ई-राष्ट्रीय कृषि बाजार (ई-एन.ए.एम.) का विस्तार करके और कृषि उत्पादन विपणन समिति (ए.पी.एम.सी.) अधिनियम को कृषि उत्पादन एवं पशुधन विपणन (ए.पी.एल.एम.) अधिनियम के साथ प्रतिस्थापित करने के द्वारा किसानों को कृषि उद्दमियों में परिवर्तित करने पर जोर देना चाहिए।
- कृषि विकास दर को बढ़ावा देने हेतु एक एकीकृत राष्ट्रीय बाजार, स्वतंत्र निर्यात प्रशासन का निर्माण करना और अनिवार्य उत्पाद अधिनियम का उन्मूलन आवश्यक हैं।

नोट: इस दस्तावेज़ को 'शून्य बजट प्राकृतिक खेती' (जेड.बी.एन.एफ.) तकनीकों के लिए भी जाना जाता है, जो लागत को कम करती हैं, भूमि की गुणवत्ता में सुधार करती हैं और किसानों की आय में वृद्धि करती हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत-पी.आई.बी.

4. **<u>शिक्षा सेतु एप्लीकेशन</u>**

- हरियाणा सरकार ने छात्रों की उपस्थिति, शुल्क, ऑनलाइन प्रवेश और राज्य के सभी सरकारी कॉलेजों की छात्रवृत्ति के संदर्भ में जानकारी प्रदान करने हेतु एक मोबाइल एप्लिकेशन लॉन्च किया है।
- 'शिक्षा सेतु' एप्लीकेशन छात्रों, माता-पिता, शिक्षकों और अधिकारियों के मध्य बेहतर कनेक्टिविटी को सुनिश्चित करते समय विभाग और कॉलेज प्रशासन में पारदर्शिता लाएगा।
- यह एप्लीकेशन छात्रों और शिक्षकों को महत्वपूर्ण नोटिस, परिपत्र और अन्य कार्यक्रमों के तत्काल अपडेट प्रदान करेगा जब कि पूर्व को अपना शुल्क ऑनलाइन भुगतान करने की अनुमति प्रदान करेगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2- गवर्नेंस

स्रोत- इंडिया टुडे

5. **<u>लोकसभा ने व्यावसायिक सरोगेसी पर प्रतिबंध लगाने वाले एक विधेयक को पारित किया है।</u>**

- लोकसभा ने 10 साल तक जेल के दंड प्रावधानों और 10 लाख रू तक के जुर्माने के साथ व्यावसायिक सरोगेसी पर प्रतिबंध लगाने वाले एक विधेयक को पारित किया है।
- यह विधेयक केवल नजदीकी भारतीय रिश्तेदारों को ही सरोगेट मां बनने के लिए और केवल "परोपकारी" कारणों के लिए ही अनुमति प्रदान करता है।
- यह बताता है कि एक निसंतान भारतीय दम्पति जिसके विवाह को 5 वर्ष अथवा उससे अधिक का समय हो गया हो वे 'परोपकारी सरोगेसी' कर सकते हैं जिसमें सरोगेट मां को चिकित्सा व्यय और बीमा को छोड़कर अन्य कोई मुआवजा नहीं दिया जाएगा।

संबंधित जानकारी

सेरोगेसी

- सेरोगेसी एक व्यवस्था है जो सामान्यत: कानूनी समझौते द्वारा समर्थित होती है जिसमें एक महिला गर्भवती होने, गर्भावस्था को उचित अवधि तक ले जाने और बच्चे अथवा बच्चों को जन्म देने में सहमत होती है, और यह सब कार्य वह महिला अन्य व्यक्ति अथवा व्यक्तियों के लिए करती है, जो जन्में हुए अथवा जन्म लेने वाले बच्चे के माता-पिता है अथवा होंगे।
- लोग तब सेरोगेसी व्यवस्था का चुनाव कर सकते हैं जब गर्भावस्था चिकित्सकीय रूप से असंभव हो, जब गर्भावस्था का खतरा माता के स्वास्थ्य पर जानलेवा जोखिम उत्पन्न कर रहा हो अथवा जब अकेला पुरूष अथवा दम्पति बच्चा चाहते हों।
- इन व्यवस्थाओं में मौद्रिक मुआवजा शामिल हो सकता है अथवा नहीं भी हो सकता है। पैसा लेकर यह कार्य करना वाणिज्यिक सरोगेसी माना जाता है, उचित खर्चों की प्रतिपूर्ति के अतिरिक्त किसी प्रकार का कोई मुआवजे न लेकर यह कार्य करना परोपकारी सेरोगेसी माना जाता है।
- क्षेत्राधिकारों के मध्य सरोगेसी की वैधता और लागत में व्यापक रूप से भिन्नता होती है, कभी-कभी यह संदिग्ध अंतरराज्यीय अथवा अंतर्राष्ट्रीय सरोगेसी व्यवस्था के रूप में परिणामित होती है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – महत्वूपर्ण बिल/ नीतियां

स्रोत- द हिंदू

6. **<u>बढ़ता हुआ तापमान हिमालयी क्षेत्रों में जल संकट उत्पन्न कर रहा है: अध्ययन</u>**

- एक अध्ययन ने चेतावनी दी है कि जलवायु परिवर्तन हिमालयी क्षेत्रों में पिछले 10,000 वर्षों में किसी भी समय बिंदु की तुलना में ग्लेशियरों को अधिक तेजी से पिघला रहा है और जो शीघ्र ही यह भारत, पाकिस्तान और नेपाल के कुछ भागों में जल आपूर्ति की कमी का कारण बन सकता है।
- अमेरिका में ओहियो स्टेट विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने बताया है कि एंडीज पहाड़ों और तिब्बती पठार के निवासियों पर जलवायु परिवर्तन विनाशकारी प्रभाव डाल सकता है।
- वर्ष 2100 तक सर्वश्रेष्ठ परिदृश्य यह है कि आधी बर्फ पिघल जाएगी और सबसे खराब परिदृश्य यह है कि दो-तिहाई बर्फ पिघल जाएगी।

- शोधकर्ताओं ने बताया है कि जब पानी की आपूर्ति कमी होगी तो मांग में वृद्धि होगी क्यों कि जनसंख्या बढ़ रही होगी।
- पेरू में स्थित ग्लेशियर व्यक्तियों, फसलों और पशुओं के लिए गंभीर रूप से आवश्यक पानी की आपूर्ति करते हैं।
- अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान टीम ने "तीसरे ध्रुव" पठार को करार किया है क्यों कि उत्तरी और दक्षिणी ध्रुवों के बाहर इसमें विश्व के ताजे पानी का सबसे बड़ा भंडारण है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

7. **<u>जम्मू-कश्मीर शिक्षा विभाग ने फेरान पर लगाए गए प्रतिबंध को वापस ले लिया है।</u>**

- हाल ही में, उत्तरी कश्मीर के लैंगेट में क्षेत्रीय शिक्षा अधिकारी (जेड.ई.ओ.) के कार्यालय में फेरान, एक लंबी ऊनी शीतकालीन पोशाक को पहनने पर लगाए गए प्रतिबंध को वापस ले लिया गया है, इस पर लगाए गए प्रतिबंध के विरोध में विशाल ऑनलाइन आंदोलन चलाया गया था।

संबंधित जानकारी

- कश्मीर में पुरूषों और महिलाओं दोनों के लिए पारंपरिक पोशाक फ़िरान (या फेरान) और पूत है।
- फेरान और पूत में एक के ऊपर पहने जाने वाले दो गाउन होते हैं।
- पारंपरिक फ़िरान और पूत, पैरों तक लंबे होते हैं, जो अंतिम 19वीं शताब्दी तक लोकप्रिय थे।
- हालां कि, फ़िरान और पूतों के अपेक्षाकृत आधुनिक भिन्न रूप आने लगे हैं जो कि केवल घुटनों के नीचे तक ही लंबे होते थे, जिसे अंदर सुथान (ढीला सलवार) के साथ पहना जाता है जो अफगानिस्तान के पहनावे की शैलियों के समान है।
- लंबे फ़िरान के साथ सुथान पहनना वैकल्पिक है क्यों कि परंपरागत रूप से फ़िरानों के साथ नीचे के कपड़े नहीं पहने जाते हैं।
- पारंपरिक फ़िरान और पूत किनारों से कटे नहीं होते हैं।
- गर्मियों में, फ़िरान और पूत कपास के बनाए जाते हैं, लेकिन सर्दियों में पूत, कपास से बने होते हैं और फ़िरान, ऊन के बनाए जाते हैं, जो विशेषकर बर्फ गिरने के दौरान शरीर को ठंड से बचाते और संरक्षित करते हैं।
- इन पोशाकों का उपयोग कश्मीर घाटी के निवासियों और चिनाब घाटी में रहने वाले कश्मीरियों द्वारा किया जाता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 – कला एवं संस्कृति

स्रोत- द हिंदू

8. **<u>अनाजों की पैकिंग को जूट के थैलों में करना अनिवार्य कर दिया गया है।</u>**

- केंद्र ने वर्ष 2018-19 के लिए 100% अनाजों और 20% चीनी की पैकिंग को जूट के थैलों में करना अनिवार्य कर दिया है।
- इसमें सरकारी ई-मार्केटप्लेस पर रिवर्स नीलामी के माध्यम से आर्डर का 10% रखने पर एक शर्त शामिल है।
- यह आदेश जूट पैकेजिंग सामग्री (पैकिंग उत्पादों में अनिवार्य उपयोग) अधिनियम (जे.पी.एम.) का पालन करता है, जिसे वर्ष 1987 में प्लास्टिक पैकेजिंग से जूट क्षेत्र को बचाने हेतु अधिनियमित किया गया था।

संबंधित जानकारी

- पश्चिम बंगाल और आंध्र प्रदेश, जूट उत्पादों के दो सबसे बड़े उत्पादक हैं, पंजाब सबसे बड़ा खरीददार राज्य है।
- यह प्रयोजनों के 10% हेतु परीक्षण आधार पर खरीद शुरू करने की योजना बना रहा है।
- आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, टाट के थैले, अब कच्चे जूट की खपत का लगभग 63% हिस्सा है।
- यह क्षेत्र कई लाख किसान परिवारों का समर्थन करने के अतिरिक्त प्रत्यक्ष रूप से 3.7 लाख मिल कामगारों को नियोजित करता है।
- वर्ष 1987 से, जे.पी.एम. अधिनियम ने कच्चे जूट बाजार में वृद्धि लाने हेतु निश्चित क्षेत्रों में थैलों के उपयोग को अनिवार्य कर दिया है।

सीपेज (रिसाव) मुद्दा

- प्रारंभ में समय के साथ जब चीनी, सीमेंट, उर्वरक और अनाज पैकेजिंग के लिए आरक्षण था तो विभिन्न कारणों से निश्चित क्षेत्रों को इस सीमा से बाहर किया गया, जिसमें वैकल्पिक पैकेजिंग हेतु बाजार की मांग शामिल थी क्यों कि टाट के थैलों से सामग्री के सिसाव की समस्या सामने आ रही थी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

9. **न्यूट्रीनो वेधशाला**

- हाल ही में, भारत न्यूट्रीनो वेधशाला (आई.एन.ओ.) के लिए पर्यावरण मंजूरी प्रदान की गई है।
- आई.एन.ओ. ने वर्ष 2018 की शुरूआत में तमिलनाडु सरकार से वन्यजीवन अनुमति हेतु आवेदन किया है, इसके अतिरिक्त उच्च ऊर्जा भौतिक विज्ञान अंतर-संस्थान केंद्र (आई.सी.ई.ई.पी.), मदुरई और आई.एन.ओ., पोत्तिपुरम स्थलों के लिए निर्माण मंजूरी हेतु आवेदन किया है।
- उपर्युक्त मंजूरियां मिलने के बाद तमिलनाडु प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पी.सी.बी.) से मंजूरी प्राप्त करने हेतु आवेदन किया जाएगा।

संबंधित जानकारी

भारत-आधारित न्यूट्रीनो वेधशाला (आई.एन.ओ.)

- यह भारत के तमिलनाडु के थेनी के निकट आई.एन.ओ. के अतंर्गत 1,300 मीटर गहरी गुफा में मुख्य रूप से वायुमंडलीय न्यूट्रीनो का अध्ययन करने हेतु निर्माणाधीन एक कण भौतिकी अनुसंधान परियोजना है।
- यह परियोजना इस क्षेत्र में उल्लेखनीय है कि इससे न्यूट्रिनो मिश्रण पैरामीटरों की सटीक माप प्रदान करने की आशा है।
- यह परियोजना एक बहु-संस्थान सहयोग है और भारत में की गई सबसे बड़ी प्रयोगात्मक कण भौतिकी परियोजनाओं में से एक है।
- जब यह पूरी हो जाएगी, मुख्य चुंबकीय लोहा कैलोरीमीटर (आई.सी.ए.एल.) प्रयोग में विश्व के सबसे बड़े चुंबक का प्रयोग किया जाएगा, जो स्विट्ज़रलैंड के जिनेवा में सी.ई.आर.एन. में कॉम्पैक्ट मुओन सोलेनॉयड डिटेक्टर में 12,500 टन वजनी चुंबक से चार गुना बड़ा है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

21.12.2018

1. **राज्यों की स्टार्टअप रैंकिंग 2018**

- औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग (डी.आई.पी.पी.) ने राज्यों की अभी तक की पहली स्टार्टअप रैंकिंग 2018 के परिणामों की घोषणा की है।
- राज्यों को स्टार्ट-अप नीति नेतृत्वकर्ता, इनक्यूबेशन केंद्र, बीज बोने की प्रक्रिया के नवाचार, मापन नवाचार, विनियामक परिवर्तन चैंपियन, खरीद नेतृत्वकर्ता, संचार चैंपियन, उत्तर-पूर्वी नेतृत्वकर्ता और पहाड़ी राज्य नेतृत्वकर्ता जैसी विभिन्न श्रेणियों में नेतृत्वकर्ताओं के रूप में पहचाना गया है।

संबंधित जानकारी

- इन श्रेणियों में प्रदर्शन के आधार पर राज्यों को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शक, शीर्ष प्रदर्शक, नेतृत्वकर्ता, आकांक्षी नेतृत्वकर्ता, उभरते हुए (इमर्जिंग) राज्य और बेगनिर्स (प्रारंभकर्ता) के रूप में मान्यता प्रदान की गई है:

1. सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शक- गुजरात
2. शीर्ष प्रदर्शक - कर्नाटक, केरल, उड़ीसा और राजस्थान
3. नेतृत्वकर्ता- आंध्र प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और तेलंगाना
4. आकांक्षी नेतृत्वकर्ता- हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल
5. उभरते हुए (इमर्जिंग) राज्य - असम, दिल्ली, गोवा, जम्मू और कश्मीर, महाराष्ट्र, पंजाब, तमिलनाडु और उत्तराखंड
6. बिगिनर्स (प्रारंभकर्ता)- चंडीगढ़, मणिपुर, मिजोरम, नागालैंड, पुदुचेरी, सिक्किम और त्रिपुरा

उद्देश्य

- इस अभ्यास का मुख्य उद्देश्य राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को अपने राज्यों में स्टार्ट-अप पारिस्थितिक तंत्र को मजबूत करने हेतु सक्रिय कदम उठाने के लिए प्रोत्साहित करना था।
- इस कार्यप्रणाली का उद्देश्य भविष्य में अच्छे अभ्यासों को सीखने, साझा करने और अपनाने हेतु राज्यों के मध्य स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का निर्माण करना है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत-पी.आई.बी.

2. **<u>परिचालन समुद्र विज्ञान हेतु अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण केंद्र</u>**

- केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्री, हैदराबाद में आई.एन.सी.ओ.आई.एस. परिसर में नवनिर्माणित यूनेस्को श्रेणी 2, परिचालन समुद्र विज्ञान (आई.टी.सी.ओ. समुद्र) कॉम्प्लेक्स हेतु अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन करेंगे।
- यूनेस्को श्रेणी 2 केंद्र को आई.एन.सी.ओ.आई.एस. में एक प्रशिक्षण सुविधा के रूप में स्थापित किया गया है जो समुद्र विज्ञान और प्रबंधन के क्षेत्र में आई.एन.सी.ओ.आई.एस. के अनुभवों और विशेषज्ञों से लाभ प्राप्त करने हेतु हिंद महासागर से सीमा साझा करने वाले दक्षिणी एशियाई और अफ्रीकी राज्यों और प्रशांत क्षेत्र में स्थित छोटे द्वीप राष्ट्रों के लिए एक अवसर है।

संबंधित जानकारी

- इस क्षेत्र में आई.एन.सी.ओ.आई.एस. पहले से ही अग्रणी परिचालन समुद्र विज्ञान संस्थान के रूप में भूमिका अदा कर रहा था।
- अक्टूबर, 2012 से आई.ओ.सी./ यूनेस्को द्वारा केंद्र को क्षेत्रीय सुनामी सेवा प्रदाता (आर.टी.एस.पी.) के रूप में नामांकित किए जाने के बाद से यह संस्थान, हिंद महासागरीय तटीय क्षेत्रीय सहयोग संघ के 25 देशों को रियल टाइम के आधार पर सुनामी पूर्व चेतावनी जारी करता है।
- अफ्रीका और एशिया हेतु क्षेत्रीय समाकलित बहु-जोखिम पूर्व चेतावनी प्रणाली (आर.आई.एम.ई.एस.) के संरक्षण के अंतर्गत, आई.एन.सी.ओ.आई.एस. 5 देशों (श्रीलंका, मालदीव, सेचेल्स, मेडागास्कर और कैमरून) को समुद्री राज्य पूर्वानुमान और अन्य संबंधित चेतावनियां भी प्रदान करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – पर्यावरण

स्रोत-पी.आई.बी.

3. **<u>सरकार ने एशियाई शेर संरक्षण परियोजना की शुरूआत की है।</u>**

- भारत सरकार के पर्यावरण, वानिकी एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने "एशियाई शेर संरक्षण परियोजना" की शुरूआत की है।
- इसका उद्देश्य एशियाई शेरों की विश्व की अंतिम सीमा से मुक्त जनसंख्या और उससे संबद्ध पारिस्थिकी तंत्र की रक्षा करना और उसे संरक्षण प्रदान करना है।
- "एशियाई शेर संरक्षण परियोजना", अत्याधुनिक तकनीकों/ उपकरणों, नियमित वैज्ञानिक अनुसंधान अध्ययनों, रोग प्रबंधन, आधुनिक निगरानी/ गश्ती तकनीकों की सहायता से एशियाई शेरों के संरक्षण और पुनर्उत्थान हेतु जारी उपायों को मजबूती प्रदान करेगी।
- यह केन्द्रीय प्रायोजित योजना- वन्यजीव निवासियों का विकास (सी.एस.एस.-डी.डब्ल्यू.एच.) से वित्त पोषित होगी, जिसमें केंद्र और राज्य के योगदान का अनुपात 60:40 है।

संबंधित जानकारी

एशियाई शेर (पैंथेरा लियो परसिका)

- इसकी सीमा गिर राष्ट्रीय उद्यान और भारतीय राज्य, गुजरात के आस-पड़ोस तक सीमित है।
- आई.यू.सी.एन. रेड लिस्ट में इसके छोटे आकार और निवास क्षेत्र के कारण से इसे लुप्तप्राय के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – पर्यावरण

स्रोत-पी.आई.बी.

4. **iGOT (एकीकृत सरकारी ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम)**

- उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास राज्यमंत्री (डी.ओ.एन.ई.आर.) डॉ जितेंद्र सिंह ने आई.जी.ओ.टी. (एकीकृत सरकारी ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम) शुरु किया है।
- इसे कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, कार्मिक मंत्रालय, लोक शिकायत एवं पेंशन विभाग ने तैयार किया है।
- यह प्रमाणपत्र सहित ऑनलाइन मॉड्यूल-आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम के साथ मौजूदा प्रशिक्षण तंत्र को बढ़ाएगा।
- यह सरकारी कर्मचारियों को ऑनलाइन साइट पर अपनी सुविधानुसार प्रशिक्षण कार्यक्रम उपलब्ध कराएगा।
- इस पहल का लक्ष्य "सुशासन के लिए सक्षम नागरिक सेवा" है।
- उन्होंने प्रीमियर लॉ स्कूल, नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी (एनएलएसआईयू), बेंगलुरू के सहयोग से डी.ओ.पी.टी. द्वारा विकसित प्रशासनिक कानूनों पर हाइब्रिड कोर्स भी पेश किया।

संबंधित जानकारी

iGOT (एकीकृत सरकारी ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम)

- राष्ट्रीय प्रशिक्षण नीति -2012 का लक्ष्य है कि सभी सिविल सेवकों को उनकी वर्तमान या भविष्य की नौकरियों के लिए दक्षताओं में निपुण बनाने के लिए प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।
- ई-लर्निंग मोड पूरे देश में फैले हुए बड़ी संख्या में सिविल सेवकों को प्रशिक्षण के लिए अद्वितीय अवसर प्रदान करता है।
- विशाल ऑनलाइन ओपन कोर्स तंत्र के माध्यम से ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रशिक्षण संसाधनों के भंडार तक पहुंच का एक बिंदु प्रदान करने के लिए कई सरकारी और अन्य प्रशिक्षण संस्थानों को एक साथ लाने के लिए एक मंच होगा।
- यह देश के विभिन्न प्रमुख प्रशिक्षण संस्थानों में एक व्यापक प्रशिक्षण ईको-सिस्टम बनाने की सहभागिता प्रदान करेगा और प्रशिक्षण आवश्यकताओं को पूरा करेगा जो सभी अधिकारियों को केंद्रीय और राज्य सरकारों के पूरे पदानुक्रम में शामिल कर सकते हैं।
- इस कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण पाठ्यक्रम डीओपीटी के वेब पोर्टल के माध्यम से प्रदान किए जाएंगे।

5. GAS 20 19 – वैश्विक विमानन शिखर वार्ता के लिए लांच मोबाइल एप्लीकेशन

- भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (ए.ए.आई.) के साथ नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने अगले महीने मुंबई में होने वाले वैश्विक विमानन शिखर सम्मेलन के लिए एक आधिकारिक मोबाइल ऐप जी.ए.एस. 2019 को लॉन्च किया।
- यह ऐप प्रयोगकर्ताओं को निजी और समूह चैट के माध्यम से नेटवर्किंग के लिए मंच प्रदान करने के अलावा सह-प्रतिनिधियों और वक्ताओं के साथ बातचीत करने में सक्षम होगा।

संबंधित जानकारी

अंतर्राष्ट्रीय नागर विमानन संगठन

- यह संयुक्त राष्ट्र की एक विशेष एजेंसी है। यह अंतर्राष्ट्रीय वायु दिशासूचन सिद्धांतों और तकनीकों पर कानून बनाता है और सुरक्षित और व्यवस्थित विकास सुनिश्चित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय हवाई परिवहन की योजना और विकास को बढ़ावा देता है।
- इसका मुख्यालय कनाडा के क्यूबेक, मॉन्ट्रियल के क्वार्टियर इंटरनेशनल में स्थित है।
- आईसीएओ अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन पर शिकागो सम्मेलन के हस्ताक्षरकर्ता देशों में परिवहन सुरक्षा प्राधिकरणों के बाद हवाई दुर्घटना जांच के लिए प्रोटोकॉल को परिभाषित करता है।

विषय - सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र 2 – प्रशासन

स्त्रोत - पी.आई.बी.

6. **अमेरिका रूस के साथ मध्यम दूरी परमाणु बल (आई.एन.एफ.) संधि से हटा**

- रूसी सरकार ने 1987 की मध्यम दूरी वाले परमाणु बलों (आई.एन.एफ.) संधि से संयुक्त राज्य अमेरिका की वापसी की घोषणा की।

- शीत युद्ध के दौरान संयुक्त राज्य अमेरिका और यू.एस.एस.आर. के बीच हथियारों की दौड़ को समाप्त करना और यूरोप में कुछ रणनीतिक स्थिरता सुनिश्चित करना इस संधि का उद्देश्य था।
- राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अक्टूबर में घोषणा की कि वह 1987 मध्यम दूरी परमाणु बलों (आई.एन.एफ.) संधि को "समाप्त" करने की योजना बना रहे हैं क्योंकि रूस संधि का उल्लंघन कर रहा है।

संबंधित जानकारी

मध्यम दूरी परमाणु बल (आईएनएफ) संधि

- 1987 में अमेरिकी राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन और रूसी राष्ट्रपति मिखाइल गोर्बाचेव के बीच आई.एन.एफ. संधि पर हस्ताक्षर किए गए थे।
- संधि का उद्देश्य शीत युद्ध के दौरान संयुक्त राज्य अमेरिका और यू.एस.एस.आर. के बीच हथियारों की दौड़ को समाप्त करने और यूरोप में थोड़ी रणनीतिक स्थिरता को सुनिश्चित करना था।
- आई.एन.एफ. संधि ने 500-5,000 कि.मी. के बीच दूरी वाले लघु और मध्यम श्रेणी के ग्राउंड-लॉंच परमाणु मिसाइलों के विकास, परीक्षण और अधिकार पर प्रतिबंध लगा दिया।
- इसके साथ ही, 500-1,000 कि.मी. (छोटी दूरी) और 1000-5,500 कि.मी. (मध्यम दूरी) के साथ सभी परमाणु और पारंपरिक मिसाइलों के साथ-साथ उनके लांचर प्रतिबंधित कर दिए गए थे।
- यह संधि यूरोप में किसी भी व्यापक स्तर के परमाणु युद्ध के विरुद्ध एक शक्तिशाली निवारक साबित हुई।

नई स्टार्ट (सामरिक शस्त्र कटौती संधि)

- यह संयुक्त राज्य अमेरिका और रूसी संघ के बीच एक परमाणु हथियार कटौती संधि है जिसका औपचारिक नाम सामरिक हमलावर हथियारों की आगे की कटौती एवं बाध्यता के लिए उपाय है।
- इस संधि पर 8 अप्रैल 2010 में प्राग में हस्ताक्षर किए गए और अमुमोदन के बाद 5 फरवरी 2011 से यह लागू हो गयी।
- यह कम से कम 2021 तक चलने की उम्मीद है।
- नई स्टार्ट संधि ने मॉस्को (एस.ओ.आर.टी.) संधि का स्थान लिया है, जो दिसम्बर 2012 में समाप्त होने जा रही थी।
- संधि की शर्तों के तहत, सामरिक परमाणु मिसाइल लांचरों की संख्या आधे से कम कर दी जाएगी।
- एस.ओ.आर.टी. तंत्र के स्थान पर, एक नई निरीक्षण और सत्यापन व्यवस्था स्थापित की जाएगी।
- यह रूसी और अमरिकी हथियार खजानों में हज़ारों की संख्या में रहने वाले परिचालनीय निष्क्रिय स्टॉक परमाणु हथियारों की संख्या को सीमित नहीं करता है।

विषय - सामान्य अध्ययन पेपर 2 – अंतर्राष्ट्रीय संबंध

स्त्रोत - दि हिंदु

7. **ईसामसीह के जन्मस्थान पर, भीड़ कम करने के लिए एक ऐप्लीकेशन लांच हुई**

- इस ऐप्लीकेशन को अगले वर्ष की शुरुआत में पेश किया जाएगा, जिसका उद्देश्य चर्च ऑफ द नाटिविटी में पर्यटकों की नियंत्रित आवाजाही को सुनिश्चित करना है, जहां व्यस्त समय में आगंतुक भूमिगत ग्रोटो को देखने के लिए घंटों तक इंतजार करते हैं जहां ईसाई मानते हैं कि यीशु का जन्म एक नांद में हुआ था।

संबंधित जानकारी

- इस स्थान पर पहला गिरजाघर चौथी शताब्दी में बनाया गया था, हालांकि इसे छठी शताब्दी में आग लगने के बाद बदल दिया गया।
- बेथलहम पश्चिम किनारे पर यरूशलेम के दक्षिण में एक फिलिस्तीनी शहर है।
- बाइबिल के अनुसार यीशू का जन्मस्थान है, जोकि एक प्रमुख ईसाई तीर्थ स्थल है।
- जन्म को 6 वीं शताब्दी के चर्च ऑफ द नाटिविटी के नीचे एक ग्रोट्टो में एक ठोस चांदी के तारे द्वारा चिह्नित किया जाता है, जो सेंट कैथरीन के 15वीं शताब्दी के चर्च के साथ मेंगर स्क्वायर साझा करता है।

विषय - सामान्य अध्ययन 1 – कला और संस्कृति

स्त्रोत - दि हिंदु

8. **रिपोर्ट - भारत में महिला का होना असेहतमंद माना गया है**

- हालिया विधानसभा चुनावों ने देश में जागरूक महिला मतदाताओं की भूमिका पर प्रकाश डाला है।
- इसके बावजूद, देश को विश्व आर्थिक मंच पर जारी वैश्विक लिंगानुपात रिपोर्ट, 2018 में शामिल 149 देशों में से निराशाजनक 108वें स्थान पर रखा गया है।
- यहां तक कि दक्षिण एशियाई क्षेत्र में, जो कि दूसरा सबसे कम अंक वाला क्षेत्र है, 2 प्रतिशत के शेष लिंगानुपात के साथ, भारत बांग्लादेश, श्रीलंका और नेपाल के पीछे चौथे स्थान पर है।
- लिंगानुपात के चार प्रमुख स्तंभ हैं - आर्थिक अवसर, राजनीतिक सशक्तिकरण, शिक्षा, और स्वास्थ्य एवं उत्तरजीविता है।
- रिपोर्ट में भारत में महिलाओं के स्वास्थय को निम्न प्राथमिकता दिए जाने को रेखांकित किया गया है, जिसने विश्व स्वास्थ्य और उत्तरजीविता पैमाने पर हमें नीचे से तीसरे स्थान पर रखा है, जोकि लिंगानुपात, कुपोषण, जीवन प्रत्याशा सहित अन्य मूलभूत स्वास्थ्य मानकों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।
- रिपोर्ट में भारत में लिंग के आधार पर आर्थिक असमानता पर भी प्रकाश डाला गया है, जब यह कहता है कि भारत में महिलाएं घर के काम और घरेलू देखभाल सहित थोक में अवैतनिक कार्यों (पुरुषों की तुलना में पांच गुना अधिक) करती हैं।
- एक हालिया रिपोर्ट में बताया गया है कि 56 वर्षों में, भारत की लोकसभा में निर्वाचित महिला प्रतिनिधि अपनी संख्या को दोगुना करने में सक्षम नहीं है।
- इससे पहले, लिंग और आपदा जोखिम में कमी से संबंधित एक यू.एन.डी.पी. रिपोर्ट ने रेखांकित किया था कि आपदा के दौरान महिलाओं और बच्चों के जान जाने की संभावना पुरुषों की तुलना में 14 गुना अधिक होती है।
- इस तथ्य पर जोर दिया गया कि आपदाओं के दौरान महिलाओं पर खतरे का उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति से सीधा संबंध है।

विषय - सामान्य अध्ययन 2 – महिला सशक्तीकरण

स्त्रोत - डाउन टू अर्थ

9. **रिपोर्टर्स विद्आउट बॉर्डर्स - भारत एक पत्रकार के लिए पांचवा सबसे जानलेवा देश है**

- रिपोर्टर्स विदआउट बॉर्डर्स (आर.एस.एफ.) की एक नई रिपोर्ट से पता चलता है कि इस वर्ष मारे गए पत्रकारों की संख्या में वृद्धि हुई है, अब तक कुल 80 मारे गए हैं।
- रिपोर्ट में कहा गया है कि 2018 में अफगानिस्तान में 15 पत्रकार मारे गए थे, जिससे अमेरिका के नेतृत्व में युद्ध शुरू होने के 17 साल बाद देश में रिपोर्टिंग करने का सबसे खतरनाक स्थान बना दिया गया।
- सीरिया में 11, मेक्सिको में 9, यमन में 8 और भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रत्येक में 6 की मौत हुई है।
- सकारात्मक समाचार इराक से था, जहां आर.एस.एफ. ने 2003 के अमेरिकी नेतृत्व वाले हमले के बाद पहली बार किसी पत्रकार की हत्या नहीं हुई थी।

संबंधित जानकारी

रिपोर्टर्स विदआउट बार्डर्स (आर.डब्ल्यू.बी.)

- यह पेरिस, फ्रांस में स्थित एक अंतरराष्ट्रीय गैर-लाभकारी, गैर-सरकारी संगठन है, जो सूचना की आजादी और प्रेस की स्वतंत्रता से संबंधित मुद्दों पर राजनीतिक वकालत करता है।

10. **महाराष्ट्र सरकार ने तेम्भू सिंचाई परियोजना के लिए 4,089 करोड़ रुपए मंजूर किए**

- महाराष्ट्र सरकार ने सतारा जिले में तेम्भू उच्च सिंचाई परियोजना के लिए 4,089 करोड़ रुपए की कुल धनराशि को मंजूरी दे दी है।
- यह सिंचाई परियोजना सतारा, सोलापुर और सांगलि जिलो में बारहमासी सूखे से पीड़ित क्षेत्रों को मदद पहुंचाएगा।

- इस सिंचाई परियोजना में तेम्भू गांव के पास कृष्णा नदी पर एक बांध का निर्माण करके 22 बिलियन घन फुट जल को संग्रह किया जाएगा जिससे सतारा, सांगली और सोलापुर जिलों में सात तालुकों कराड, खाड़ेगांव, तासगांव, खानापुर, अटपड़ी, कावाथे-महाकाल में 80,000 हेक्टेयर क्षेत्र की सिंचाई होगी।

विषय - सामान्य अध्ययन 2 – सरकारी नीतियां

स्त्रोत - बिज़नेस स्टैण्डर्ड

11. **जम्मू-कश्मीर संविधान के अनुच्छेद 92 के तहत जम्मू-कश्मीर में राष्ट्रपति शासन लागू किया गया**

- 20 दिसंबर, 2018 को, राज्यपाल के शासन के छह महीने बाद जम्मू-कश्मीर में राष्ट्रपति शासन लगाया गया।
- राज्य के संविधान के अनुच्छेद 92 के अनुसार, राज्यपाल शासन के छह महीने अनिवार्य है जिसके अंतर्गत सभी विधायिका शक्तियां राज्यपाल के पास होती हैं।
- राज्यपाल को छह महीने की अवधि के बाद विधानसभा को भंग करना पड़ता है और राज्य अगले छह महीने के लिए सीधे राष्ट्रपति शासन के अंतर्गत आ जाएगा जिसके दौरान राज्य में चुनाव घोषित किए जाएंगे।
- यदि चुनाव घोषित नहीं किए जाते हैं, तो राष्ट्रपति शासन को छह महीने आगे और बढ़ाया जा सकता है।
- राज्य के संविधान के अनुसार, राज्य में तीन साल से अधिक समय के लिए राष्ट्रपति शासन नहीं लागू होगा बशर्ते कि भारत का निर्वाचन आयोग हस्तक्षेप कर इसे तीन साल से अधिक समय के लिए बढ़ाने की मांग करे, यह प्रमाणित करते हुए कि विधानसभा के लिए आम चुनावों के आयोजन में कठिनाई होने के कारण राष्ट्रपति शासन को आगे बढ़ाना आवश्यक है।

संबंधित जानकारी

- भारतीय संविधान के अनुसार, किसी राज्य (जम्मू-कश्मीर को छोड़कर) में संवैधानिक तंत्र के विफल हो जाने पर वहां भारतीय संविधान के अनुच्छेद 356 को लागू करना राष्ट्रपति शासन है।

विषय - सामान्य अध्ययन 2 – भारतीय राजनीति

स्त्रोत - हिंदुस्तान टाइम्स

24.12.2018

1. **मुख्यमंत्री कृषि योजना**

- झारखंड ने किसानों की मदद करने के लिए “नयी मुख्यमंत्री कृषि योजना के अंतर्गत 2250 करोड़ रूपए की योजना की घोषणा की है जो वर्ष 2019-20 वित्तीय वर्ष से शुरू की जाएगी।

संबंधित जानकारी

योजना की मुख्य विशेषताएं

- राज्य सरकार अगले वित्तीय वर्ष से 22.76 लाख मध्यम और सीमांत किसानों को 5,000 रुपये प्रति एकड़ की दर से प्रदान करेगी।
- जिन किसानों के पास एक एकड़ से कम जमीन है उन्हें 5000 रूपए और जमीन की अधिकतम सीमा पांच एकड़ है।
- यह किसानों की बिना किसी पर निर्भर हुए बिना कृषि उद्देश्यों के लिए बीज, उर्वरक खरीदने और अन्य आवश्यक्ताओं को पूरा करने में मदद करेगा।
- यह योजना वर्ष 2022 तक देश के किसानों की आय को दोगुना करने में मदद करेगी।

किसानों की आय दोगुनी करने से संबंधित अन्य योजनाएं

कृषोन्नति योजना

- "हरित क्रांति- कृषोन्नति योजना" का लक्ष्य 11 कृषि योजनाओं को एक छत्रीय योजना में लाने के साथ ही इसकी प्रभावी रूप से निगरानी करना है।
- ये योजनाएँ उत्पादन और उत्पादकता में वृद्धि करके और उत्पादों पर बेहतर रिटर्न देकर किसानों की आय बढ़ाने के लिए समग्र और वैज्ञानिक तरीके से कृषि और संबंद्ध क्षेद्ध के विकास पर ध्यान केंद्रित करती है।
- प्रमुख योजनाएँ बागवानी समाकलित विकास मिशन (एम.आई.डी.एच.), राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (एन.एफ.एस.एम.), राष्ट्रीय सतत कृषि मिशन (एन.एम.एस.ए.), कृषि तंत्र उप-मिशन (एस.एम.ए.एम.) और कृषि विणन एकीकृत योजना (आई.एस.ए.एम.) हैं।

- अन्य योजनाएं कृषि विस्तार उप-मिशन (एस.एम.ए.ई.), बीज एवं पौधारोपण सामग्री उप-मिशन (एस.एम.एस.पी.), पौधा संरक्षण एवं पौधा संगरोध उप-मिशन (एस.एम.पी.पी.क्यू.), कृषि जनगणना, अर्थशास्त्र और सांख्यिकी एकीकृत योजना (आई.एस.ए.सी.ई.एस.), कृषि निगम एकीकृत योजना (आई.एस.ए.सी.) और राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस योजना (एन.ई.जी.पी.ए.-ए.) हैं।
- इन योजनाओं का उद्देश्य उत्पादन हेतु ढांचे का निर्माण करना और उसे मजबूत करना, उत्पादन लागत को कम करना और कृषि एवं संबंद्ध उत्पादों का विपणन करना है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- इकोनॉमिक टाइम्स

2. **<u>कालिया योजना: आजीविका एवं आय संवर्धन हेतु कृषक सहायता</u>**

- उड़ीसा सरकार ने कालिया योजना के अंतर्गत किसानों के विकास हेतु 10,000 करोड़ रुपये की योजना की घोषणा की है।
- इस योजना में योजना के अंतर्गत राज्य के सभी छोटे और सीमांत किसानों (30 लाख से अधिक) को शामिल किया जाएगा।
- कालिया योजना में भूमिहीन परिवारों के लिए आजीविका सहायता हेतु एक घटक भी शामिल है।
- दस लाख भूमिहीन परिवारों को बकरी पालन इकाइयों, मिनी परत इकाइयों, बत्तख इकाइयों, मछुआरों और महिलाओं के लिए मत्स्य किट, मशरूम की खेती और मधुमक्खी पालन जैसी गतिविधियों को शुरू करने हेतु 12,500 रुपये की इकाई लागत के साथ समर्थन प्रदान किया जाएगा।
- भूमिहीन परिवारों के पास किसी भी इकाई को चुनने का विकल्प उपलब्ध होगा।
- यह योजना विशेष रूप से अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के परिवारों को लाभान्वित करेगी।
- कालिया योजना में 2 लाख रुपये का जीवन बीमा कवर भी शामिल है और 2 लाख रुपये का अतिरिक्त व्यक्तिगत दुर्घटना मुआवजा किसानों और भूमिहीन किसान मजदूरों दोनों को प्रदान किया जाएगा, इसमें लगभग 74 लाख परिवार शामिल हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत-टाइम्स ऑफ इंडिया

3. **<u>एम.एच.ए. ने किसी भी कंप्यूटर संसाधन तक पहुंचने हेतु 10 केंद्रीय संस्थाओं को प्राधिकृत किया है।</u>**

- गृह मंत्रालय (एम.एच.ए.) ने निगरानी, डिक्रिप्टिंग और अवरोधन के उद्देश्य से किसी भी कंप्यूटर में संग्रहित जानकारी तक पहुँचने हेतु देश की 10 सुरक्षा और खुफिया संस्थाओं को प्राधिकृत करने का एक आदेश जारी किया है।
- यह प्राधिकरण, सूचना अधिनियम, 2000 की धारा 69 की उपधारा (1) के अंतर्गत दिया गया है।
- इसका अनुपालन न करने के परिणामस्वरूप सात साल की कैद और जुर्माना हो सकता है।
- किसी भी कंप्यूटर संसाधन तक पहुँचने हेतु 10 केंद्रीय संस्थाओं: खुफिया ब्यूरो, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो, प्रवर्तन निदेशालय, केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, राजस्व खुफिया निदेशालय, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो, राष्ट्रीय जांच एजेंसी, कैबिनेट सचिवालय (आर. & ए.डब्ल्यू.), सिग्नल खुफिया निदेशालय (केवल जम्मू और कश्मीर, उत्तर-पूर्व और असम के सेवा क्षेत्रों हेतु) और पुलिस आयुक्त, दिल्ली को प्राधिकृत किया गया है।

संबंधित जानकारी

गृह मंत्रालय

- यह मुख्य रूप से आंतरिक सुरक्षा और देशीय नीतियों के रखरखाव हेतु जिम्मेदार है।
- गृह मंत्रालय का प्रमुख केंद्रीय गृह राज्य मंत्री होता है।

- गृह मंत्रालय भारतीय पुलिस सेवा (आईपी.एस.), डी.ए.एन.आई.पी.एस. और डी.ए.एन.आई.सी.एस. हेतु संवर्ग नियंत्रण प्राधिकरण भी है। मंत्रालय का पुलिस-I विभाग, भारतीय पुलिस सेवा के सापेक्ष संवर्ग नियंत्रण प्राधिकरण है। जब कि, यू.टी. डिवीजन, डी.ए.एन.आई.पी.एस. और डी.ए.एन.आई.सी.एस., अरुणाचल प्रदेश-गोवा-मिजोरम-केंद्र शासित प्रदेशों (ए.जी.एम.यू.टी.) कैडर में तैनात और काम करने वाले अखिल भारतीय सेवा अधिकारी हेतु प्रशासनिक प्रभाग है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत-पी.आई.बी.

4. **<u>पोक्कली धान: खतरे में है।</u>**

- पोक्कली धान की किस्म केरल के अलाप्पुझा, अर्नाकुलम और थ्रिशूर जिलों के तटीय खेतों में उगाई जाने वाली एक खारे पानी की धान है।
- यह केरल के लिए स्थानिक है और इसे भौगोलिक संकेत (जी.आई.) टैग प्रदान किया गया था।
- मत्स्य पालन के मौसम के बाद जून और नवंबर के मध्य खारे पानी के खेतों में एकल-मौसम धान उगाई जाती है।
- फसल के बाद खेतों में धान का चारा, झींगा और छोटी मछलियों के लिए भोजन और आश्रय का काम करता है।
- विघटित चारे के साथ मछली का मलमूत्र और पैमाना, पोक्कली को अगले मौसम हेतु उत्कृष्ट प्राकृतिक खाद प्रदान करता है।
- इस खेती में श्रम की गहन आवश्यक्ता होती है और श्रम की कमी के कारण खेती की यह परंपरा खतरे में है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

5. **<u>मातृत्व लाभ कार्यक्रम पी.एम.एम.वी.वाई. के अंतर्गत राज्यों ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है: एम.ओ.एस.डब्ल्यू.सी.डी.</u>**

- महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के राज्य मंत्री ने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना नामक मातृत्व लाभ कार्यक्रम के अंतर्गत राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के प्रदर्शन की सूची जारी की है।
- आंध्र प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और मध्य प्रदेश ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्यों के रूप में सूची में शीर्ष स्थान प्राप्त किया है।

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (पी.एम.एम.वी.वाई.)

- इसे वर्ष 2016 में महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के अंतर्गत शुरू किया गया था।
- यह एक केंद्र प्रायोजित योजना है।
- कानून के अनुसार केंद्र, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मध्य लागत-साझाकरण अनुपात 60:40 है।
- आठ पूर्वोत्तर राज्यों और तीन हिमालयी राज्यों के लिए यह अनुपात 90:10 है और कानून के बिना केंद्र शासित प्रदेशों को 100 प्रतिशत केंद्रीय सहायता प्रदान की जाएगी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- इकोनॉमिक टाइम्स

6. **<u>भारत ने उड़ीसा तट से दूर अब्दुल कलाम द्वीप पर परमाणु सक्षम अग्नि- IV मिसाइल का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है।</u>**

- भारत ने अपनी लंबी दूरी की परमाणु सक्षम बैलेस्टिक मिसाइल अग्नि- IV का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है, जिसकी मारक क्षमता 4,000 कि.मी. है।

अग्नि- IV

- अग्नि- IV, अग्नि श्रृंखला की मिसाइलों में चौथी मिसाइल है जिसे पहले अग्नि II प्राइम के नाम से जाना जाता था।
- यह मिसाइल हल्के वजन की है और इसमें ठोस प्रणोदन के दो चरण हैं और पुन: प्रवेश हीट शील्ड के साथ पेलोड भी है।
- यदि इसे पूर्वोत्तर भारत से लॉन्च किया जाए तो यह चीन के लगभग सभी (बीजिंग और शंघाई सहित) शहरों पर हमला करने में सक्षम है।
- अग्नि- IV मिसाइल उन्नत हवाई जहाजों से सुसज्जित है, जो 5 वीं पीढ़ी के ऑन बोर्ड कंप्यूटर और वितरित वास्तुकला है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –रक्षा

स्रोत- द हिंदू

7. **एस.डी.जी. इंडिया सूचकांक: बेसलाइन रिपोर्ट 2018**

- नीति आयोग द्वारा जारी किए गए इस प्रकार के पहले एस.डी.जी. सूचकांक के अनुसार: संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सही मार्ग पर चलने के पदों में हिमाचल प्रदेश, केरल और तमिलनाडु को सर्वोच्च स्थान प्रदान किया गया है।
- एस.डी.जी. सूचकांक में प्रत्येक राज्य और केंद्र शासित प्रदेश के लिए उसके कुल प्रदर्शन के आधार पर कुल 17 एस.डी.जी. लक्ष्यों में से 13 के लिए एक समग्र स्कोर शामिल है।
- 13 एस.डी.जी. और उनके सापेक्षिक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए 0 से 100 के मध्य का स्कोर, राज्य/ केंद्रशासित प्रदेश के औसत प्रदर्शन को दर्शाता है।
- औसत भारतीय स्कोर 57 था।
- इस सूचकांक का उद्देश्य राज्यों के मध्य सामाजिक सूचकांकों में अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने हेतु प्रतिस्पर्धा पैदा करना है क्यों कि वर्ष 2030 तक निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए राज्यों की प्रगति ही भारत की प्रगति का निर्धारण करेगी।
- इस सूचकांक का उपयोग करते हुए राज्यों की निगरानी रियल टाइम के आधार पर की जाएगी।

रिपोर्ट के परिणाम

- केरल और हिमाचल प्रदेश का एस.डी.जी. इंडिया सूचकांक में स्कोर 69 है।
- केरल के शीर्ष स्थान को अच्छा स्वास्थ्य प्रदान करने, भुखमरी को कम करने, लैंगिक समानता हासिल करने और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने में इसके सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को समर्पित किया जाता है।
- हिमाचल प्रदेश को उच्च स्थान स्वच्छ पानी और स्वच्छता प्रदान करने, असमानताओं को कम करने और पर्वतीय पारिस्थितिकी तंत्र को संरक्षित करने हेतु प्रदान किया गया है।
- तमिलनाडु का स्कोर 66 है और गरीबी उन्मूलन के साथ-साथ स्वच्छ और सस्ती ऊर्जा प्रदान करने के लक्ष्यों को प्राप्त करने के संदर्भ में यह शीर्ष स्कोर करने वाला राज्य है।
- केंद्रशासित प्रदेशों में, चंडीगढ़ 68 के स्कोर के साथ सबसे आगे है। चंडीगढ़ को अपने क्षेत्र के लोगों को स्वच्छ पानी और स्वच्छता प्रदान करने में अपने अनुकरणीय प्रदर्शन के कारण अग्रणी स्थान प्रदान किया गया है। इसने सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा प्रदान करने, सभ्य कार्य और आर्थिक विकास करने और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने की दिशा में अच्छी प्रगति की है।
- कुल मिलाकर, राज्यों के लिए सबसे खराब औसत स्कोर लैंगिक समानता (36), सतत शहरों और समुदायों के निर्माण में (39), उद्योग, नवाचार और बुनियादी ढांचे को सक्षम करने में (44) और भुखमरी समाप्त करने में (48) में प्रदान किया गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

8. **अल्बिनो आरंगुटान**

- हाल ही में, विश्व की एक मात्र ज्ञात दुर्लभ "एल्बिनो ऑरंगुटान" प्रजाति, इंडोनेशिया में बोर्नियो के एक दूरदराज के क्षेत्रों में दुर्बल और रक्तरंजित पाए जाने के एक वर्ष से अधिक समय बाद वह पुन: वापस जंगलों वापस आयी है।

आरंगुटान

- आरंगुटान, महावानरों की तीन मौजूदा प्राजातियां हैं जो मुख्य रूप से इंडोनेशिया और मलेशिया के मूल निवासी है।
- तीन मौजूदा प्रजातियां हैं-

1. बोर्नियाई ऑरंगुटान
2. सुमात्रायी ऑरंगुटान
3. तपानुली आरंगुटान

- ऑरंगुटान वर्तमान में इंडोनेशिया, मलेशिया और ब्रुनेई और सुमात्रा के इंडोनेशियाई द्वीप द्वारा साझा किए गए एक द्वीप बोर्नियो पर तराई के जंगलों में निवास करते हैं।

- आई.यू.सी.एन. में इसकी स्थिति: गंभीर रूप से लुप्तप्राय की श्रेणी मे है।
- पिछले कुछ दशकों में लठ्ठे, कागज, ताड़ के तेल और खनन हेतु वनोन्मूलन के कारण निवास के स्थानों में कमी आने के कारण यह गंभीर रूप से लुप्तप्राय प्रजाति समाप्त हो गई थी।

बोर्नियो द्वीप

- यह एशिया का सबसे बड़ा और विश्व का तीसरा सबसे बड़ा द्वीप है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – जैवविविधता

स्रोत- द हिंदू

9. **<u>रक्षा मंत्री ने भारतीय नौसेना के सूचना एकीकरण केंद्र का उद्घाटन किया है।</u>**

- रक्षा मंत्री ने भारतीय नौसेना सूचना एकीकरण केंद्र (आई.एफ.सी.) का उद्घाटन किया है, जिसका उद्देश्य समुद्री जागरूकता विकसित करना और जहाजों पर जानकारी साझा करने हेतु सदस्य देशों और बहु-राष्ट्रीय संस्थाओं के साथ मिलकर काम करना है।
- उन्होंने कहा है कि आई.एफ.सी.-हिंद महासागर क्षेत्र, इस क्षेत्र में क्षमता निर्माण, समय पर घटना प्रतिक्रिया और आपदा राहत के समन्वय और पनडुब्बी सुरक्षा जानकारी भी साझा करेगा।
- आई.एफ.सी.-आई.ओ.आर. को प्रारंभ में एक आभासी निर्माण के रूप में शुरू किया जा रहा है, जिसमें इंटरनेट के माध्यम से सूचना का विनिमय इलेक्ट्रॉनिक रूप से किया जाएगा।

टॉपिक- जी.एस.-3- रक्षा

स्रोत- टाइम्स ऑफ इंडिया

25.12.2018

1. **<u>पोलावरम परियोजना</u>**

- आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री ने पोलावरम बहुउद्देश्यीय सिंचाई परियोजना की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया है और कहा है कि अब तक लगभग 63 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है।

संबंधित जानकारी

पोलावरम परियोजना

- पोलावरम परियोजना, पश्चिम गोदावरी जिले और आंध्र प्रदेश में पूर्वी गोदावरी जिले में गोदावरी नदी पर निर्माणाधीन बहुउद्देश्यीय सिंचाई परियोजना है।
- इस परियोजना को भारत की केंद्र सरकार द्वारा राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा प्रदान किया गया है और यह दर्जा प्रदान की जाने वाली यह अंतिम योजना होगी।
- इसका जलक्षेत्र छत्तीसगढ़ और उड़ीसा राज्य के कुछ भागों में भी फैला हुआ है।

परियोजना के उद्देश्य

- राष्ट्रीय नदी-लिंकिंग परियोजना, जो भारतीय जल संसाधन मंत्रालय के तत्वावधान में कार्यरत है, जिसे देश में पानी की कमी को दूर करने के लिए डिज़ाइन किया गया था।
- इस योजना के एक भाग के रूप में हिमालयी नदियों के अतिरिक्त जल को भारत की प्रायद्वीपीय नदियों में स्थानांतरित किया जाना है।
- निर्माण के बाद यह अब तक की दुनिया की सबसे बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजना होगी। परियोजना के इस मामले में, गोदावरी नदी घाटी को अधिशेष माना जाता है जब कि कृष्णा नदी घाटी को अभावपूर्ण माना जाता है।

पट्टीसीमा लिफ्ट सिंचाई योजना

- पट्टीसीमा, लिफ्ट सिंचाई परियोजना, पोलावरम नहर के माध्यम से गोदावरी और कृष्णा नदियों को जोड़ती है।
- इस परियोजना में एशिया के सबसे बड़े पंप हाउसों में से एक शामिल है, जिसमें 7,476 वर्ग मीटर के क्षेत्र में 24 पंपिंग इकाईयां फैली हुई हैं।
- ये पंप कृष्णा नदी के डेल्टा में किसानों के लाभ के लिए पोलावरम परियोजना राइट मुख्य कैनाल में पट्टीसीमा में गोदावरी नदी से निकलने वाले अतिरिक्त जल को वितरित करती है।
- पट्टिसेमा लिफ्ट सिंचाई योजना, कृष्णा डेल्टा को उसके पिछले गौरव को पुनर्जीवित करने और पूरी तरह से सूख चुकी कृष्णा नदी में पुन: जीवन लाने में मदद करेगी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- टी.ओ.आई.

2. **<u>केंद्र सरकार ने दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की स्मृति में 100 रुपये का स्मारक सिक्का जारी किया है।</u>**

- प्रधानमंत्री ने दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की स्मृति में 100 रुपये का स्मारक सिक्का जारी किया है।
- यह 100 रुपये की मुद्रा, सिक्के के रूप में सबसे अधिक मूल्यवर्ग की होगी।
- यह सिक्का 25 दिसंबर को जारी किया गया है, जिसे गुड गवर्नेंस डे और स्वर्गीय प्रधानमंत्री की जयंती के रूप में भी मनाया जाता है।

संबंधित जानकारी

सिक्के

- भारत सरकार को सिक्का टकसालों का एकमात्र अधिकार है।
- समय-समय पर संशोधित सिक्का अधिनियम, 1906 के संदर्भ में सिक्के की जिम्मेदारी भारत सरकार की होती है।
- मुंबई, अलीपुर (कोलकाता), सैफाबाद (हैदराबाद), चेरलापल्ली (हैदराबाद) और नोएडा (यू.पी.) में भारत सरकार के चार टकसालों पर सिक्के छापे जाते हैं।
- भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम के संदर्भ में सिक्के केवल रिज़र्व बैंक के माध्यम से प्रचलन के लिए जारी किए गए हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – अर्थशास्त्र

स्रोत-पी.आई.बी.

3. **<u>आयकर की धारा 197</u>**

- केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सी.बी.डी.टी.) ने एन.आर.आई. और निवासी आवेदकों के संदर्भ में धारा 197 और 206C (9) के अंतर्गत ऑनलाइन माध्यम से आवेदन पत्र भरने से छूट प्रदान करने को मंजूरी देने का निर्णय लिया है।
- आयकर नियम, 1962 में एक डिजिटल हस्ताक्षर अथवा ई.वी.सी. का उपयोग करके आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 197 के अंतर्गत कम कटौती अथवा बिना कटौती के लिए इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से आवेदन भरना निर्धारित करने हेतु संशोधन किया गया था।
- ट्रेसेस पोर्टल के माध्यम से सी.पी.सी.-टी.डी.एस. द्वारा ऑनलाइन दाखिले हेतु कार्यक्षमता उपलब्ध कराई गई है।
- धारा 197 और 206C (9) के अतंर्गत आवेदन हेतु फॉर्म संख्या 13 सामान्य फॉर्म है।
- आयकर अधिनियम की धारा 119(1) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों के आधार पर केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सी.बी.डी.टी.) में निम्नलिखित शामिल है:
- अनिवासी भारतीयों (एन.आर.आई.) को स्वीकृति प्रदान करना, जो टी.डी.एस. अधिकारी अथवा ए.एस.के. केंद्रो के समक्ष फॉर्म संख्या 13 में नियमानुसार आवेदन करने हेतु स्वयं को ट्रेसेस में पंजीकृत करने में सक्षम नहीं हैं।
- निवासी भारतीयों को टी.डी.एस. अधिकारी अथवा ए.एस.के. केंद्रो के समक्ष फॉर्म संख्या 13 में नियमानुसार आवेदन करने हेतु स्वीकृति प्रदान करना है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2- गवर्नेंस

स्रोत- इकोनॉमिक टाइम्स

4. **<u>असम में बोगीबील पुल: भारत का सबसे लंबा रेलमार्ग पुल</u>**

- यह पुल अरुणाचल प्रदेश में सीमा पर रसद में सुधार करने हेतु भारत द्वारा योजनाबद्ध बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का हिस्सा है।
- 94 कि.मी. लंबा बोगीबील पुल, एशिया का दूसरा सबसे बड़ा और भारत का सबसे लंबा रेलमार्ग पुल है।
- यह दो मंजिल की संरचना के साथ भारत का एकमात्र पूरी तरह से वेल्डेड पुल है, जिसमें निचली मंजिल पर दो रेलवे लाइन और ऊपरी मंजिल पर तीन लेन सड़क है, यह इतना मजबूत है कि इस पर से विशाल सैन्य टैंको को गुजारा जा सकता है।
- बोगीबील पुल, असम के डिब्रूगढ़ जिले में ब्रह्मपुत्र नदी के दक्षिणी तट को अरूणाचल प्रदेश की सीमा पर स्थित धेमाजी जिले में सिलापाथर के साथ जोड़ेगा।

- इसे हैदराबाद आधारित नवयुग इंजीनियरिंग कंपनी द्वारा बनाया गया है।
- ऐसा पहली बार हुआ है जब यूरोपीय कोड और वेल्डिंग मानकों का पालन करते हुए भारत में एक पुल का निर्माण किया गया है।

लाभ:

- यह असम से अरुणाचल प्रदेश तक की यात्रा के समय को चार घंटे तक (तिनसुकिया से होते हुए 170 कि.मी. के चक्कर को कम करेगा) और दिल्ली से डिब्रूगढ़ तक की यात्रा के समय को लगभग तीन घंटे (पहले के 37 घंटे की तुलना में अब 34 घंटे) तक कम कर देगा।
- यह पूर्वोत्तर की दूरी को भी 165 कि.मी. कम कर देगा, जिससे इस क्षेत्र में प्रतिदिन 10 लाख रूपए के ईंधन की बचत होगी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –कला एवं संस्कृति

स्रोत- द हिंदू

5. **<u>अंतर्राष्ट्रीय व्हेलिंग आयोग (आई.डब्ल्यू.सी.)</u>**

- हाल ही में, जापान ने अंतर्राष्ट्रीय व्हेलिंग आयोग (आई.डब्ल्यू.सी.) से बाहर निकलने पर विचार किया है।
- टोक्यो वर्तमान में प्रतिबंध का अवलोकन कर रहा है लेकिन प्रत्येक वर्ष "वैज्ञानिक उद्देश्यों" के साथ-साथ मांस बेचने हेतु सैकड़ों व्हेल को मारने हेतु बचाव के रास्ते का लाभ उठा रहा है।

संबंधित जानकारी

अंतर्राष्ट्रीय व्हेलिंग आयोग (आई.डब्ल्यू.सी.)

- अंतर्राष्ट्रीय व्हेलिंग आयोग (आई.डब्ल्यू.सी.) एक अंतर्राष्ट्रीय निकाय है जिसे अंतर्राष्ट्रीय व्हेलिंग विनियामक सम्मेलन (आई.सी.आर.डब्ल्यू.) के नियमों के अनुसार स्थापित किया गया है।
- व्हेल स्टॉक के समुचित संरक्षण हेतु अमेरिका के वाशिंगटन डी.सी. में 2 दिसंबर, 1946 को इसे हस्ताक्षरित किया गया था और इस प्रकार व्हेलिंग उद्योग का क्रमिक विकास संभव हो पाया था।
- इसका मुख्यालय इंग्लैंड के इम्पिंगटॉन में स्थित है। इसने वर्ष 1986 में वाणिज्यिक व्हेलिंग पर प्रतिबंध लगाया था जो कि अभी तक लागू है।

व्हेल अभयारण्य

यहां पर दो व्हेल अभयारण्य स्थित हैं।

1. **दक्षिणी महासागर व्हेल अभयारण्य**

- वर्ष 1994 में, अंटार्कटिका महाद्वीप के आसपास दक्षिणी महासागर व्हेल अभयारण्य का निर्माण किया गया था।

2. **हिंद महासागर व्हेल अभयारण्य**

- सेशेल्स के छोटे द्वीप राष्ट्र द्वारा इसे स्थापित किया गया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –जैवविविधता

स्रोत- द हिंदू

6. **<u>तमिलनाडु: भारत का पहला संगीत संग्रहालय, थिरूवाइयारू में स्थापित किया जाएगा।</u>**

- देश के पहले संगीत संग्रहालय को केंद्र सरकार की सहायता से तमिलनाडु के थिरूवाइयारू में स्थापित किया जाएगा।
- थिरूवाइयारू, संत त्यागराज का जन्म स्थान है, जो कि कर्नाटक संगीत की विरासतों में से एक है।

संबंधित जानकारी

- थिरूवाइयारू में प्रत्येक वर्ष जनवरी में आयोजित होने वाला त्यागराज आराधना संगीत समारोह, पूरे विश्व की संगीत प्रतिभा को आकर्षित करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –कला एवं संस्कृति

स्रोत-पी.आई.बी.

7. **<u>अंडमान को समुद्र के नीचे केबल प्राप्त हुए हैं।</u>**

- चेन्नई अंडमान निकोबार द्वीप (सी.ए.एन.आई.) केबल प्रणाली में 100 गीगाबिट प्रति सेकंड की गति होगी।
- यह अंडमान और निकोबार द्वीप समूह की संचार सुरक्षा में मदद करने के अतिरिक्त विशेष रूप से प्राकृतिक आपदाओं अथवा अन्य प्रणालियों की विफलताओं के दौरान भारत के लिए अत्यंत रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होगा।

- प्रस्तावित परियोजना को द्वीप में रक्षा संचार बुनियादी ढांचे को प्रोत्साहन प्रदान करने हेतु स्थापित किया गया है।
- वर्तमान में, महाद्वीप और अंडमान एवं निकोबार के मध्य दूरसंचार कनेक्टिविटी सीमित बैंडविड्थ क्षमता वाले उपग्रहों के माध्यम से स्थापित की गई है।
- पनडुब्बी केबल प्रणाली, भारतीय महाद्वीप को चेन्नई से केंद्रशासित प्रदेश के आठ द्वीपों से जोड़ेगी।
- ये द्वीप पोर्ट ब्लेयर, लिटिल अंडमान (हट बा), कार निकोबार, कामोर्टा, ग्रेट निकोबार (कैंपबेल खाड़ी), हैवलॉक, लॉन्ग और रंगत हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- इकोनॉमिक टाइम्स

8. **<u>पी.एन.बी. रुपे कार्ड: कुंभ मेला 2019 के लिए लॉन्च किया गया है।</u>**

- राज्य-स्वामित्व वाले पंजाब नेशनल बैंक (पी.एन.बी.) ने उत्तर प्रदेश सरकार के सहयोग से कुंभ मेला 2019 के लिए पी.एन.बी. रूपे कार्ड नामक एक विशेष कार्ड लॉन्च किया है।
- इसका उद्देश्य कुंभ मेले के इस संस्करण में भाग लेने वाले 12 करोड़ भक्तों हेतु सुविधाजनक और परेशानी मुक्त हस्तांतरण हेतु डिजिटलीकरण के लिए एक मॉडल का निर्माण करना है।
- इस रुपे कार्ड को इंटरनेट के बिना भी प्रयोग किया जा सकता है।

संबंधित जानकारी

कुंभ मेला

- कुंभ मेला, आस्था का एक व्यापक हिंदू तीर्थ है जिसमें हिंदू एक पवित्र अथवा संगम नदी में स्नान करने हेतु एकत्र होते हैं।
- परंपरागत रूप से चार मेलों को व्यापक रूप से कुंभ मेले के रूप में मान्यता प्रदान की गई है:

1. प्रयाग कुंभ मेला (प्रयाग संगम- गंगा, यमुना और सरस्वती का संगम)
2. हरिद्वार कुंभ मेला (गंगा नदी के किनारे)
3. नासिक-त्रयंबकेश्वर सिंहस्थ (गोदावरी नदी के किनारे)
4. उज्जैन सिंहस्थ (शिप्रा नदी के किनारे)

- दिए गए किसी भी स्थान पर प्रत्येक 12 वर्ष में एक बार कुंभ मेले का आयोजन किया जाता है।
- यह दिए गए चार स्थानों में से किसी एक स्थान पर चक्रीय क्रम में प्रत्येक तीसरे वर्ष आयोजित किया जाता है: हरिद्वार, इलाहाबाद, नासिक और उज्जैन में किसी भी स्थान पर प्रत्येक तीसरे वर्ष कुंभ मेले का आयोजन किया जाता है।
- महाकुंभ, 12 पूर्ण कुंभ मेलों के बाद आयोजित होता है अर्थात महाकुंभ प्रत्येक 144 वर्षों के बाद आयोजित होता है। अर्धकुंभ ("आधा कुंभ") मेला, प्रत्येक 6 वर्षों में प्रयाग और हरिद्वार में आयोजित किया जाता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –कला एवं संस्कृति

स्रोत- ए.आई.आर.

9. **<u>इंडोनेशिया सुनामी</u>**

- इंडोनेशिया की सुंडा जलसंधि पर तटीय शहरों में सुनामी की चपेट में आने से 222 से अधिक लोग मारे गए हैं और 843 से अधिक लोग घायल हुए हैं।
- यह माना जा रहा है कि अनक क्रकाटाउ ज्वालामुखी के नीचे भूस्खलन होने के कारण सुनामी आयी है।

सुंडा जलसंधि

- यह जावा और सुमात्रा के द्वीपों के मध्य जावा सागर को हिंद महासागर से जोड़ती है।

क्रकाटाऊ ज्वालामुखी

- क्रकाटाऊ एक ज्वालामुखीय द्वीप है जो इंडोनेशियाई प्रांत लमपुंग में जावा और सुमात्रा के द्वीपों के मध्य सुंडा जलसंधि में स्थित है।

26.12.2018

1. **कोरेगांव-भीमा युद्ध**

- हाल ही में, सरकार ने कोरेगांव-भीमा युद्ध की 201वीं वर्षगांठ के लिए कड़ी सुरक्षा की घोषणा की है, जिससे कि इस वर्ष 1 जनवरी को मनाए जाने वाले द्विशताब्दिक महोत्सव को बिगाड़ने वाली किसी भी प्रकार की हिंसक झड़पों को रोका जा सके।

संबंधित जानकारी

कोरेगांव भीमा युद्ध

- कोरेगाँव का युद्ध 1 जनवरी, 1818 को कोरेगांव भीमा में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी और मराठा संघ के पेशवा गुट के मध्य लड़ा गया था।
- यह युद्ध तीसरे आंग्ल-मराठा युद्ध (नवंबर, 1817 – फरवरी, 1818) का भाग था।
- पेशवा बाजीराव द्वितीय के नेतृत्व में 28,000 सशक्त मराठा पुणे पर हमला करने का इरादा रखते थे।
- इस लक्ष्य के मार्ग में वे 800 सशक्त कंपनी बल से मिले जो पुणे में ब्रिटिश सैनिकों को मजबूत करने के लिए जा रहे थे।
- पेशवा ने कोरेगाँव में तैनात कंपनी बल पर हमला करने के लिए लगभग 2,000 सैनिकों को भेजा।
- कप्तान फ्रांसिस स्टॉन्टन द्वारा नेतृत्व की गई कंपनी की टुकड़ियों ने लगभग 12 घंटे तक युद्ध किया।
- जनरल जोसेफ स्मिथ के नेतृत्व में एक बड़ी ब्रिटिश सेना के आगमन के डर से मराठा अंततः पीछे हट गए।
- कोरेगांव में इस युद्ध की याद में एक "विजय स्तंभ" (शिलास्तंभ) है।
- भारतीय मूल के कंपनी सैनिकों में मुख्य रूप से बॉम्बे नेटिव इन्फैंट्री से संबंधित महार दलित सैनिक शामिल थे और इसलिए दलित कार्यकर्ता इस युद्ध को दलित इतिहास के वीरगाथा संस्करण के रूप में मानते हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 – भारतीय इतिहास के महत्वूपर्ण युद्ध

स्रोत- द हिंदू

2. **विश्व के सबसे छोटे टिक-टैक-टो बोर्ड गेम को डी.एन.ए. के साथ विकसित किया गया है।**

- कैलिफोर्निया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (अमेरिका) के शोधकर्ताओं ने गतिशील डी.एन.ए. की सूक्ष्म कार्बनिक संरचनाओं का प्रयोग करके विश्व के सबसे छोटे टिक-टैक-टो बोर्ड गेम को बनाया है, जिसे पूर्वनिर्धारित प्रारूप में बदलने हेतु प्रोग्राम किया जा सकता है।
- इस तकनीक का प्रयोग करते हुए उन्होंने टिक-टैक-टो के एक सूक्ष्म खेल का आनंद लिया जिसमें खिलाड़ी अपने X और O को बोर्ड में विशेष डी.एन.ए. टाइल जोड़कर रखते हैं।
- उन्होंने इतालवी बहुश्रुत लियोनार्ड द विंसी की प्रतिष्ठित पेंटिंग मोना लिसा का विश्व का सबसे छोटा संस्करण बनाने हेतु इसे चुना था।

संबंधित जानकारी

डी.एन.ए. (डीऑक्सीराइबोन्यूक्लिक एसिड)

- यह जटिल आणविक संरचना का एक कार्बनिक रसायन है जो सभी प्रोकैरियोटिक और यूकेरियोटिक कोशिकाओं और कई विषाणुओं में पाया जाता है।
- डी.एन.ए., वंशानुगत लक्षणों के संचरण के लिए आनुवंशिक जानकारी को कोड करता है।
- डी.एन.ए. चार न्यूक्लियोटाइड्स A, C, G और T का बहुलक है जो एकांतर फॉस्फेट और डीऑक्सीराइबोज चीनी के अवशेषों की एक रीढ़ की हड्डी के माध्यम से जुड़ते हैं।
- हाइड्रोजन बंध बनाने की अपनी क्षमता के अनुसार ये नाइट्रोजनयुक्त क्षार पूरक जोड़ों में उपस्थित होते हैं।
- जेम्स वाटसन और फ्रांसिस क्रिक ने निर्धारित किया है कि डी.एन.ए. की संरचना एक द्विकुंडलीकृत बहुलक है, एक सर्पिल जिसमें दो डी.एन.ए. किस्में एक दूसरे के चारो ओर लिपटी होती हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

3. **<u>सरकार ने चीन से दुग्ध उत्पादों के आयात पर प्रतिबंध को 4 महीने और बढ़ा दिया है।</u>**

- सरकार ने वाणिज्य मंत्रालय द्वारा अगले वर्ष 23 अप्रैल तक चीन से दूध और दुग्ध उत्पादों के आयात पर प्रतिबंध को चार महीने के लिए और बढ़ा दिया है।
- यह प्रतिबंध सबसे पहले सितंबर, 2008 में लगाया गया था और बाद में समय-समय पर इसे बढ़ाया जाता गया है।

संबंधित जानकारी

- चीन से आयात की गई दूध की कुछ खेपों में मेलामाइन की मौजूदगी की आशंका पर यह प्रतिबंध लगाया गया था।
- मेलामाइन एक विषाक्त रसायन है जिसका उपयोग प्लास्टिक और उर्वरक बनाने के लिए किया जाता है।
- भारत, विश्व में दूध का सबसे बड़ा उत्पादक और उपभोक्ता है।
- भारत प्रतिवर्ष लगभग 150 मिलियन टन दूध का उत्पादन करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- टी.ओ.आई.

4. **<u>सदैव अटल</u>**

- पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की जयंती के अवसर पर राष्ट्र को अटल बिहारी वाजपेयी जी की समाधि, सदैव अटल समर्पित की गई है।
- अनेकता में एकता पर जोर देने के लिए नई दिल्ली में राजघाट के निकट बनायी गयी समाधि के निर्माण में देश के विभिन्न स्थानों के पत्थरों का उपयोग किया गया है।
- समाधि में एक केंद्रीय मंच है जो नौ वर्गाकार खंडों से मिलकर बना है जिनके मध्य में एक दीपक रखा है।
- संख्या 9, नवरसों, नवरात्रों और नवग्रहों का प्रतिनिधित्व करती है।
- एक वृत्ताकार कमल की आकृति के प्रारूप में नौ वर्गाकार खंडों को स्थापित किया गया है।

संबंधित जानकारी

अटल बिहारी वाजपेयी

- अटल बिहारी वाजपेयी ने वर्ष 1996 में 13 दिनों की अवधि के लिए, फिर वर्ष 1998 से 1999 तक 13 महीनों की अवधि के लिए और फिर वर्ष 1999 से 2004 तक पूर्ण कार्यकाल के लिए भारत के प्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया है।
- उनका जन्म 25 दिसंबर, 1924 को ग्वालियर में हूआ था।
- उनका निधन 16 अगस्त, 2018 को हूआ था।
- उनकी जयंती, 25 दिसंबर को सुशासन दिवस के रूप में मनाई जाती है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 – कला एवं संस्कृति

स्रोत- द हिंदू

5. **<u>एस.एस.बी. की 55वीं वर्षगांठ परेड का आयोजन किया गया है।</u>**

- सशस्त्र सीमा बल (एस.एस.बी.) ने अपनी 25वीं बटालियन, घिटोरनी में अपनी 55वीं वर्षगांठ परेड का आयोजन किया है।
- एस.एस.बी., गृह मंत्रालय के अंतर्गत काम करता है।

संबंधित जानकारी

केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल

- यह वर्ष 2011 से गृह मंत्रालय के प्रधिकरण के अंतर्गत भारत में पांच सुरक्षा बलों के एकीकृत नामकरण को संदर्भित करता है।
- वे हैं:

1. सीमा सुरक्षा बल (बी.एस.एफ.) - पाकिस्तान और बांग्लादेश के साथ भारत की सीमा की सुरक्षा करते हैं
2. केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सी.आर.पी.एफ.) - केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में सबसे बड़ा
3. केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सी.आई.एस.एफ.) -विभिन्न सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पी.एस.यू.) और अन्य महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा स्थापना, देश भर के प्रमुख हवाई अड्डों को सुरक्षा प्रदान करता है और चुनावों के दौरान सुरक्षा प्रदान करता है और अन्य आंतरिक सुरक्षा कर्तव्यों का निर्वहन और वी.वी.आई.पी. सुरक्षा प्रदान करता है।

4. भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आई.टी.बी.पी.) - लद्दाख में कराकोरम दर्रे से अरुणाचल प्रदेश में दिफूला तक चीन की सीमा से सुरक्षा हेतु तैनात है।
5. सशस्त्र सीमा बल (एस.एस.बी.) - भारत-नेपाल और भारत-भूटान सीमाओं की सुरक्षा करते हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – रक्षा

स्रोत-पी.आई.बी.

6. **<u>यूरिया की कमी</u>**

- मध्य प्रदेश और राजस्थान राज्यों में यूरिया की कमी के संदर्भ में मीडिया में हाल की खबरों के विपरीत, भारत सरकार के उर्वरक विभाग (डी.ओ.एफ.) ने राज्य स्तर पर उपलब्ध मासिक आपूर्ति और स्टॉक का विवरण प्रदान किया है।

संबंधित जानकारी

यूरिया

- यूरिया को कार्बामाइड भी कहते हैं, जो कार्बोनिक अम्ल का डाइएमाइड होता है।
- इसका सूत्र H2NCONH2 होता है।
- यूरिया का उर्वरक और खाद्य पूरक के रूप में महत्वूपर्ण उपयोग है, इसके साथ ही साथ प्लास्टिक और दवाओं के निर्माण के लिए एक प्रारंभिक सामग्री के रूप में भी इसका महत्वूपर्ण उपयोग है।
- यह एक रंगहीन, क्रिस्टलीय पदार्थ है जो 132.7 ° C (271 ° F) पर पिघलता है और उबालने पर अपघटित हो जाता है।
- यूरिया, सभी स्तनधारियों और कुछ मछलियों में प्रोटीन के चयापचय अपघटन का मुख्य नाइट्रोजनीकृत अंतिम उत्पाद है।
- यह पदार्थ न केवल सभी स्तनधारियों के मूत्र में होता है बल्कि उनके रक्त, पित्त, दूध और पसीने में भी उपस्थित होता है।
- प्रोटीन के टूटने के दौरान अमीनो समूह (NH2), उन अमीनों अम्लों से हट जाता है जिनमें आंशिक रूप से प्रोटीन समाहित होता है।
- ये अमीनो समूह, अमोनिया (NH3) में परिवर्तित हो जाते हैं जो शरीर के लिए विषाक्त होती है और इसे यकृत द्वारा अवश्य ही यूरिया में परिवर्तित किया जाना चाहिए।
- यूरिया, गुर्दे से होकर गुजरती है और अंततः मूत्र के रूप में शरीर से बाहर निकल जाती है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत-पी.आई.बी.

7. **<u>राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग (एन.सी.एस.के.)</u>**

- हाल ही में, एन.सी.एस.के. ने सिफारिश की है कि मैनुअल सफाई कार्य की प्रथा को समाप्त करने हेतु पूरे भारत में सभी राज्यों में व्यक्तिगत राज्य सफाई कर्मचारी आयोग होना चाहिए।

संबंधित जानकारी

एन.सी.एस.के.

- यह एक वैधानिक निकाय है जो सफाई कर्मचारियों के कल्याण से संबंधित मामलों की जांच करता है और सरकार को सिफारिश करता है।
- इसे सफाई कर्मचारियों के हितों और अधिकारों को संरक्षण और सवंर्धन प्रदान करने हेतु 12 अगस्त, 1994 को 3 साल की अवधि के लिए राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग अधिनियम, 1993 के प्रावधानों के अंतर्गत गठित किया गया था।

कार्य

- आयोग निम्नलिखित में से सभी अथवा कोई भी कार्य करेगा-

1. समयबद्ध कार्य योजना के अंतर्गत सफाई कर्मचारियों की स्थिति, सुविधाओं और अवसरों में असमानता को समाप्त करने दिशा में कार्रवाही हेतु केंद्र सरकार के विशिष्ट कार्यक्रमों की सिफारिश करना।
2. सफाई कर्मचारियों के सामाजिक और आर्थिक पुनर्वास से संबंधित कार्यक्रमों और योजनाओं के कार्यान्वयन का अध्ययन और मूल्यांकन करना और ऐसे कार्यक्रमों और योजनाओं के बेहतर समन्वय और कार्यान्वयन हेतु केंद्र सरकार और राज्य सरकारों से सिफारिश करना।
3. विशिष्ट शिकायतों की जांच करना और निम्न के गैर-कार्यान्वयन से संबंधित मामलों की स्वःप्रेरणा नोटिस लेना:
4. कार्यक्रम अथवा योजनाएँ

5. निर्णय, दिशानिर्देश अथवा निर्देश, जिसका उद्देश्य सफाइकर्मचारियों आदि की कठिनाईयों को कम करना है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

8. **<u>अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव, 2018</u>**

- हरियाणा के कुरूक्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव 2018 का समापन किया गया है।
- इस वर्ष के संस्करण में मॉरीशस, साझेदार देश था और गुजरात, साझेदार राज्य था।

संबंधित जानकारी

भगवदगीता

- भगवद् गीता को सामान्यत: गीता के रूप में संदर्भित किया जाता है।
- यह संस्कृत में 700 श्लोकों वाला हिंदू धर्मग्रंथ है जो हिंदू महाकाव्य महाभारत (महाभारत की 6वीं पुस्तक के 23-40 अध्याय) का भाग है।
- गीता को पांडव राजकुमार अर्जुन और उनके मार्गदर्शक एवं सारथी श्री कृष्ण के मध्य संवाद की कथात्मक रूपरेखा में संजोया गया है।
- भगवद् गीता धर्म, आस्तिक भक्ति और मोक्ष के लिए योग मार्ग के संदर्भ में हिंदू विचारों के संकलन को प्रस्तुत करती है।
- गांधी ने गीता को "आध्यात्मिक शब्दकोश" के रूप में संदर्भित किया है।

नोट: मॉरीशास, फरवरी 2019 में गीता महोत्सव का आयोजन करेगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 – कला एवं संस्कृति

स्रोत- टी.ओ.आई.

9. **<u>ईरान में आयोजित त्रिपक्षीय चाबहार समझौते के कार्यान्वयन हेतु कार्रवाही समिति की पहली बैठक आयोजित की गई है।</u>**

- भारत, अफगानिस्तान और ईरान के मध्य त्रिपक्षीय चाबहार समझौते के कार्यान्वयन हेतु कार्रवाही समिति की पहली बैठक का आयोजन ईरान के बंदरगाह शहर चाबहार में किया गया था।
- वे तीनों देशों के मध्य व्यापार और पारगमन गलियारों के लिए मार्गों पर सहमत हुए थे।
- भारत बंदरगाह वैश्विक लिमिटेड कंपनी ने इस अवसर पर चाबहार में अपना कार्यालय खोला और उसका संचालन किया था।
- कार्रवाही समिति की अगली बैठक वर्ष 2019 में भारत में आयोजित की जाएगी।

टॉपिक- जी.एस.-2- द्विपक्षीय एवं क्षेत्रीय समझौते

स्रोत- ए.आई.आर.

27.12.2018

1. **<u>रूस ने सफलतापूर्वक 'हाइपरसोनिक मिसाइल' का परीक्षण किया है।</u>**

- हाल ही में, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के एक प्रमुख शीत युद्ध-युग के परमाणु हथियार संधि से बाहर निकलने की योजना की घोषणा के बाद रूस ने अपनी हाइपरसोनिक मिसाइल का परीक्षण किया है।

संबंधित जानकारी

मैक नंबर

- यह चारो-ओर के माध्यम में एक पिंड की गति और ध्वनि की गति का अनुपात है।
- सबसोनिक यदि मैक नंबर <.8 है।
  ट्रांसोनिक यदि मैक नंबर 0.8 और 1.2 के बीच है।
  सुपरसोनिक यदि मैक नंबर 1.2 और 5.0 के बीच है।
  हाइपरसोनिक यदि मैक नंबर 5.0 और 10.0 के बीच है।

क्रूज़ मिसाइल

- क्रूज मिसाइल एक नियंत्रित मिसाइल है जिसका उपयोग उन स्थलीय लक्ष्यों पर हमला करने हेतु किया जाता है जो वातावरण में बने रहते हैं और अपने उड़ान पथ के अधिकांश भाग को लगभग एक नियत चाल से तय करते हैं।
- क्रूज मिसाइलों को बड़े बमों को लंबी दूरी पर अधिक यर्थाथता के साथ प्रक्षेपित करने हेतु डिज़ाइन किया गया है।
- क्रूज मिसाइलों को हवा से भी लॉन्च किया जा सकता है और वे पृथ्वी के वायुमंडल के भीतर उड़ सकती हैं।

बैलिस्टिक मिसाइल

- बैलिस्टिक मिसाइल एक मिसाइल है जो एक पूर्व निर्धारित लक्ष्य पर एक या एक से अधिक बमों को प्रक्षेपित करने के उद्देश्य से एक बैलिस्टिक प्रक्षेप पथ का अनुसरण करती है।
- एक अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल प्रक्षेप पथ में तीन भाग होते हैं-

1. संचालित उड़ान भाग
2. मुक्त-उड़ान भाग-उड़ान के अधिकतम समय रहता है
3. पुन: प्रवेश चरण- जहां मिसाइल पृथ्वी के वायुमंडल में पुन: प्रवेश करती है।

- बैलिस्टिक मिसाइलों को निश्चित स्थानों और वाहनों (जैसे, ट्रांसपोर्टर इरेक्टर लॉन्चर (टी.ई.एल.), विमान, जहाज और पनडुब्बियों अथवा मोबाइल लांचर से लॉन्च किया जा सकता है।

विभिन्न देशों द्वारा उपयोग की जाने वाली हाइपरसोनिक मिसाइल के प्रकार

- 3M22 जिरकॉन रूस हाइपरसोनिक एंटी-शिप क्रूज मिसाइल।
- ब्रह्मोस- II (300 कि.मी.) वर्तमान में भारत और रूस में विकसित की जा रही एक हाइपरसोनिक मिसाइल है।
- बोइंग X-51- संयुक्त राज्य अमेरिका पर आधारित उच्च गति मारक आयुध मिसाइल
- के.एस.-90 (3,000–4,000 कि.मी.) सोवियत संघ/रूस की हाइपरसोनिक हवा से सतह पर मार करने वाली क्रूज मिसाइल है जिसे वर्ष 1990 में यू.एस.एस.आर. द्वारा विकसित किया गया था और बाद में रूस द्वारा विकसित किया गया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – रक्षा

स्रोत- द हिंदू

2. **<u>तेलंगाना, आंध्र प्रदेश को अलग उच्च न्यायालय प्रदान किए जाएंगे।</u>**

- राष्ट्रपति ने आंध्र प्रदेश के लिए एक अलग उच्च न्यायालय के निर्माण का आदेश जारी किया है जो 1 जनवरी, 2019 से प्रभावी होगा।
- हैदराबाद में न्यायपालिका का उच्च न्यायालय अब तेलंगाना का उच्च न्यायालय बन जाएगा।
- आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के उच्च न्यायालयों के लिए न्यायाधीशों को भी आवंटित किया गया है।
- न्यायाधीशों का स्थानांतरण आंध्र प्रदेश से तेलंगाना में किया जा रहा है।

उच्च न्यायालय

- प्रत्येक राज्य में एक उच्च न्यायालय होना चाहिए (अनु.- 214) लेकिन दो या दो से अधिक राज्यों के लिए एक उच्च न्यायालय स्थापित करने की शक्ति संसद के पास निहित है।
- उच्च न्यायालय, राज्य में न्यायपालिकाओं के प्रमुख के रूप में होता है।
- महत्वपूर्ण अनुच्छेद:
  (i) नियुक्ति (अनु.- 217)
  (ii) एक उच्च न्यायालय से दूसरे में स्थानांतरण (अनु.-222)
  (iii) निष्कासन (अनु.-217 (1))
  (iv) उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों की आयु जैसे विवादों का निर्धारण (अनु. 217 (3)) आदि
- अब केंद्र सरकार द्वारा उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के स्थानांतरण की शक्ति का उच्च न्यायालय पर नियंत्रण का कोई तरीका नहीं रह गया है क्यों कि सर्वोच्च न्यायालय ने भारत के राष्ट्रपति द्वारा अनुच्छेद 143 के अंतर्गत अपनी शक्तियों के प्रयोगों के संदर्भ में इस प्रयोजन के लिए एक प्रक्रिया निर्धारित की है।
- सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि भारत के मुख्य न्यायाधीश को उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीशों के विचारों को समझना चाहिए जिससे प्रस्तावित स्थानांतरण को भी प्रभावित किया जा सके और यही समान कार्य उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को करना चाहिए जिससे स्थानांतरण प्रभावित हो सकें।
- उच्च न्यायालय प्रत्येक राज्य और केंद्र शासित प्रदेश में मूल अधिकार क्षेत्र का प्रमुख नागरिक न्यायालय हैं।
- हालां कि, एक उच्च न्यायालय अपने मूल नागरिक और आपराधिक क्षेत्राधिकार का केवल तभी उपयोग करता है जब अधीनस्थ अदालतें कानून द्वारा प्राधिकृत नहीं होती हैं जिससे कि

वे इस तरह के मामलों के लिए आर्थिक, क्षेत्रीय अधिकारिता की कमी के लिए प्रयास कर सकें।

- उच्च न्यायालय भी निश्चित मामलों में मूल अधिकार क्षेत्र का प्रयोग कर सकते हैं यदि यह विशेष रूप से किसी राज्य अथवा संघीय कानून में निर्दिष्ट हो।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

3. **<u>अटल आयुष्मान उत्तराखंड योजना</u>**

- उत्तराखंड सरकार द्वारा अटल आयुष्मान उत्तराखंड योजना शुरू की गई है।
- यह योजना केंद्र की आयुष्मान भारत योजना से प्रेरित है।
- इस योजना के अंतर्गत, राज्य में प्रत्येक परिवार वार्षिक 5 लाख रुपये तक का चिकित्सा उपचार कराने का लाभ प्राप्त करने में सक्षम होगा।
- राज्य में बच्चों और वृद्ध लोगों के लिए निशुल्क ओ.पी.डी. सुविधा उपलब्ध कराने हेतु सरकार और निजी अस्पतालों के मध्य समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

संबंधित जानकारी

आयुष्मान भारत

- सरकार ने आयुष्मान भारत कार्यक्रम के भाग के रूप में स्वास्थ्य क्षेत्र में दो बड़ी पहलों की घोषणा की है-
- ये पहलें हैं-

1. स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्र
2. राष्ट्रीय स्वास्थ्य सुरक्षा योजना

- यह योजना वर्तमान में चल रही केंद्र प्रायोजित योजना में शामिल होगी-

1. राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना (आर.एस.बी.वाई.)
2. वरिष्ठ नागरिक स्वास्थ्य बीमा योजना (एस.सी.एच.आई.एस.)

राष्ट्रीय स्वास्थ्य सुरक्षा योजना अथवा मोदीकेयर

- राष्ट्रीय स्वास्थ्य सुरक्षा योजना में 10 करोड़ गरीब और कमजोर परिवारों अथवा लगभग 50 करोड़ लोग शामिल होंगे।
- यह योजना विश्व की सबसे बड़ी सरकारी वित्त पोषित स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रम है।
- द्वितीयक और तृतीयक स्तर के देखभाल अस्पताल में भर्ती करने हेतु प्रत्येक परिवार के लिए एक वर्ष में अधिकतम 5 लाख रूपए तक का उपचार कराने की सुविधा प्रदान की जाएगी।
- इस योजना में अस्पताल में भर्ती करने के पहले और बाद के खर्च भी शामिल होंगे।

स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्र

- राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति, 2017 ने भारत की स्वास्थ्य प्रणाली की नींव के रूप में स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्रों की कल्पना की है।
- इस योजना के अंतर्गत स्थापित किए जाने वाले 1.5 लाख केंद्र, स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली को लोगों के घरों के नजदीक लाएंगे।
- ये केंद्र व्यापक स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करेंगे, जिनमें गैर-संचारी रोग और मातृ एवं बाल स्वास्थ्य सेवाएं भी शामिल हैं।
- इस फ्लैगशिप कार्यक्रम के लिए 1200 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – स्वास्थ्य एवं मुद्दे

स्रोत-ए.आई.आर.

4. **<u>मध्य प्रदेश: कुनो को राष्ट्रीय उद्यान के रूप में अधिसूचित किया गया है।</u>**

- मध्य प्रदेश में कुनो वन्यजीव अभयारण्य को 'राष्ट्रीय उद्यान' के रूप में अधिसूचित किया गया है।
- राज्य सरकार ने कुनो वन्यजीव अभ्यारण्य को पहले अधिसूचित किए गए 344.686 वर्ग कि.मी. के क्षेत्रफल के अतिरिक्त 404.0758 वर्ग कि.मी. क्षेत्रफल में फैले हुए भाग को समावेशित करते हुए कुल 748.7618 वर्ग कि.मी. क्षेत्रफल को राष्ट्रीय उद्यान के रूप में घोषित किया है।
- गुजरात के गिर से एशियाई शेरों के स्थानांतरण के संदर्भ में बहुप्रतीक्षित सर्वोच्च न्यायालय द्वारा नियुक्त 6 सदस्यीय समिति द्वारा दी गई अंतिम शर्त के अनुपालन हेतु कुनो को राष्ट्रीय उद्यान के रूप में अधिसूचित करने हेतु मध्य प्रदेश वन विभाग सरकार के बदलने का इंतजार कर रहा था।

संबंधित जानकारी

कुनो वन्यजीव अभयारण्य

- कुनो वन्यजीव अभयारण्य, मध्य भारत के एक राज्य उत्तर-पश्चिमी मध्य प्रदेश के शिओपुर जिले में स्थित है।
- यह काठियावाड़-गिर शुष्क पर्णपाती वन पारिस्थिकी क्षेत्र का हिस्सा है।
- कुनो वन्यजीव अभयारण्य को लुप्तप्राय एशियाई शेरों के प्रजनन स्थल के रूप में चुना गया था क्यों कि यह लगभग 1873 में विलुप्त होने का शिकार होने से पहले शेरों की पूर्व श्रेणी में है।
- शेरों को पड़ोसी भारतीय राज्य गुजरात के गिर वन्यजीव अभयारण्य से स्थानांतरित करना पड़ेगा क्यों कि वहां पर वर्तमान में अत्यधिक शेर हैं।
- इसमें सहरिया जनजाति के चौबीस गांवों को विस्थापित किया गया है, जो एशियाई शेरों के प्रजनन हेतु निर्धारित किए गए दूरस्थ प्रमुख क्षेत्र में रहते थे, जो वहां से हटने पर सहमत थे।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – जैवविविधता

स्रोत- द हिंदू

5. **<u>तमिलनाडु का आदिवासी समुदाय बदुगा अपने वार्षिक हेद्दईयाम्मन त्योहार को मनाता है।</u>**

- तमिलनाडु के नीलगिरी जिले में आदिवासी बदुगा समुदाय अपने वार्षिक हेद्दईयाम्मन त्योहार को मना रहा है।
- समुदाय की पारंपरिक सफेद पोशाक पहनकर हजारों भक्त कोटागिरी के निकट कन्नेरीमुक्कू और कोबेत्ता और कुन्नूर के निकट हल्लू केराई में अपने परम देवता के प्रति श्रद्धा व्यक्त करने हेतु इकठ्ठा होते हैं।
- लोग 48 दिनों का उपवास करते हैं और एक पवित्र तीर लेकर धार्मिक जुलूसों में चलते हैं जो पारंपरिक बडागा देवी के चमत्कारों का प्रतीक है।

बदुगा

- बदुगा, नीलगिरि में रहने वाला एक स्वदेशी जनजातीय समूह हैं और ये इस जिले के 400 से अधिक दूरस्थ पहाड़ी गांवों पर रहते हैं।

टॉपिक-जी.एस. पेपर 1 – कला एवं संस्कृति

स्रोत- ए.आई.आर.

6. **<u>तानसेन सम्मान -2018</u>**

- सितार वादक मंजू मेहता को 'तानसेन सम्मान' -2018 से सम्मानित किया गया है।

संबंधित जानकारी

तानसेन समारोह

- तानसेन समारोह अथवा तानसेन संगीत समरोह प्रत्येक वर्ष दिसंबर माह में मध्य प्रदेश के ग्वालियर जिले के बेहट गाँव में आयोजित किया जाता है।
- यह कार्यक्रम मध्य प्रदेश सरकार की संस्कृति विभाग अकादमी के द्वारा तानसेन के मकबरे के निकट आयोजित किया जाता है।

तानसेन सम्मान

- प्रतिष्ठित 'राष्ट्रीय तानसेन सम्मान' हिंदुस्तानी संगीत के प्रतिपादकों को दिया जाने वाला एक संगीत पुरस्कार है।
- यह पुरस्कार संस्थानों को उत्तम संगीत विकसित करने हेतु भी प्रदान किया जाता है।
- यह समारोह पिछले 94 वर्षों से ग्वालियर में आयोजित किया जा रहा है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 – कला एवं संस्कृति

स्रोत- बिजनेस स्टैंडर्ड

7. **<u>शीघ्र ही एक अन्य ऑलिव रिडले प्रजनन स्थल स्थापित किया जाएगा।</u>**

- उड़ीसा वन विभाग अपने वन्यजीव नक्शे में एक अन्य ऑलिव रिडले प्रजनन स्थल को जोड़ने के लिए तैयार है।
- बहूदा रूड़की में सुनापुर से अनंतपुर तक समुद्र तट के चारो-ओर 3 कि.मी. के क्षेत्र में संभावित ऑलिव रिडले प्रजनन स्थल का विकास किया जा रहा है।

संबंधित जानकारी

ओलिव रिडले कछुआ

- ओलिव रिडले समुद्री कछुए को प्रशांत रिडले समुद्री कछुए के रूप में भी जाना जाता है, यह विश्व में पाए जाने वाले सभी समुद्री कछुओं में सबसे छोटे और सबसे अधिक हैं।

- समुद्री कछुओं की यह प्रजाति गर्म और उष्णकटिबंधीय पानी में पाई जाती है, यह प्रजाति मुख्य रूप से प्रशांत और हिंद महासागर में पायी जाती है।
- ये अटलांटिक महासागर के गर्म पानी में भी पाए जा सकते हैं।
- आई.यू.सी.एन. की रेड सूची में इन्हें कमजोर की श्रेणी में रखा गया है।
- भारत में कुछ महत्वपूर्ण प्रजनन स्थल - कोरिंगा वन्यजीव अभयारण्य (आंध्र प्रदेश) का होप द्वीप, गहिरमाथा तट (उड़ीसा), अस्तारंगा तट (उड़ीसा), रुशिकुल्या नदी का तट हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – जैवविविधता

स्रोत- द हिंदू

8. **<u>थाइलैंड, मरिजुआना और क्राटोम को चिकित्सीय रूप से वैध करने वाला पहला दक्षिणपूर्वी एशियाई देश बन गया है।</u>**

- थाईलैंड ने चिकित्सीय उपयोग और अनुसंधान हेतु मारिजुआना और क्राटोम के लाइसेंस प्राप्त प्रयोग को मंजूरी प्रदान की है।

संबंधित जानकारी

कैनबिस

- कैनाबिस को मारिजुआना के रूप में भी जाना जाता है, यह कैनाबिस पौधे से प्राप्त की गई एक मनोचिकित्सकीय दवा है जिसका प्रयोग चिकित्सकीय अथवा मादक प्रयोजनों हेतु किया जाता है।
- कैनाबिस का मुख्य मनोसक्रिय भाग टेट्राहाइड्रोकैनाबिनॉल (टी.एच.सी.) है।
- कैनाबिस का धूम्रपान, वाष्पीकरण, भोजन में मिलाकर अथवा अर्क के रूप में प्रयोग किया जा सकता है।
- कैनबिस का अधिकतर प्रयोग नशे के लिए अथवा औषधीय दवा के रूप में किया जाता है, इसका उपयोग आध्यात्मिक उद्देश्यों के लिए भी किया जा सकता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – जैवविविधता

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

28.12.2018

1. **<u>राष्ट्रीय निवेश एवं विनिर्माण क्षेत्रों (एन.आई.एम.जेड.) की स्थापना की जा रही है।</u>**

- हाल ही में, वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री के द्वारा लोकसभा में लिखित उत्तर में (एन.आई.एम.जेड.) के संदर्भ में जानकारी प्रदान की गई है।

मंत्री द्वारा प्रदान की गई जानकारी के परिणाम:

- एन.आई.एम.जेड., राष्ट्रीय विनिर्माण नीति, 2011 के महत्वपूर्ण साधनों में से एक हैं।
- विश्व स्तरीय विनिर्माण गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए अपेक्षित पारिस्थिकी प्रणाली के साथ विकसित भूमि के बड़े क्षेत्रों के रूप में एन.आई.एम.जेड. को परिकल्पित किया गया है।
- अब तक तीन एन.आई.एम.जेड. अर्थात् प्रकासम (आंध्र प्रदेश), संगारेड्डी (तेलंगाना) और कलिंगनगर (उड़ीसा) को अंतिम मंजूरी प्रदान की गई है और 13 एन.आई.एम.जेड. को सैद्धांतिक मंजूरी प्रदान की गई है।
- इनके अतिरिक्त दिल्ली मुंबई औद्योगिक गलियारे (डी.एम.आई.सी.) परियोजना के साथ आठ निवेश क्षेत्रों को भी एन.आई.एम.जेड. के रूप में घोषित किया गया है।

एस.ई.जेड. और एन.आई.एम.जेड. में अंतर

- विशेष आर्थिक क्षेत्रों का मुख्य उद्देश्य निर्यात को बढ़ावा देना है, जब कि एन.आई.एम.जेड., राज्यों के साथ साझेदारी में औद्योगिक प्रगति के सिद्धांत पर आधारित होता है और यह विनिर्माण विकास और रोजगार सृजन पर ध्यान केंद्रित करता है।
- एन.आई.एम.जेड., एस.ई.जेड. से आकार, ढांचा योजना के स्तर, विनियामक प्रक्रियाओं से संबंधित शासन संरचनाओं और निकास नीतियों के संदर्भ में भिन्न होता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

2. **<u>आजीविका ग्रामीण एक्सप्रेस योजना (ए.जी.ई.वाई.)</u>**

- हाल ही में लोकसभा में ग्रामीण विकास राज्य मंत्री द्वारा ए.जी.ई.वाई. के संदर्भ में जानकारी प्रदान की गई थी।

संबंधित जानकारी

- मंत्रालय, दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (डी.ए.वाई.-एन.आर.एल.एम.) के अंतर्गत उप-योजना ए.जी.ई.वाई. लागू कर रहा है।
- यह योजना ग्रामीण क्षेत्रों में परिवहन सुविधाओं को सुविधाजनक बनाने में मदद करती है और डी.ए.वाई.-एन.आर.एल.एम. के अंतर्गत स्वयं सहायता समूहों (एस.एच.जी.) के सदस्यों को नौकरी के अवसर भी प्रदान करती है।
- यह योजना अगस्त, 2017 में शुरू की गई थी।
- **ए.जी.ई.वाई., पहले से ही 18 राज्यों में कार्यन्वित है।**
- राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (एस.आर.एल.एम.), डी.ए.वाई.-एन.आर.एल.एम. के अंतर्गत सामुदाय आधारित संगठनों (सी.बी.ओ.) के साथ परामर्श कर उन मार्गों की पहचान करता है, जहां परिवहन सेवाएं बेहद खराब हैं और जहां प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पी.एम.जी.एस.वाई.) के अंतर्गत सड़क का निर्माण होना है।
- एस.एच.जी. सदस्यों को वित्तीय व्यवहार्यता के आधार पर पहचाने गए मार्गों पर वाहन चलाने हेतु सी.बी.ओ. द्वारा ब्याज मुक्त ऋण प्रदान किया जाता है।
- इस योजना के निम्नलिखित दो उद्देश्य हैं:

1. डी.ए.वाई.-एन.आर.एल.एम. के ढांचे के अंतर्गत उपलब्ध साधनों का उपयोग करके क्षेत्र के समग्र आर्थिक विकास हेतु दूरदराज के गांवों को प्रमुख सेवाओं और सुविधाओं से जोड़ने हेतु सुरक्षित, सस्ती और सामुदायिक निगरानी वाली ग्रामीण परिवहन सेवाएं प्रदान करना।
2. डी.ए.वाई.-एन.आर.एल.एम. के अंतर्गत राज्यों द्वारा पहचाने गए पिछड़े ग्रामीण क्षेत्रों में सार्वजनिक परिवहन सेवाओं को संचालित करने की सुविधा देकर स्वयं सहायता समूहों (एस.एच.जी.) के सदस्यों और उनके परिवारों को आजीविका का एक वैकल्पिक स्रोत प्रदान करना।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

3. **<u>नीति आयोग ने आकांक्षी जिलों की दूसरी डेल्टा रैंकिंग जारी की है।</u>**

- नीति आयोग ने आज आकांक्षी जिलों की दूसरी डेल्टा रैंकिंग जारी की है जो 1 जून, 2018 से 31 अक्टूबर, 2018 के मध्य उनके द्वारा की गई संवृद्ध प्रगति को मापती है।
- यह डेल्टा रैंकिंग स्वास्थ्य और पोषण, शिक्षा, कृषि और जल संसाधन, वित्तीय समावेशन, कौशल विकास और बुनियादी ढांचे जैसे छह विकासशील क्षेत्रों को शामिल करती है।
- नीति आयोग के सूचना साझेदार टाटा ट्रस्ट और बिल एंड मेलिंदा गेट्स फाउंडेशन (आई.डी. इनसाइट) द्वारा किए गए घरेलू सर्वेक्षणों के मान्य आंकड़ों में रैंकिंग कारक शामिल हैं।
- समग्र रैंकिंग में सबसे बेहतर जिले निम्नानुसार हैं:

स्थान	जिला	राज्य
1.	विरूधु नगर	तमिलनाडु
2.	नुआपादा	उड़ीसा
3.	सिद्धार्थ नगर	उत्तर प्रदेश
4.	औरंगाबाद	बिहार
5.	कोरापुत	उड़ीसा

नोट: आकांक्षी जिलों की डेल्टा रैंकिंग जिले को समावेशी विकास के बिंदुपथ पर रखते हुए डेटा विज्ञान के अभिनव उपयोग को व्यावहारिक प्रशासन के साथ जोड़ती है।

आकांक्षी जिलों का रूपांतरण कार्यक्रम:-

- यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री द्वारा जनवरी, 2018 में शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य देश के कुछ सबसे अविकसित जिलों को शीघ्रतम और प्रभावी रूप से रूपांतरित करना है।
- कार्यक्रम की व्यापक रूप-रेखा में संमिलन (केंद्र और राज्य योजनाओं का), सहयोग (केंद्र, राज्य स्तर के 'प्रभारी अधिकारी और जिला कलेक्टर) और एक जन आंदोलन अथवा लोगों द्वारा संचालित जिलों के मध्य प्रतिस्पर्धा शामिल हैं।

- मुख्य संचालकों के रूप में राज्यों के साथ यह कार्यक्रम प्रत्येक जिले की ताकत पर ध्यान केंद्रित करेगा, तत्कालिक सुधारों के लिए आसानी से सुधारी जा सकने वाली समस्याओं की पहचान करेगा, प्रगति को मापेगा और जिलों को स्थान प्रदान करेगा।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

4. **<u>आर्थिक पूंजी ढांचे पर आर.बी.आई. पैनल</u>**

- आर.बी.आई. ने पूर्व आर.बी.आई. गवर्नर बिमल जालान की अध्यक्षता में आर्थिक पूंजी ढांचे पर एक पैनल का गठन किया है।
- इस विशेषज्ञ पैनल का गठन आर.बी.आई. रिजर्व-केंद्रीय बैंक और सरकार के मध्य समस्याओं में से एक के मुद्दे को संबोधित करने के किया गया है।

संदर्भ की शर्तें

- पैनल वित्तीय स्थिरता महत्व सहित आर.बी.आई. के सार्वजनिक नीति जनादेश को ध्यान में रखते हुए, आर.बी.आई. द्वारा वर्तमान में प्रदान किए गए रिजर्व और बफरों, विभिन्न प्रावधानों की स्थिति, आवश्यकता और औचित्य की समीक्षा करेगा।
- पैनल, अपनी पहली बैठक की तारीख से 90 दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट जमा करेगा।
- यह पैनल जोखिमों के लिए प्रावधानों को बनाने और मूल्यांकन करने हेतु वैश्विक स्तर पर केंद्रीय बैंक द्वारा किए गए सर्वश्रेष्ठ अभ्यासों की समीक्षा भी करेगा।
- यह पैनल, जोखिम प्रावधानीकरण का पर्याप्त स्तर भी सुझाएगा जिसकी आवश्यक्ता आर.बी.आई. को इसे बनाए रखने और यह निर्धारित करने में होती है कि यह अधिकार प्रावधान है या अधिशेष में रिजर्व और बफर है अथवा आवश्यक स्तर पर घाटा है।
- यह पैनल आर.बी.आई. की सभी संभावित स्थितियों को ध्यान में रखते हुए एक उपयुक्त लाभ वितरण नीति को भी प्रस्तावित करेगी, जिसमें आवश्यकता से अधिक प्रावधान रखना और आर.बी.आई. द्वारा आवश्यक से कम प्रावधान रखना शामिल है।

आर्थिक पूंजी ढांचा क्या है?

- आर्थिक पूंजी ढांचा, विभिन्न जोखिमों को ध्यान में रखते हुए केंद्रीय बैंक द्वारा आवश्यक जोखिम पूंजी को संदर्भित करता है।
- आर्थिक पूंजी ढांचा, उस पूंजी को दर्शाता है जिसे एक संस्था को भविष्य में अप्रत्याशित जोखिमों अथवा घटनाओं अथवा नुकसान के खिलाफ एक काउंटर के रूप में रखना आवश्यक होता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – अर्थशास्त्र

स्रोत- द हिंदू

5. **<u>स्वच्छ भारत ग्रैंड चैलेंज पुरस्कार</u>**

- हाल ही में, 1 से 15 नवंबर, 2018 तक आयोजित किए गए स्वच्छ पखवाड़े के भाग के रूप में औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग (डी.आई.पी.पी.) ने स्वच्छ भारत ग्रैंड चैलेंज का आयोजन किया था।
- इसे देश में डी.आई.पी.पी. द्वारा मान्यता प्राप्त स्टार्ट-अप से प्राप्त अभिनव समाधानों को पुरस्कृत करने हेतु आयोजित किया गया था।
- ग्रांड चैलेंज के लिए चुने गए चार क्षेत्र निम्नवत हैं:

1. स्वच्छता
2. अपशिष्ट प्रबंधन
3. जल और अपशिष्ट जल प्रबंधन
4. वायु प्रबंधन

संबंधित जानकारी

स्वच्छता पखवाड़ा

- इसे अप्रैल, 2016 में अपने अधिकार क्षेत्रों में भारत सरकार के मंत्रालयों/ विभागों के द्वारा स्वछता के मुद्दों और अभ्यासों पर गहनता से ध्यान केंद्रित करने के उद्देश्य से शुरू किया गया था।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

6. **<u>द्विजिंग महोत्सव</u>**

- तीसरे द्विजिंग महोत्सव का शुभारंभ असम के चिरांग जिले में एई नदी के तट पर किया जाना है।

- यह असम पर्यटन और बोडोलैंड पर्यटन द्वारा आयोजित किया जाएगा।

द्विजिंग महोत्सव

- बोडोलैंड प्रादेशिक परिषद (बी.टी.सी.) के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में नदी पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु वर्ष 2016-17 में इस महोत्सव की शुरूआत एई नदी महोत्सव के रूप में की गई थी।
- इसे 'एई नदी शीत महोत्सव' के नाम से शुरू किया गया था।
- त्योहार के साथ ही राज्य के सबसे लंबे ग्रामीण नदी पुल, हाग्रमा पुल के संघ की लोकप्रियता बढ़ जाती है।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 1 – कला एवं संस्कृति

स्रोत- पी.आई.बी.

7. **<u>5 पर्यटन स्थलों पर शीघ्र ही ऑडियो निर्देशन हेतु मोबाइल ऐप लांच किया जाएगा।</u>**

- आमेर किला (राजस्थान), काजीरंगा (असम), कोलवा तट (गोवा), कुमाराकोम (केरल) और महाबोधि मंदिर (बिहार) आने वाले पर्यटक शीघ्र ही मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से ऑडियो निर्देशन का लाभ उठा सकने में सक्षम होंगे।
- इसके अतिरिक्त स्मारक मित्र परियोजना के अंतर्गत चयनित सात संस्थाओं को आशय पत्र सौंप दिया गया है, जो उन्हें उनकी विजन बिड का चयन होने पर स्मारक स्थल के साथ उनकी सी.एस.आर. गतिविधियों से जुडने का अवसर प्रदान करेगी।
- अभी तक पूरे भारत में स्मारक और पर्यटन स्थलों पर पर्यटन सुविधाओं के विकास, संचालन और रखरखाव हेतु विभिन्न स्मारक मित्रों के साथ 10 समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जा चुके हैं।

संबंधित जानकारी

'एक विरासत को अपनाए' के संदर्भ में जानकारी:

- "एक विरासत को अपनाए: अपनी धरोहर, अपनी पहचान" परियोजना, पर्यटन मंत्रालय, संस्कृति मंत्रालय, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ए.एस.आई.) और राज्य/ केंद्रशासित प्रदेश सरकारों के मध्य एक सहयोगी योजना है।
- इसका उद्देश्य भारत में ए.एस.आई./ राज्य विरासत स्थलों और अन्य महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों पर विश्व स्तरीय पर्यटक ढांचे और सुविधाओं के विकास, संचालन और रखरखाव के माध्यम से हमारे स्मारकों और पर्यटन को अधिक स्थाई बनाना है।

नोट: इस वर्ष की शुरुआत में डालमिया समूह को दिल्ली के लाल किले को पांच वर्षों की अवधि में विकसित करने और बनाए रखने हेतु एक प्रस्ताव दिया गया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 – कला एवं संस्कृति

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

8. **<u>मध्य रेलवे ने "ए.टी.ई.एस." तकनीकि की शुरूआत की है।</u>**

- मध्य रेलवे ने ट्रेनों के मैनुअल परीक्षण को खत्म करने हेतु ए.टी.ई.एस. तकनीकि की शुरुआत की है।
- मध्य रेलवे के नागपुर डिवीजन की मैकेनिकल शाखा ने ट्रेन सुरक्षा बढ़ाने हेतु एक नई अत्याधुनिक तकनीक पेश की है जिसे स्वचालित ट्रेन परीक्षा प्रणाली (ए.टी.ई.एस.) कहते हैं।

संबंधित जानकारी

स्वचालित ट्रेन निगरानी प्रणाली

- ए.टी.ई.एस. उस ट्रैक से गुजरने वाली प्रत्येक ट्रेन की जांच करेगा जिस पर उसे लगाया गया है और एक्सेल के गर्म होन एवं ब्रेक बाइंडिंग मामलों के संदर्भ में तुरंत चेतावनी देगा।
- पहले चरण में, यह प्रणाली अजनी में स्थापित की गई है, जहां पर कुल दो यूनिटों को स्थापित किया गया है जिसमें से एक चेन्नई और मुंबई से नागपुर आने वाली सभी डाउन दिशा की ट्रेनों को कवर करता है और अन्य दूसरी दिशा की माल गाड़ियों को कवर करता है।
- इसके सेंसर ट्रेन और पहिए के एक्सल बॉक्स बीयरिंग के तापमान को रिकॉर्ड करते हैं। जैसे ही तापमान अपनी देहली सीमा से अधिक होता है तो तुरंत ही प्रणाली द्वारा बीयरिंग और/ या ब्रेक बाइंडिंग के अत्यधिक तापमान का संकेत देने हेतु चेतावनी संदेश उत्पन्न हो जाता हैं।

- अलर्ट संदेश प्राप्त होने के बाद रेलवे इंजीनियर यार्ड में ट्रेन की जांच करते हैं और इस प्रकार संभावित खतरे से बचने के लिए उस कमी को दूर करते हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

9. **<u>सरकार, नेताजी सुभाष चंद्र बोस को सम्मानित करने के लिए अंडमान और निकोबार के तीन द्वीपों का नाम बदलेगी।</u>**

- प्रधानमंत्री 30 दिसंबर, 2018 को पोर्ट ब्लेयर की अपनी यात्रा के दौरान अंडमान और निकोबार के तीन द्वीपों का नाम बदल देंगे।
- रॉस द्वीप, नील द्वीप और हैवलॉक द्वीप का नाम बदलकर क्रमश: नेताजी सुभाष चंद्र बोस द्वीप, शहीद द्वीप और स्वराज द्वीप रखा जाएगा।
- यह नामकरण उस दिन की 75वीं वर्षगांठ को चिन्हित करने हेतु किया जाएगा जिस दिन सुभाष चंद्र बोस ने पोर्ट ब्लेयर में राष्ट्रीय ध्वज फहराया था।

संबंधित जानकारी

- 30 दिसंबर, 1943 को बोस ने पोर्ट ब्लेयर में ध्वज फहराया था, जिसे द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जापानियों द्वारा इस क्षेत्र पर कब्जा कर इसे ब्रिटिश कब्जे से मुक्त कराया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

31.12.2018

1. **<u>आई.आर.आर.आई. दक्षिण एशिया क्षेत्रीय केंद्र (आई.आर.आर.आई. सार्क)</u>**

- हाल ही में, वर्ष 2022 में किसानों की आय को दोगुना करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री ने फसल के उत्पादन में सुधार करने हेतु वाराणसी में बनाए गए 6वें आई.आर.आर.आई सार्क परिसर को देश को समर्पित किया है।
- इस चावल संस्थान से फसल उत्पादन, बीज की गुणवत्ता और चावल के पोषक मूल्यों में सुधार आने की उम्मीद है।
- यह संस्थान किसानों के ज्ञान और आय को बढ़ाने और इस क्षेत्र में उन्नत अनुसंधान, शिक्षण और सेवाएं प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय साझेदारों के साथ मिलकर काम करेगा।

संबंधित जानकारी

आई.आर.आर.आई. सार्क किस प्रकार से भारतीय किसानों की मदद करेगा?

- यह आई.आर.आर.आई. सार्क, आई.आर.आर.आई. शिक्षा की शिक्षा और प्रशिक्षण शाखा प्रदान करता है।
- यह वैज्ञानिकों और कृषि नेतृत्वकर्ताओं को सतत कृषि हेतु नवीनतम तकनीकों और नवाचारों के बारे में भी जानकारी प्रदान करेगा।
- इसमें डिजिटल फसल की निगरानी और मूल्यांकन के लिए प्रयोगशालाएं हैं और विभिन्न प्रकार के परीक्षण करने हेतु प्रदर्शन क्षेत्र हैं।
- आई.आर.आर.आई. का प्रमुख उद्देश्य चावल आधारित कृषि खाद्य प्रणाली पर निर्भर देशों में से गरीबी, भुखमरी और कुपोषण को समाप्त कर आजीविका और पोषण में सुधार लाना है।

अंतर्राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान

- अंतर्राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (आई.आर.आर.आई.), एक अंतर्राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संगठन है।
- इसका मुख्यालय फिलीपींस के लागुना में लॉस बानोस में स्थित है।
- आई.आर.आर.आई. को 1960 और 1970 के दशक के अंत में एशिया में "हरित क्रांति" आंदोलन में अपने योगदान के लिए जाना जाता है, जिसमें चावल की "अर्ध बौनी" किस्मों का प्रजनन शामिल था जिनके सुरक्षित रहने (गिरने) की संभावना कम थी।
- आई.आर.आर.आई. की अर्ध-बौनी किस्मों में प्रसिद्ध आई.आर. 8 शामिल है जिसने 1960 के दशक में भारत को अकाल से बचाया था।
- इसके अतिरिक्त यह एशिया में सबसे बड़ा गैर-लाभकारी कृषि अनुसंधान केंद्र भी है।

टॉपिक-जी.एस. पेपर 2 – **अंतर्राष्ट्रीय संस्थान**

स्रोत- **द हिंदू**

2. **भारत ने जैव विविधता सम्मेलन (सी.बी.डी.) में 6वीं राष्ट्रीय रिपोर्ट प्रस्तुत की है।**

- नई दिल्ली में पर्यावरण, वानिकी एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एम.ओ.ई.एफ.सी.सी.) के अंतर्गत राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण (एन.बी.ए.) द्वारा आयोजित राज्य जैव विविधता बोर्ड की 13वीं राष्ट्रीय बैठक के उद्घाटन सत्र के दौरान भारत ने जैव विविधता सम्मेलन में अपनी 6वीं राष्ट्रीय रिपोर्ट (एन.आर. 6) प्रस्तुत की है।
- राष्ट्रीय रिपोर्ट प्रस्तुत करना सी.बी.डी. सहित अंतरराष्ट्रीय संधियों की पार्टियों का एक अनिवार्य दायित्व है।

रिपोर्ट की मुख्य विशेषताएं

- एन.आर. 6, 20 वैश्विक आइची जैव विविधता लक्ष्यों के अनुरूप सम्मेलन प्रक्रिया के अंतर्गत विकसित 12 राष्ट्रीय जैव विविधता लक्ष्यों (एन.बी.टी.) की उपलब्धि में प्रगति के संदर्भ में जानकारी प्रदान करता है।
- भारत ने दो एन.बी.टी. को पार कर लिया है, भारत आठवें एन.बी.टी. को प्राप्त करने के मार्ग पर प्रशस्त है और दो शेष एन.बी.टी. के संदर्भ में देश वर्ष 2020 के निर्धारित समय तक लक्ष्यों को पूरा करने के लिए प्रयासरत है।
- रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने अचाई लक्ष्य 11 के 17 प्रतिशत स्थलीय घटकों को और जैव विविधता प्रबंधन के अंतर्गत इन क्षेत्रों से संबंधित सापेक्षिक एन.बी.टी. के 20 प्रतिशत लक्ष्यों को पार कर लिया है।
- भारत ने एन.बी.एस. पर नागोया प्रोटोकॉल का संचालन शुरू करके पहुंच और लाभ साझाकरण (ए.बी.एस.) से संबंधित एन.बी.टी. की दिशा में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है।

सी.बी.डी. के संदर्भ में जानकारी:

जैविक विविधता सम्मेलन

- जैव विविधता सम्मेलन (सी.बी.डी.) को अनौपचारिक रूप से जैवविविधता सम्मेलन के रूप में जाना जाता है, यह एक बहुपक्षीय संधि है।
- इस सम्मेलन के तीन मुख्य लक्ष्य हैं, जिनमें शामिल हैं-
- जैविक विविधताओं (अथवा जैवविविधता) का संरक्षण
- इसके घटकों का सतत उपयोग
- आनुवांशिक संसाधनों से होने वाले लाभों का उचित और न्यायसंगत साझाकरण
- इसका उद्देश्य जैविक विविधता के संरक्षण और सतत उपयोग हेतु राष्ट्रीय रणनीति विकसित करना है।
- यह सम्मेलन 5 जून, 1992 को रियो डी जनेरियो में पृथ्वी शिखर सम्मेलन में हस्ताक्षर के लिए खोला गया था और इसे 29 दिसंबर, 1993 को लागू किया गया था।
- सी.बी.डी. के दो पूरक समझौते- कार्टाजेना प्रोटोकॉल और नागोया प्रोटोकॉल हैं।
- जैव विविधता सम्मेलन के प्रति जैविक सुरक्षा पर कार्टाजेना प्रोटोकॉल एक अंतरराष्ट्रीय संधि है, जो आधुनिक जैव प्रौद्योगिकी के परिणामस्वरूप एक देश से दूसरे देश में रहने वाले संशोधित जीवों (एल.एम.ओ.) के आंदोलनों को नियंत्रित करती है।
- आनुवंशिक संसाधनों तक पहुँच हेतु नागोया प्रोटोकॉल और जैविक विविधता सम्मेलन में उनके उपयोग (ए.बी.एस.) से उत्पन्न होने वाले लाभों का उचित और न्यायसंगत साझाकरण, जैव विविधता सम्मेलन का एक पूरक समझौता है।
- यह सी.बी.डी. के तीन उद्देश्यों में से एक के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु एक पारदर्शी कानूनी ढांचा प्रदान करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – **पर्यावरण**

स्रोत- पी.आई.बी.

3. **राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग (एन.सी.एच.) विधेयक, 2018**

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग, विधेयक, 2018 मसौदे को मंजूरी प्रदान की है।
- यह विधेयक पारदर्शिता सुनिश्चित करने हेतु मौजूदा विनियामक केंद्रीय होम्योपैथी परिषद (सी.सी.एच.) को एक नए निकाय के साथ प्रतिस्थापित करना चाहता है।

संबंधित जानकारी

- मसौदा विधेयक में होम्योपैथी शिक्षा बोर्ड द्वारा होम्योपैथी की समग्र शिक्षा के संचालन के लिए निर्धारित तीन स्वायत्त बोर्डों के साथ एक राष्ट्रीय आयोग के गठन का प्रावधान है।
- मूल्यांकन बोर्ड, होम्योपैथी के शिक्षण संस्थानों और नैतिकता बोर्ड के मूल्यांकन को रेटिंग और अनुमति प्रदान करता है।
- राष्ट्रीय रजिस्टर और व्यवहार से संबंधित नैतिक मुद्दों को बनाए रखने के लिए होम्योपैथी के चिकित्सकों का पंजीकरण राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग के अधीन है।
- इसमें एक सामान्य प्रवेश परीक्षा और एक निकास परीक्षा का भी प्रस्ताव करता है जिसे सभी स्नातकों को अभ्यास लाइसेंस प्राप्त करने के लिए पास करना अनिवार्य होगा।
- इसके अतिरिक्त नियुक्ति और पदोन्नति से पूर्व शिक्षकों के मानकों का आकलन करने हेतु एक शिक्षक पात्रता परीक्षा प्रस्तावित की गई है।
- इसका उद्देश्य चिकित्सा की एलोपैथी प्रणाली की स्थापना हेतु प्रस्तावित राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग के अनुरूप होम्योपैथी की चिकित्सा शिक्षा में सुधार करना है।
- सी.सी.एच. को पहले एक अध्यादेश और अधिनियम के अनुवर्ती संशोधन के माध्यम से बोर्ड ऑफ गवर्नर के अंतर्गत अधिनियमित किया गया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – **गवर्नेंस**

स्रोत- पी.आई.बी.

4. **<u>यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम, 2012 में संशोधन किया गया है।</u>**

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बच्चों से किए गए यौन अपराधों के लिए सजा को और सख्त बनाने हेतु यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पाक्सों) अधिनियम, 2012 में संशोधन के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की है।

मुख्य विशेषताएं:

- पॉक्सो अधिनियम, 2012 को बच्चों के हितों की रक्षा और कल्याण के लिए और उन्हें यौन शोषण, यौन उत्पीड़न और वेश्यावृत्ति के अपराधों से बचाने के लिए अधिनियमित किया गया था।
- यह अधिनियम अठारह वर्ष से कम आयु के किसी भी व्यक्ति के रूप में एक बच्चे को परिभाषित करता है और बच्चे के स्वस्थ शारीरिक, भावनात्मक, बौद्धिक और सामाजिक विकास को सुनिश्चित करने हेतु प्रत्येक स्तर पर सर्वोपरि महत्व के रूप में बच्चे के सर्वोत्तम हितों और कल्याण का सम्मान करता है।
- यह अधिनियम लिंग उदासीन है।
- बाल यौन शोषण के पहलुओं को उचित तरीके से संबोधित करने हेतु यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो), 2012 के विभिन्न खंडों में संशोधन किया गया है।
- देश में बाल यौन शोषण के बढ़ते चलन को रोकने के लिए कड़े उपायों की आवश्यकता को संबोधित करने के लिए यह संशोधन किया गया है।
- बच्चों को प्राकृतिक आपदाओं और आपदाओं के समय में यौन अपराधों से बचाने के लिए और मर्मज्ञ यौन उत्पीड़न के उद्देश्य से शीघ्र यौनावस्था प्राप्त कराने के मामलों में बच्चों को किसी भी प्रकार से, किसी भी हार्मोन अथवा किसी भी रासायनिक पदार्थ के द्वारा प्रशासित किए जाने बचाने के लिए धारा -9 में संशोधन प्रस्तावित किया गया हैं।

लाभ

- इस संशोधन से उम्मीद है कि यह अधिनियम में शामिल किए गए मजबूत दंड प्रावधानों के कारण एक निवारक के रूप में काम करके बाल यौन शोषण के अपराधों को कम करेगा।

- यह संकट के समय में कमजोर बच्चों के हितों की रक्षा कर सकता है और उनकी सुरक्षा और गरिमा को सुनिश्चित कर सकता है।
- इस संशोधन का उद्देश्य बाल शोषण और उसके दंड के पहलुओं के संदर्भ में स्पष्टता स्थापित करना है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – **गवर्नेंस**

स्रोत- पी.आई.बी.

5. **<u>वर्ष 2010 से वर्ष 2014 के मध्य ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में 22% की वृद्धि हुई है।</u>**

- यू.एन.एफ.सी.सी. में भारत की दूसरी द्विवार्षिक अद्दतन रिपोर्ट (बी.यू.आर.) में सौंपी गई नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2010 से वर्ष 2014 के मध्य भारत के कुल ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में 22 प्रतिशत की वृद्धि होकर यह वर्ष 2014 में कार्बन डाईऑक्साइड के 2.6 बिलियन टन के समतुल्य स्तर पर पहुँच गया है।
- भारत ने वर्ष 2016 में अपनी पहली बी.यू.आर. प्रस्तुत की थी, जिसमें वर्ष 2010 तक इसके उत्सर्जन डेटा की रिपोर्ट शामिल थी। इस बार भारत ने वर्ष 2014 तक के आंकड़ों के साथ रिपोर्ट प्रस्तुत की हैं।

बी.यू.आर. रिपोर्ट की मुख्य विशेषताएं

- बी.यू.आर. रिपोर्ट में कहा गया है कि अभी भी कृषि के बाद ऊर्जा क्षेत्र सबसे बड़ा कार्बन उत्सर्जक क्षेत्र है और वर्ष 2014 में भारत के कार्बन उत्सर्जन में इस क्षेत्र का बहुत बड़ा योगदान है।
- इस क्षेत्र से 73 प्रतिशत, कृषि से 16 प्रतिशत, औद्योगिक प्रक्रिया और उत्पाद उपयोग (आई.पी.पी.यू.) से 8 प्रतिशत और अपशिष्ट क्षेत्र से 3 प्रतिशत उत्सर्जन होता है।

संबंधित जानकारी

सम्मेलन के प्रति भारत का दायित्व

- अपने राष्ट्रीय निर्धारित योगदान (एन.डी.सी.) के भाग के रूप में भारत ने यह सुनिश्चित करने का भी वादा किया है कि वर्ष 2030 तक उसके विद्युत उत्पादन के कम से कम 40 प्रतिशत हिस्से का उत्पादन जीवाश्म ईंधन स्रोतों से होगा और इसकी उत्सर्जन तीव्रता अथवा प्रति इकाई जी.डी.पी. उत्सर्जन में वर्ष 2030 तक वर्ष 2005 के स्तर की तुलना में कम से कम 33 से 35 प्रतिशत की कमी आएगी।
- भारत ने 2005 के स्तर की तुलना में 2030 तक 2.5 से 3 बिलियन टन के अतिरिक्त कार्बन सिंक का निर्माण करने के वादे के साथ अपने वन क्षेत्र को काफी हद तक बढ़ाने हेतु खुद को प्रतिबद्ध किया है।

बी.यू.आर. की मुख्य विशेषताएं

- बी.यू.आर. की व्यापकता यू.एन.एफ.सी.सी. को भारत के पहले बी.यू.आर. का अपडेट प्रदान करना है।
- बी.यू.आर. में पांच प्रमुख घटक- राष्ट्रीय परिस्थितियाँ, राष्ट्रीय ग्रीनहाउस गैस इन्वेंटरी, अल्पीकरण कार्रवाहियां, वित्त, प्रौद्योगिकी और क्षमता निर्माण आवश्यकताएं और समर्थन प्राप्त एवं देशीय निगरानी, रिपोर्टिंग और सत्यापन (एम.आर.वी.) व्यवस्थापन शामिल हैं।

गहरा असर:

- भारत के दूसरे बी.यू.आर. के जमा होने से एक पार्टी होने के तौर पर सम्मेलन के कार्यान्वन के संदर्भ में जानकारी प्रस्तुत करने के प्रति भारत के दायित्वों की पूर्ति होती है।

पृष्ठभूमि:

- भारत, संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन फ्रेमवर्क सम्मेलन (यू.एन.एफ.सी.सी.सी.) की एक पार्टी है।
- सम्मेलन के कार्यान्वयन के संदर्भ में एक राष्ट्रीय संचार के रूप में सूचना देने के लिए सभी देशों, विकसित देश और विकासशील देश पार्टियां दोनों पक्षों पर होने वाले सम्मेलन शामिल होते हैं। यू.एन.एफ.सी.सी.सी. का पार्टियों का सम्मेलन अपने 16वें चरण में है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – **पर्यावरण**

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

6. **<u>केंद्र ने भारतीय दवाओं पर विधेयक का मसौदा तैयार करने के लिए अनुमति प्रदान की है।</u>**

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने भारतीय चिकित्सा पद्धति विधेयक, 2018 के लिए राष्ट्रीय आयोग के मसौदे को मंजूरी प्रदान की है।
- एन.सी.आई.एम. "देश के सभी हिस्सों में सस्ती स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता" को बढ़ावा देगा।

बिल की विशेषता

- मसौदा विधेयक में आयुर्वेद और यूनानी बोर्ड, यूनानी, सिद्धा और सोवारिग्पा बोर्ड के अंतर्गत सिद्धा और सोवारिग्पा के अंतर्गत आयुर्वेद की समग्र शिक्षा कराने के लिए निर्धारित चार स्वायत्त निकायों के साथ एक राष्ट्रीय आयोग के गठन हेतु प्रावधान है।
- यहां दो सामान्य निकाय हैं, जिनके नाम मूल्यांकन और रेटिंग बोर्ड और नैतिकता बोर्ड हैं जो क्रमश: भारतीय चिकित्सा पद्धति के शैक्षणिक संस्थानों का मूल्यांकन करने और उन्हें अनुमोदन प्रदान करता है एवं राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा आयोग के अंतर्गत अभ्यास से संबंधित नीतिगत मुद्दों और राष्ट्रीय रजिस्टर के विनियमन हेतु भारतीय चिकित्सा पद्धति के चिकित्सकों का पंजीकरण करता है।
- यह एक सामान्य प्रवेश परीक्षा और निकास परीक्षा को भी प्रस्तावित करता है, जिसे सभी स्नातकों को अभ्यास लाइसेंस प्राप्त करने के लिए पास करना अनिवार्य होगा।
- इसके अतिरिक्त नियुक्ति और पदोन्नति से पहले शिक्षकों के मानकों का मूलयांकन करने के लिए विधेयक में एक शिक्षक पात्रता परीक्षा प्रस्तावित की गई है।
- मसौदा विधेयक का उद्देश्य चिकित्सा के एलोपैथी प्रणाली की स्थापना के लिए प्रस्तावित राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग के अनुरूप भारतीय चिकित्सा क्षेत्र की चिकित्सा शिक्षा में सुधार लाना है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

7. **<u>चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा</u>**

- हाल ही में पाकिस्तान ने कहा है कि चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सी.पी.ई.सी.) एक द्विपक्षीय आर्थिक परियोजना है और इसका कोई सैन्य आयाम नहीं है।
- यह बयान पाकिस्तान द्वारा उस अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट के बाद दिया गया है जिसमें आरोप लगाया गया है कि चीन ने 60 अरब डॉलर की परियोजना के अंतर्गत पाकिस्तान में लड़ाकू जेट और अन्य सैन्य हार्डवेयर बनाने की गुप्त योजना बनाई है।

संबंधित जानकारी

चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा

- चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सी.पी.ई.सी.), चीन के साथ बेहतर व्यापार करने के लिए पाकिस्तान में बुनियादी ढांचे में सुधार और भविष्य में क्षेत्र के देशों को एकीकृत करने हेतु बड़े पैमाने पर एक द्विपक्षीय परियोजना है।
- वर्ष 2013 में चीन द्वारा घोषणा की गई थी कि यूरेशिया के देशों के मध्य संपर्क, व्यापार, संचार और सहयोग को बेहतर बनाने हेतु सी.पी.ई.सी., वृहद क्षेत्र और सड़क पहल का हिस्सा है।
- सी.पी.ई.सी. की तुलना द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यूरोप के पुनर्निर्माण के लिए मार्शल प्लान से की गई है, जिसका क्षेत्र पर संभावित प्रभाव पड़ा है और कई देशों ने पहल में भाग लेने में रुचि दिखाई है।
- सी.पी.ई.सी. का लक्ष्य पाकिस्तान की सड़क, रेल, वायु और ऊर्जा परिवहन प्रणालियों को आधुनिक बनाने के लिए और थलचार मार्गों के द्वारा ग्वादर और कराची के गहरे समुद्री पाकिस्तानी बंदरगाहों को चीन के शिनजियांग प्रांत से जोड़कर पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था में सुधार लाना है।
- शिनजियांग मंगोलिया, रूस, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, अफगानिस्तान, पाकिस्तान और भारत और अपने क्षेत्र से होकर गुजरने वाली प्राचीन सिल्क सड़कों से सीमा साझा करता है।

- इससे मलक्का और दक्षिण चीन सागर जलसंधि का उल्लंघन कर चीन से उत्पादों और प्राकृतिक गैस जैसे ऊर्जा उत्पादों के परिवहन की लागत और समय में कमी आएगी।

टॉपिक-जी.एस. पेपर 2 – अंतर्राष्ट्रीय संबंध

स्रोत- द हिंदू बिजनेस

8. **<u>सुभाष चंद्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार</u>**

- हाल ही में, केंद्र ने आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में देश में व्यक्तियों और संस्थानों द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों को पहचानने हेतु एक वार्षिक पुरस्कार एस.सी.बी.ए.पी.पी. की स्थापना की है।

संबंधित जानकारी

- तीन योग्य संस्थानों और व्यक्तियों को प्रत्येक वर्ष सुभाष चंद्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।
- इस पुरस्कार में 5 लाख रुपये से लेकर 51 लाख रुपये तक का नकद पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।
- यदि पुरस्कार किसी संस्थान को प्रदान किया जाता है तो उसे एक प्रमाणपत्र और 51 लाख रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाएगा और पुरस्कार राशि का उपयोग केवल आपदा प्रबंधन से संबंधित गतिविधियों के लिए किया जाएगा।
- यदि पुरस्कार किसी व्यक्ति को प्रदान किया जाता है तो व्यक्ति को एक प्रमाणपत्र और 5 लाख रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाएगा।
- किसी संस्थान द्वारा कोई आवेदन किसी व्यक्ति को अपनी क्षमता के आधार पर इस पुरस्कार के लिए आवेदन करने से रोक नहीं कर सकता है।

इस पुरस्कार के लिए कौन पात्र हैं?

- इस पुरस्कार के लिए केवल भारतीय नागरिक और भारतीय संस्थान आवेदन कर सकते हैं।
- संस्थागत पुरस्कारों के लिए, स्वैच्छिक संगठन, कॉर्पोरेट संस्थाएं, अकादमिक, अनुसंधान संस्थान, प्रतिक्रिया वर्दीधारी बल अथवा कोई अन्य संस्थान पुरस्कार के लिए आवेदन कर सकते हैं।
- आवेदक को अवश्य ही भारत में आपदा प्रबंधन, रोकथाम, शमन, तैयारी, बचाव, प्रतिक्रिया, राहत, पुनर्वास, अनुसंधान, नवाचार अथवा प्रारंभिक चेतावनी संबंधी कार्य जैसे क्षेत्रों में काम किया होना चाहिए।
- आवेदन में आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में किए गए कार्यों का विवरण होना चाहिए और मानव जीवन को बचाने, जीवन, पशुधन, आजीविका, संपत्ति, समाज, अर्थव्यवस्था अथवा पर्यावरण पर आपदाओं के प्रभाव में कमी जैसे किसी एक अथवा अधिक क्षेत्रों में उपलब्धियों को स्पष्ट करना चाहिए।
- आपदाओं के दौरान प्रभावी प्रतिक्रिया के लिए संसाधनों का संकलन और प्रावधान, आपदा प्रभावित क्षेत्रों और समुदायों में तत्काल राहत कार्य, आपदा प्रबंधन के किसी भी क्षेत्र में प्रौद्योगिकी का प्रभावी और अभिनव उपयोग और खतरा संवेदनशील क्षेत्रों में आपदा न्यूनीकरण पहल कुछ अन्य मापदंड भी हैं।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

9. **<u>पाकिस्तान ने रॅन्मिन्बी-नामक बांडो को जारी करने की मंजूरी प्रदान की है।</u>**

- हाल ही में, पाकिस्तान के मंत्रिमंडल ने पहली बार रॅन्मिन्बी-नामक बांड अथवा पांडा बांड को जारी करने की मंजूरी प्रदान की है।
- यह चीन की पूंजी बाजारों से ऋण जुटाने में मदद करता है क्यों कि देश ने अमेरिकी डॉलर के साथ चीनी मुद्रा को एक दर्जा देने के लिए एक कदम आगे बढ़ाया है।

बॉन्ड के लाभ

- चीनी पूंजी बाजारों में बॉन्ड जारी करने की मंजूरी, $ 3 बिलियन अमरीकी डालर के मूल्य वाले यूरोबॉन्ड को जारी करने में देरी करना वित्त मंत्रालय के फैसले के इंतजार में है।
- यह विदेशी वित्तपोषण की जरूरतों को पूरा करने और विदेशी मुद्रा भंडार के निर्माण के लिए सरकार के बहु-आयामी दृष्टिकोण को सफलतापूर्वक जारी रखने में मदद करेगा।

- बांड, सरकार को पूंजी बाजार जारी करने के निवेशक आधार में विविधता लाने में मदद करेगा और रूम्निंबी (आर.एम.बी.) बढ़ाने का एक स्रोत प्रदान करेंगे।

संबंधित जानकारी

- चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सी.पी.ई.सी.) की दीर्घकालिक योजना के हिस्से के रूप में दोनों देशों ने डॉलर पर पाकिस्तान की निर्भरता को कम करने हेतु दूसरी अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा के रूप में रॅन्मिन्बी (आर.एम.बी.) का उपयोग करने का फैसला किया था।
- "पाकिस्तान ग्वादर पोर्ट फ्री जोन के निर्माण को बढ़ावा देगा और ग्वादर फ्री जोन में आर.एम.बी. अपतटीय वित्तीय व्यवसाय का पता लगाएगा।
- हाल के वर्षों में चीन, पाकिस्तान का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार बन गया है और सर्वोत्तम व्यापारिक घाटे वाला देश भी बन गया है।
- चीनी मुद्रा पर निर्भरता से चीनी स्रोतों से व्यापारिक घाटे को कम करने में मदद मिलेगी।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 2 – **अंतर्राष्ट्रीय संबंध**

स्रोत- द हिंदू बिजनेस

***

बैंकिंग, एसएससी, गेट, सीटीईटी, जेईई एवं अन्य प्रवेश परीक्षाएं

- नवीनतम परीक्षा पैटर्न पर आधारित
- हिंदी और अंग्रेजी में उपलब्ध है
- अखिल भारतीय रैंक और परिणाम विश्लेषण प्राप्त करें
- विस्तृत समाधान

ANDROID APP ON Google play